वर्ष 73 » अंक 143 » पृष्ठ 12
रीवा, शुक्रवार 20 फरवरी, 2026
फाल्गुन शुक्ल पक्ष 03, विक्रम संवत् 2082
नगर » मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

सफलता की शुरुआत हमेशा आपके अपने विचारों से होती है, क्योंकि जो मन से जीत गया, वह दुनिया जीत गया।
-अज्ञात

चुनाव पूर्व फ्रीबीज घोषणाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी

खैरात पर खरी-खरी

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फ्रीबीज कल्चर (मुफ्त की रेवड़ियां) पर कहा, अगर सरकार लोगों को सुबह से शाम तक फ्री खाना, गैस और बिजली देती रहेंगी, तो लोग काम क्यों करेंगे। ऐसे तो काम करने की आदत खत्म हो जाएगी। सरकार को रोजगार देने पर फोकस करना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन बिना फर्क किए सबको मुफ्त सुविधा देना सही नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। इसमें वित्तीय हालत की परवाह किए बिना सभी को फ्री बिजली का प्रस्ताव था। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की बेंच ने कहा, ज्यादातर राज्य राजस्व घाटे में हैं और फिर भी वे विकास को नजरअंदाज कर मुफ्त की घोषणाएं कर रहे हैं। अचानक चुनाव के आसपास स्कीम क्यों अनाउंस की जाती हैं? अब समय आ गया है कि सभी पॉलिटिकल पार्टियां, नेता फिर से सोचें। अगर हम इस तरह से उदारता दिखाते रहे तो हम देश के डेवलपमेंट में रुकावट डालेंगे। बैलेंस होना चाहिए। ऐसा कब तक चलेगा? हम भारत में कैसी संस्कृति विकसित कर रहे हैं? यह समझ में आता है कि कल्याणकारी योजना के तहत आप उन लोगों को राहत दें, जो बिजली का बिल नहीं चुका सकते।

रोजगार के रास्ते बनाएं सरकारें

कोर्ट ने कहा, आपको लोगों के लिए रोजगार के रास्ते बनाने चाहिए, ताकि वे काम कर सकें और अपनी इज्जत और आत्म सम्मान बनाए रख सकें। जब उन्हें एक ही जगह से सबकुछ मुफ्त मिल जाएगा तो लोग काम क्यों करेंगे। क्या हम ऐसा ही देश बनाना चाहते हैं?

मुफ्त राशन पर पहले भी लगाई थी फटकार

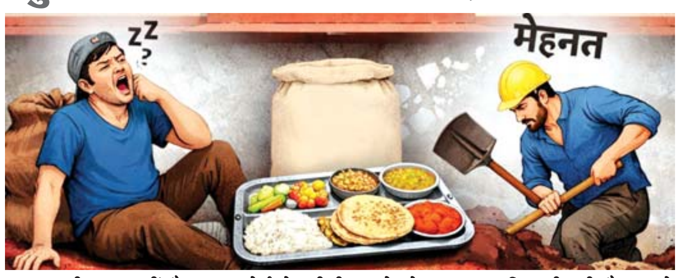

यह पहली बार नहीं है, जब कोर्ट ने फ्रीबीज को लेकर सख्त टिप्पणी की है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 12 फरवरी 2025 को कहा था, लोग काम करना नहीं चाहते, क्योंकि आप उन्हें मुफ्त राशन दे रहे हैं। बिना कुछ किए उन्हें पैसे दे रहे हैं। कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि इन लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की बजाय क्या आप मुफ्त की योजनाएं लागू करके परजीवियों की जमात नहीं खड़ी कर रहे हैं? वहीं 9 दिसंबर 2024 को भी केंद्र सरकार के मुफ्त राशन बांटने पर सख्त टिप्पणी की थी। कोर्ट ने कहा था- कब तक ऐसे मुफ्त राशन बांटा जाएगा।

यह है मामला

सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। कंपनी ने 2024 के विद्युत संशोधन नियमों के नियम 23 को चुनौती दी है। इसमें उपभोक्ताओं की आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना सभी को मुफ्त बिजली देने का प्रस्ताव है। राज्य सरकार घरेलू उपभोक्ताओं को हर दो-महीने में लगभग 100 यूनिट तक मुफ्त बिजली देती है, बिना किसी शर्त के यानी उपभोक्ता चाहे कितना भी खर्च करे, पहले 100 यूनिट के लिए बिल नहीं देना होता। कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार और अन्य पक्षों को नोटिस जारी किया है।

देश के प्रमुख राज्यों का फ्रीबीज पर खर्च (अनुमानित/बजट डेटा)

राज्य	मुख्य योजनाएं	वार्षिक खर्च	जीएसडीपी/राजस्व का प्रतिशत
तेलंगाना	रायथु भरोसा, महालक्ष्मी (चुनावी वादे)		आय का 57 फीसदी
पंजाब	मुफ्त बिजली (300 यूनिट), कर्ज माफी	20,000 करोड़	आय का 17.8 फीसदी
कर्नाटक	गृह लक्ष्मी, शक्ति, अन्न भाग्य (5 गारंटियां)	52,000 करोड़	आय का 16 फीसदी
आंध्र प्रदेश	नकद हस्तांतरण, कृषि सब्सिडी	40,000+ करोड़	आय का 14.1 फीसदी
मध्य प्रदेश	लाड़ली बहना योजना	20,000 करोड़	आय का 10.8 फीसदी
बिहार	नकद अनुदान (महिलाएं/युवा), मुफ्त बिजली	33,000 करोड़	आय का 3 फीसदी
दिल्ली	मुफ्त बिजली, पानी, बस यात्रा	3,200 करोड़/माह (केवल बिजली)	
महाराष्ट्र	लाडकी बहिन योजना	46,000 करोड़	व्यय का 1.1 फीसदी

कैलाश ने उमंग को कहा-औकात में रहो
सीएम ने दिखाया बड़प्पन, मांगी माफी

विशेष संवाददाता, भोपाल। विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन गुरुवार को हंगामे के बीच नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के बयान पर संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय उत्तेजित हो गए और उन्होंने कह दिया-'नेता प्रतिपक्ष अपनी औकात में रहें।' इस पर सदन में हंगामा हुआ। बाद में स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर ने सदन के आचरण पर रंज जताया। हालांकि, बाद में विजयवर्गीय ने भी आचरण पर खेद जताया, जबकि सीएम डॉ. मोहन यादव ने इस पूरे मामले पर सदन से माफी मांगी।

दरअसल, राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने राज्य सरकार और अदाणी समूह के बीच समझौते का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, बिजली खरीदी के नाम पर आगामी 25 वर्षों में लगभग एक से सवा लाख करोड़ रुपए तक का भुगतान किया जाएगा। सरकार जनता के हितों की बात करती तो है,लेकिन हकीकत में उद्योगपतियों को लाभ पहुंचा रही है। इस पर संसदीय कार्यमंत्री विजयवर्गीय ने कहा, सिंगार झूठ बोल रहे हैं। जो आरोप सिंघार लगा रहे हैं, उसके कोई सबूत नहीं हैं। इस पर सिंघार ने कहा, वे सबूत सदन में प्रस्तुत करेंगे, यदि नहीं कर पाए तो वे राजनीति से इस्तीफा दे देंगे और अगर सबूत पेश कर दिए तो विजयवर्गीय को इस्तीफा देना होगा। इससे विजयवर्गीय उत्तेजित हो गए और कहा, 'नेता प्रतिपक्ष औकात में रहें।' उनकी इस टिप्पणी पर विपक्ष ने एतराज जताया, वहीं मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने विजयवर्गीय का बचाव किया।

आज जो हुआ वो गलत है: सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, आज जो हुआ वो गलत है। मैं इस पूरे मामले में सभी की ओर से माफी मांगता हूं। उधर, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि इस पूरे मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बड़ा दिल दिखाया है। प्रदेश के विकास के मामले में विपक्ष सदैव उनके साथ खड़ा है।

मेरी औकात साढ़े सात करोड़ जनता: सिंघार

कैलाश विजयवर्गीय जी, मेरी औकात मप्र की 7.5 करोड़ जनता के सवालों को आपकी अहंकारी सत्ता के सामने मुखरता से रखने की है। मेरी इसी औकात ने आपको इतना बौना बना दिया कि आपका असली चेहरा बाहर आ गया, मेरी इसी औकात ने आपको भागीरथपुरा पर बहस पर मजबूर कर दिया। ये सिर्फ उमंग सिंघार या किसी नेता प्रतिपक्ष के लिए नहीं, मप्र की 7.5 करोड़ जनता का अपमान है। **-उमंग सिंघार,** नेता प्रतिपक्ष

बाद में विजयवर्गीय ने भी जताया दुख

आज मैं अपने आप से संतुष्ट नहीं हूं। मेरा सब्र टूट गया। हम इस विधानसभा में पांच-दस सदस्य होंगे, जो वरिष्ठ होंगे, लेकिन आज दुःख है कि मुझे अपने संसदीय जीवन के 38 साल में पहली बार गुस्सा आया। यह नहीं होना चाहिए था। वे अपनी ओर से खेद जताते हैं।
-कैलाश विजयवर्गीय, संसदीय कार्य मंत्री, मप्र
(स्पीकर के रंज जताने के बाद)

आज मर्यादा की सीमा टूट गई

आज दुर्भाग्य से सदन में असहज स्थिति बन गई। दोनों पक्षों ने सदा अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन आज असहज स्थिति बनी। मुझे पटवा जी की बात याद आती है कि गुस्सा दिखे, लेकिन शब्दों में गुस्सा दिखाई न दे। आज जो स्थिति सदन में बनी है, उसका मुझे बहुत ही रंज है, इसके लिए पक्ष-विपक्ष दोनों जिम्मेदार हैं।
-नरेंद्र सिंह तोमर, अध्यक्ष, मप्र विधानसभा

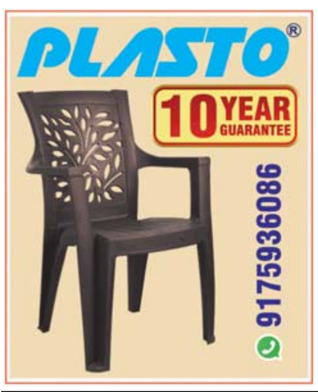

सुप्रीम कोर्ट ने लौटाया केस, 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट करेगा फैसला

नई दिल्ली, जेएनएन। मध्य प्रदेश में 27 फीसदी अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर कानूनी सुर्खियों में है। सुप्रीम कोर्ट में दायर कुछ याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने इस संवेदनशील मामले को वापस मध्य प्रदेश हाई कोर्ट को भेज दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि इस कानून को लागू करने और इसकी वैधता तय करने के लिए हाई कोर्ट ही सही मंच है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने मप्र में 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण देने वाले 2019 के कानून को लागू करने की मांग वाली याचिकाओं को हाई कोर्ट को भेज दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि मध्य प्रदेश हाई कोर्ट इस मामले पर फैसला करे। बता दें कि मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के कुछ कैंडिडेट्स की तरफ से फाइल की गई याचिका में कहा गया है कि कोर्ट द्वारा कानून पर रोक न लगाए जाने के बावजूद राज्य पब्लिक सर्विस कमीशन ने पिछले सालों में घोषित वैकेंसी में से 13 फीसदी को होल्ड कर रखा है। याचिका में मांग की गई है कि उन पदों पर भर्ती कानून के अनुसार, यानी 27 फीसदी ओबीसी रिजर्वेशन के साथ की जाए।

सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर किया गया था ये मामला

बता दें कि ये केस पहले सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर किए गए थे, लेकिन अब कोर्ट ने हाई कोर्ट को वापस कर दिया है। कोर्ट ने यह भी कहा कि 27 फीसदी ओबीसी रिजर्वेशन लागू करना और पोस्ट अनलॉक (अनहोल्ड) करना राज्य सरकार की नीयत और पॉलिसी पर निर्भर करेगा। एडवोकेट रामेश्वर सिंह ठाकुर ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश में ओबीसी आरक्षण को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद में अहम फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी आरक्षण से जुड़े सभी केस मध्य प्रदेश हाई कोर्ट को वापस कर दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन केस को हाई कोर्ट में ट्रांसफर करते हुए कहा कि ओबीसी आरक्षण कानून की संवैधानिक वैधता का फैसला हाई कोर्ट को करना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

कर्नाटक समेत 22 राज्यों में एसआईआर की घोषणा

नई दिल्ली, जेएनएन। चुनाव आयोग ने गुरुवार को देशभर में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की घोषणा कर दी है। चुनाव आयोग के सचिव पवन दीवान ने 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) को पत्र लिखकर एसआईआर से जुड़ी तैयारी का काम जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कहा है। चुनाव आयोग ने बताया कि दिल्ली, कर्नाटक सहित शेष 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर प्रक्रिया अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है। लेटर में आगे कहा गया है कि चुनाव आयोग ने पिछले साल 24 जून को आदेश दिया था कि पूरे देश में एसआईआर किया जाएगा। चुनाव आयोग ने पहले फेज में बिहार में एसआईआर करवाया था। इसके फेज के तहत, 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 28 अक्टूबर 2025 से एसआईआर जारी है।

'घूसखोर पंडत' का शीर्षक बदलेगा

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने नीरज पांडे द्वारा 'घूसखोर पंडत' शीर्षक वापस लिए जाने के बाद याचिका का निपटारा किया। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने उम्मीद जताई कि विवाद समाप्त होगा। पांडे ने कहा, फिल्म का नया शीर्षक अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन पहले वाले नाम से भिन्न होगा। फिल्म निर्माता नीरज पांडे द्वारा 'घूसखोर पंडत' शीर्षक एवं उससे जुड़ी सभी प्रचार सामग्री वापस लिए जाने की जानकारी दिए जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस फिल्म के खिलाफ दायर याचिका का गुरुवार को निपटारा कर दिया। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने पांडे के हलफनामे को रिकॉर्ड पर लेने के बाद याचिका का निपटारा किया और उम्मीद जताई कि यह विवाद पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। पांडे ने अपने हलफनामे में कहा कि मनोज बाजपेयी अभिनीत फिल्म का नया शीर्षक अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन यह पहले वाले नाम से मिलता-जुलता नहीं होगा।

टी-20 वर्ल्ड कप में आज
ऑस्ट्रेलिया बनाम ओमान
समय: शाम 7.00 बजे से
प्रसारण: जियो हॉट स्टार और स्टार स्पोर्ट्स

रिश्तों का खून | बैतूल में 12वीं में टॉपर रहे सनकी युवक ने दिया दर्दनाक वारदात को अंजाम, भांजे पर भी किया हमला

मां-पिता, भाई के खून से रंगी दीवार शवों के संग रातभर बैठा रहा युवक

जागरण, बैतूल। घर का दरवाजा बंद कर युवक ने अपने मां-पिता और छोटे भाई को तड़पा-तड़पा कर मार डाला। युवक पर ऐसा खून सवार था कि घर की छत और दीवारें तक लाल हो गईं। कुछ साल पहले तक गांव में सबसे होनहार का तमगा पाने वाले इस सनकी युवक ने अपने मासूम भांजे पर भी हमला बोला, मगर वह जिंदा बच गया। इस बीच कमरे में आई बिल्ली को भी आरोपी ने मौत के घाट उतार दिया। सबकी जान लेने के बाद आरोपी ने पूरी रात अपनों की लाशों के बीच ही बैठकर ही बिताई। रूह को झकझोर देने वाली यह भयानक वारदात बैतूल कोतवाली थाना क्षेत्र के सांवगा गांव की है। यहां रहने वाले राजू उर्फ हंसू धुर्वे (55), उनकी पत्नी कमलती धुर्वे (40) और बेटे दिलीप धुर्वे (23) की घर में ही हत्या कर दी गई। तीनों की हत्या के आरोप राजू के बड़े बेटे दीपक (25) पर लगे हैं। खून से सने पूरे कमरे में जगह-जगह सामान बिखरा पड़ा था, तो कमरे में 5 साल का प्रशांत परते घायल अवस्था में मिला।

ऐसे दिया अंजाम

गुरुवार दोपहर तक राजू के घर का दरवाजा नहीं खुला। पड़ोसियों ने आवाज दी, तो भी कोई जवाब नहीं मिला। दरवाजा खटखटाने पर भी कोई बाहर नहीं आया तो लोगों ने खिड़की से झांका तो आरोपी दीपक कमरे में बैठा नजर आया। ग्रामीणों ने किसी अनहोनी की आशंका में घर का दरवाजा तोड़ा तो अंदर का नजारा देख सभी सन्न रह गए। तीनों शवों के बीच आरोपी बैठा हुआ था। पूरा घर तितर-बितर था। पास ही बच्चा बेहोश पड़ा था। पड़ोसियों ने फौरन कोतवाली पुलिस को सूचना दी।

राहुल को गोली मारने की धमकी

नई दिल्ली, जेएनएन। राहुल गांधी को गोली मारने की कथित धमकी का मामला सामने आया है। कांग्रेस ने दावा किया है कि करणी सेना के कार्यकर्ता ने वीडियो जारी कर राहुल गांधी और 25 सांसदों को धमकी दी। यह वीडियो कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने एक्स पर साझा किया। वीडियो वायरल होने के बाद कोटा से आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लिया है। वीडियो में खुद को करणी सेना से जुड़ा बताते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के चैंबर में कथित घटना का जिक्र किया। आरोपी की पहचान राज आमेरा के रूप में हुई है, जो कोटा के उद्योग नगर का निवासी बताया जा रहा है। वीडियो में उसने कहा,यदि ऐसी घटना दोबारा हुई, तो संबंधित 25 सांसदों के घरों में तोड़फोड़ की जाएगी और राहुल गांधी को 'घर में घुसकर गोली मारने' की धमकी दी।

एपस्टीन फाइल में नाम आने के बाद बड़ी कार्रवाई

ब्रिटेन में किंग चार्ल्स के भाई एंड्रयू गिरफ्तार

लंदन, जेएनएन। ब्रिटेन में किंग चार्ल्स के भाई एंड्रयू को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें सार्वजनिक पद पर रहते हुए गलत बर्ताव के शक में पकड़ा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने उन्हें गुरुवार सुबह करीब 8 बजे सैंड्रिंघम में उनके घर से हिरासत में लिया। बता दें कि एंड्रयू का आज ही जन्मदिन है। दरअसल, एपस्टीन मामले में पीड़िता रही वर्जीनिया गिफ्रे ने आरोप लगाया था कि 2001 में जब वह 17 साल की थी, तब प्रिंस एंड्रयू ने उनका यौन शोषण किया था।

हालांकि, एंड्रयू ने गिफ्रे के सभी आरोपों को खारिज किया था। गिफ्रे की अप्रैल 2025 में मौत हो गई थी। इसकी वजह आत्महत्या बताई गई थी। एंड्रयू को पकड़ने के लिए गुरुवार सुबह सादे कपड़े में पुलिस पहुंची थी। वह आधुनिक इतिहास में गिरफ्तार होने वाले पहले शाही सदस्य बन गए हैं। इंग्लैंड में सार्वजनिक पद पर रहने हुए कदाचार गंभीर अपराध माना जाता है। इस अपराध में यह साबित होना जरूरी है कि व्यक्ति को पता था कि वह गलत कर रहा है, फिर भी उसने ऐसा किया। इस अपराध में अधिकतम सजा उम्रकैद हो सकती है। इस मामले की सुनवाई सिर्फ गंभीर आपराधिक आरोप के तहत अदालत में की जा सकती है। माना जा रहा है कि यह मामला उस समय से जुड़ा है जब एंड्रयू ब्रिटेन के ट्रेड एनवॉय (व्यापार दूत) थे। वह 2001 में इस पद पर नियुक्त हुए थे, लेकिन 10 साल बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। उस समय उनका नाम अमेरिकी अपराधी जेफ्री एपस्टीन के साथ संबंधों को लेकर विवादों में आया था। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट की तरफ से जारी दस्तावेजों में बताया गया था कि पद पर रहते हुए एंड्रयू का एपस्टीन से संपर्क था।

अमेरिकी होटल चेन हयात के चेयरमैन का इस्तीफा

न्यूयॉर्क। अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के साथ संबंधों का खुलासा होने के बाद इस्तीफों का दौर जारी है। ताजा इस्तीफा अमेरिकी होटल चेन हयात होटल्स के कार्यकारी अध्यक्ष अरबपति थॉमस प्रित्जकर का है। वे इस पद पर 1999 से थे। इमेल की फाइल से पता चला 2008 से एपस्टीन व प्रित्जकर लगातार संपर्क में थे। 2018 में एपस्टीन ने प्रित्जकर से प्रेमिका की द.-पूर्व एशिया यात्रा की व्यवस्था में मदद का अनुरोध किया था। एक ईमेल बताता है कि एपस्टीन ने दुबई में निवेश बढ़ाने डीपी वर्ल्ड के सीईओ बिन सुलेयम, प्रित्जकर को जोड़ने की कोशिश की थी। उसने सुलेयम और जेस स्टेली के बीच कारोबारी संबंध बढ़ाने की भी कोशिश की, जो उस समय जेपी मॉर्गन चेस एंड कंपनी में वरिष्ठ कार्यकारी थे।

धोखाधड़ी | हैदराबाद में बिरयानी रेस्टोरेंट की जांच में खुलासा, पूरे देश में फैला है धंधा

बिरयानी रेस्टोरेंट चेन में 70,000 करोड़ का घोटाला!

नई दिल्ली, जेएनएन। हैदराबाद में एक बिरयानी रेस्टोरेंट चेन की जांच में टैक्स चोरी का बहुत बड़ा घोटाला सामने आया है। फूड एंव बेवरेज इंडस्ट्री का यह घोटाला हजारों करोड़ का हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की हैदराबाद जांच यूनिट ने बिलिंग सॉफ्टवेयर में 60 टेराबाइट (टीबी) डेटा खंगालने के बाद यह गड़बड़ी पकड़ी है।

इस सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल देशभर में 1 लाख से ज्यादा रेस्टोरेंट करते हैं। इन रेस्टोरेंट्स ने 2019-20 से 70,000 करोड़ की सेल्स को छिपाया है। हालांकि, अधिकारियों ने अब तक छिपाई गई इनकम पर टैक्स, पेनल्टी की गणना नहीं की है। उनका कहना है कि उन्होंने जिस सॉफ्टवेयर की जांच की है, वह देश के टोटल रेस्टोरेंट बिलिंग सॉफ्टवेयर मार्केट में 10 फीसदी कंट्रोल करता है।

तमिलनाडु समेत 5 राज्यों में सर्वाधिक गड़बड़ी?

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 5,141 करोड़ रुपए की सेल को छिपाया गया। दोनों राज्यों में 40 रेस्टोरेंट्स के सैंपल की फिजिकल और डिजिटल जांच की गई। इनमें करीब 400 करोड़ रुपए की सेल छिपाने का पता चला है। सबसे ज्यादा गड़बड़ी तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र और गुजरात में सामने आई है। अधिकारियों ने बताया कि कुछ रेस्टोरेंट्स ने इनकम टैक्स रिटर्न में कम सेल्स दिखाई, लेकिन रेकॉर्ड डिलीट करने की जहमत तक नहीं उठाई। सैंपल के आधार पर अधिकारियों का अनुमान है कि करीब 27 फीसदी सेल्स को छिपाया गया। अधिकारियों ने अहमदाबाद में बिलिंग सॉफ्टवेयर प्रोवाइडर कंपनी के सेंटर से डेटा एक्सेस किया। इसे हैदराबाद में इनकम टैक्स विभाग के डिजिटल फोरेंसिक एंड एनालिटिक्स लैब में एनालाइज किया गया।

जांचकर्ताओं ने 1.8 लाख से अधिक रेस्टोरेंट्स के डेटा को खंगालने के लिए डेटा एनालिसिस, एआई टूल्स का इस्तेमाल किया। इसमें जेनरेटिव एआई भी शामिल है। देशभर में कुल 70,000 करोड़ की बिक्री में से 13,317 करोड़ का डेटा डिलीट किया गया। यह जांच हैदराबाद, विशाखापत्तनम और आंध्र प्रदेश के अन्य शहरों से शुरू हुई थी, जिसे अब केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने पूरे भारत में विस्तारित कर दिया है। अधिकारियों का मानना है कि यह केवल एक सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म का डेटा है, और अन्य बिलिंग प्लेटफॉर्म्स की जांच से यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है।

कहां कितनी टैक्स चोरी

- **कर्नाटक:** 2,000 करोड़
- **तेलंगाना:** 1,500 करोड़
- **तमिलनाडु:** 1,200 करोड़
- **महाराष्ट्र और गुजरात:** अन्य प्रभावित प्रमुख राज्य।

एआई के जरिए की जांच

अधिकारियों ने एक प्रमुख बिलिंग सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म से प्राप्त लगभग 60 टेराबाइट (60 टीबी) डेटा का विश्लेषण किया, जिसका उपयोग देश भर में 1.77 लाख से अधिक रेस्टोरेंट आईडी द्वारा किया जाता है।

- **डेटा प्रोसेसिंग:** जांचकर्ताओं ने इतने विशाल डेटा को खंगालने के लिए जेनरेटिव एआई और हाई-कैपेसिटी सिस्टम का उपयोग किया।
- **मैपिंग:** एआई टूल की मदद से खुले स्रोतों और ऑनलाइन जानकारी का उपयोग करके रेस्टोरेंट्स के जीएसटी नंबरों को उनकी वास्तविक बिलिंग गतिविधियों से तेजी से मैप किया गया।
- **पैटर्न डिटेक्शन:** एआई ने उन विसंगतियों को पहचाना जहां रेस्टोरेंट्स ने बिलिंग सिस्टम में छेड़छाड़ कर अपनी वास्तविक आय छिपाई थी।

महाकाल: आरती के लिए चुकाने होंगे 250 रुपए

जागरण, उज्जैन। श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र श्रीमहाकालेश्वर मंदिर में आरती व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। अब भस्मारती की तर्ज पर संध्या, शयन आरती दर्शन के लिए ऑनलाइन बुकिंग करनी होगी, इसके लिए भक्तों को आरती के हिसाब से 250 रुपए प्रति व्यक्ति चुकाने होंगे। मंदिर समिति ने व्यवस्था को गुरुवार से लागू कर दिया है। निशुल्क भक्तों को चलित दर्शन करने होंगे। संध्या आरती, रात में शयन आरती में भक्तों की उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए महाकाल मंदिर प्रबंध समिति ने यह निर्णय लिया है। अब श्रद्धालु दोनों आरतियों के लिए केवल मंदिर की अधिकृत वेबसाइट www.shrimahakaleshwar.mp.gov.in के माध्यम से ही बुकिंग कर सकेंगे। महाकालेश्वर मंदिर समिति पहले से ही श्रद्धालुओं से भस्मारती के ऑनलाइन प्रवेश के लिए 200 रुपए और शीघ्र दर्शन के लिए प्रति व्यक्ति 250 रुपए शुल्क ले रही है। विभिन्न पूजन विधियों के लिए अलग से राशि ली जाती है।

भद्रा और चंद्रग्रहण के साये में मनेगी होली, 2 मार्च को अर्द्धरात्रि में 1 से 2 बजे तक होगा होलिका दहन

भद्रा पुच्छ में होगा दहन, सूतक काल के समापन के बाद होगी धुलंडी

जागरण, रीवा। होली का त्योहार 2 व 3 मार्च को मनाया जाएगा। पहले दिन यानी 2 मार्च सोमवार को होलिका दहन होगा, जबकि मंगलवार यानी 3 मार्च को चंद्रग्रहण के समापन के बाद धुलंडी पर रंग खेला जाएगा। हालांकि इस बार होलिका दहन का समय 2 मार्च की अर्द्धरात्रि में किया जाएगा। ज्योतिषाचार्यो की मानें तो पूर्णिमा तिथि के दिन शाम 5 बजकर 45 मिनट से भद्रा शुरू हो जाएगा। भद्रा तिथि 3 मार्च को सुबह 5.23 बजे तक रहेगी। इसलिए होलिका का दहन भद्रा पुच्छ में 2 मार्च की अर्द्धरात्रि को 1 बजे से रात 2 बजे किया जाना चाहिए। बताया कि भद्रा पुच्छ में ही होलिका दहन किया जाना चाहिए। यदि भद्रा में होलिका दहन किया जाता है तो अग्नि दुर्घटना होती है। शास्त्र सम्मत है कि भद्रा पुच्छ में होलिका दहन किया जाए। सूतक काल के दौरान खान-पान वर्जित माना जाता है और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शुभ व मांगलिक कार्य नहीं किए जाते। चूंकि होली एक सामाजिक और सामूहिक पर्व है, जिसमें लोगों का आपस में मिलना-जुलना, भोजन और उत्सव शामिल होता है, ऐसे में सूतक काल के दौरान होली मनाना संभव नहीं होगा। सूतक काल के बाद होली मनाना शुभ होगा।

धुलेंडी पर रहेगा चंद्रग्रहण का साया

धुलंडी 3 मार्च को चंद्रग्रहण के साये में रहेगी। 3 मार्च को शाम 6 बजकर 14 मिनट तक ग्रहण शुरू रहेगा शाम 7 बजकर 2 मिनट तक रहेगा। ग्रहण काल का सूतक सुबह 9 बजकर 14 मिनट पर शुरू हो जाएगा। सुबह अभिषेक-पूजन के बाद मंदिरों के पट बंद हो जाएंगे। शाम 7 बजे के बाद ग्रहण खत्म होने पर मंदिरों की साफ-सफाई होगी और उसके बाद होली खेली खेली जाएगी। कई मंदिरों में 4 मार्च को भी होली के आयोजन होंगे।

अशुभ माना जाता है भद्रा

भद्रा को अशुभ इसलिए माना जाता है क्योंकि शास्त्रों में इसे शुभ कार्यों में बाधा डालने वाला समय बताया गया है। मान्यता है कि भद्रा के दौरान किए गए काम फल नहीं देते या उनमें अड़चनें आती हैं। धार्मिक कथाओं के अनुसार भद्रा शनिदेव की बहन हैं और उनका स्वभाव उग्र माना गया है। इसी कारण भद्रा काल को क्रोध और विघ्न का समय माना जाता है, जिसमें विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन जैसे शुभ कार्य वर्जित होते हैं।

खजुहा धाम समैया में धूमधाम से मनाया गया किशोरी जी का जन्मोत्सव

जागरण, रीवा। अनन्त श्री विभूषित पंच रासाचार्य स्वामी श्रीरामहर्षण देवाचार्य जी महाराज श्री खजुहा धाम में गुरुवार को श्रीसीताराम विवाहोत्सव समैया रंगारंग कार्यक्रम के साथ प्रारंभ हो गया। श्रीसीताराम विवाहोत्सव के पहले दिन किशोरी जी का जन्मोत्सव बड़े धूमधाम के साथ हर्ष उमंग के बीच मनाया गया। इस उत्सव से पूरे गांव में उत्साह बना हुआ है जय जय सियाराम-जय जय सियाराम गांव की सभी गलियों में गूंजायमान हो रहा है। देश के कोने-कोने से श्रद्धालु भक्त गुरु भाई 6 दिन की व्यवस्था को देखते हुए सामान लेकर भक्तों के आने का ताता लगा हुआ है। किशोरी जी के जन्मोत्सव पर महाराज जगतगुरु भगवान द्वारा उपहार भक्तों के बीच वितरित किया गया। किशोरी जी की बाल लीलाओं में उनके साथ अष्ट सखियों द्वारा उनको प्रसन्नता के लिए विभिन्न प्रकार की लीलाएं प्रस्तुत की गई तथा खिलौने आदि से उनको मनोरंजन किया गया। इस विवाह महोत्सव में सभी रसों से युक्त श्रृंगारित लीला स्वरूप पात्र साक्षात भगवतवाणी के माध्यम से सहज ही भक्तों का मन मोह लेती हैं। लीला व्यास के रूप में पात्रों के सहित स्वयं विराजमान जगदगुरू भगवान श्री ब्रह्मचार्य जी महाराज एवं श्रेष्ठ गुरुभाई अभिलाष प्रसाद त्रिपाठी द्वारा सपूर्ण लीला में स्वामी जी की नित्य दिनचर्या तथा साधना की झलक की व्याख्या कर भक्तों को बोध कराया जाता है। इस अवसर पर वैष्णव संप्रदाय को विभूषित करने वाले श्रीमदजगदगुरू रामानन्दाचार्य श्री श्री 1008 श्री वल्लभाचार्य जी महाराज रामहर्षण मैथिल सख्य पीठाधीश्वर स्वयं विराजमान हैं। उक्त जानकारी आश्रम के परम पूज्य महत श्री रसिकेश्वरदास जी महाराज एवं सचिव बृजेंद्र तिवारी तथा अखिल भारतीय श्रीरामहर्षण मण्डल के पदाधिकारियों एवं भक्तों द्वारा जानकारी देते हुये समस्त भक्तों से कार्यक्रम में पहुंचने का आग्रह किया गया है। बताया गया है कि समैया में 20 फरवरी को फुलवारी दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

दो वार्डो में नाला गैंग ने की बड़े नालों की सफाई

जागरण, रीवा। स्वच्छ भारत मिशन के तहत निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देश पर नगर निगम के नाला गैंग द्वारा शहर में निरंतर बड़े नाला के साथ ही नालियों की सफाई का कार्य किया जा रहा है। इस क्रम में 19 फरवरी को नाला गैंग द्वारा वार्ड क्रमांक 31 अल्लारखा का बड़ा नाला तल्ली से खुदवाकर साफ कराया गया। इसके साथ ही कचरे का उठाव टेम्पो द्वारा कराया गया। इसी के साथ नाला गैंग द्वारा वार्ड कमांक 07 सिरमौर चौराहा शराब दुकान के सामने से लेकर संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन के सामने तक की बड़ी नाली का चैंबर खुलवाकर कचरे की सफाई कराई गई। इसके साथ ही कचरे के निपटान हेतु कचरा उठाव टैम्पो द्वारा कराया गया। इसके अलावा अलग अलग वार्डों में लगातार नाला नालियों की सफाई कराई जा रही है। साफ-सफाई कार्य का निरीक्षण स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जनप्रतिनिधि के साथ किया गया।

बसों का भी रास्ता रोकने लगे ऑटो, ई-रिक्शा

स्टैंड से बसें निकलने वाले स्थान पर भी कब्जा

जागरण, रीवा। शहर में संचालित होने वाले ऑटो व ई-रिक्शा के चालक अभी तक तो सड़कों के बीच ही वाहन खड़े कर जाम का कारण बन रहे हैं वहीं अब बस स्टैंड से निकलने वाली बसों का रास्ता रोकने की भी हिमाकत करने लगे हैं। बुधवार को पुराने स्टैंड पर जहां से बसें बाहर आती हैं, मोड़ पर ही एक ऑटो व ई-रिक्शा खड़ा था। अंदर से निकलने वाली बस का चालक हॉर्न बजाता रहा, लेकिन दोनों ही वाहन चालकों ने उसके हॉर्न पर कोई ध्यान नहीं दिया। वे काफी देर तक वहीं पर खड़े रहे, जिससे मुख्य सड़क का आवागमन तो बाधित रहा साथ ही स्टैंड से निकलने वाली बस के चालक को भी इनके हटने का इंतजार करना पड़ा। ऑटो व ई-रिक्शा चालकों की मनमानी देखने यहां कोई जिम्मेदार मौजूद नहीं था।

शहर के 6 प्रमुख स्थानों पर किया जा रहा ट्रैफिक वॉल्यूम काउंट

आवागमन के तरीकों, साधनों एवं दूरी का बारीकी से किया जा रहा अध्ययन

कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान हेतु मैनिट टीम ने साझा की निगमायुक्त से जानकारी

जागरण, रीवा

शहर के बढ़ते दायरे को यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने के तौर तरीकों का समाधान निकालने के लिए पिछले एक सप्ताह से किये जा रहे सर्वेक्षण का शुक्रवार को आखिरी दिन है। इस दौरान शहर के प्रमुख चौराहों पर यात्रा के पैटर्न, आवागमन के साधनों एवं दूरी का बारीकी से अध्ययन गया। सर्वेक्षण कर रही मैनिट टीम के सदस्यों ने शहर की यातायात व्यवस्था को समझने के लिए विभिन्न स्तरों पर डेटा संग्रहण किया और इसी आंकड़े के आधार पर नये सिरे से प्लान तैयार किया जाएगा। मैनिट की टीम में 10 राज्यों के 28 शहरों से आए 44 छात्र शामिल हैं जो 14 फरवरी से 20 फरवरी तक शहर में विभिन्न स्थानों पर सर्वे कार्य कर रहे हैं। शहर की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान के अंतर्गत सर्वेक्षण कार्य के लिए रीवा आए मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) की टीम के सदस्यों ने गुरुवार को निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने नगरीय प्रशासन के संभागीय कार्यालय में बैठक आयोजित कर कार्यप्रणाली एवं सर्वे प्रक्रिया की जानकारी साझा की। इस दौरान टीम द्वारा शहर में किए जा रहे सर्वेक्षण कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। टीम निर्देशक सह प्राध्यापक राहुल तिवारी ने बताया कि रीवा शहर की यातायात व्यवस्था को समझने हेतु विभिन्न स्तरों पर डेटा संग्रहण किया जा रहा है। इसके अंतर्गत शहर के 6 प्रमुख स्थानों पर 3-3 छात्रों द्वारा ट्रैफिक वॉल्यूम काउंट किया जा रहा है, जिससे विभिन्न समयों पर वाहनों के दबाव का आकलन किया जा सके। साथ ही अन्य छात्रों के द्वारा ओरिजिन-डेस्टिनेशन आधारित हाउसहोल्ड सर्वे के माध्यम से नागरिकों की दैनिक यात्रा के पैटर्न, आवागमन के साधनों एवं दूरी का बारीकी से अध्ययन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त जंक्शन पर ट्रैफिक मूवमेंट, पब्लिक ट्रांसपोर्ट के उपयोग, पार्किंग व्यवहार तथा पैदल यात्री सुविधाओं का भी स्थल निरीक्षण एवं विश्लेषण किया जा रहा है। टीम द्वारा शहर के प्रमुख चौराहों एवं मार्गों पर पीक आवर के दौरान विशेष अध्ययन कर यातायात प्रवाह, जाम की स्थिति एवं बाधाओं की पहचान की जा रही है, ताकि प्राप्त आंकड़ों के दस्तावेज से भविष्य में प्रभावी सुधारात्मक योजना तैयार की जा सके।

निगमायुक्त ने ली विभिन्न पहलुओं की जानकारी

निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने बैठक के दौरान टीम के सदस्यों से सर्वे की सटीकता एवं उपयोगिता को लेकर विभिन्न पहलुओं पर जानकारी ली। उन्होंने सर्वे में स्थानीय परिस्थितियों, प्रमुख जाम बिंदुओं, स्कूल, बाजार क्षेत्रों के ट्रैफिक दबाव तथा पार्किंग की वास्तविक स्थिति को किस प्रकार शामिल किया जा रहा है इसके बारे में पूरी जानकारी ली। निगमायुक्त ने टीम के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार से डेटा-आधारित सर्वे शहर की वास्तविक यातायात आवश्यकताओं को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पार्किंग एवं अतिक्रमण प्रबंधन करने के दिये निर्देश

मैनिट टीम को निगमायुक्त ने सुझाव दिए कि सर्वे में शहर की संकरी गलियों में वन-वे सिस्टम की संभावनाएं, सिटी बस सेवा की व्यवहार्यता, ई-रिक्शा एवं अन्य सार्वजनिक परिवहन साधनों के समन्वय तथा पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित मार्ग पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके साथ ही उन्होंने पार्किंग प्रबंधन एवं अतिक्रमण के प्रभाव को भी अध्ययन में शामिल करने के निर्देश दिए।

चांद की तस्दीक हुई, रमजान का महीना प्रारंभ

जागरण, रीवा। देश के करोड़ों मुसलमानों के लिए सबसे पवित्र महीना रमजान-उल-मुबारक दस्तक दे चुका है। रमजान का चांद नजर आने के साथ ही इस रूहानी सफर का आगाज हो गया है। मस्जिदों में विशेष नमाज शुरू हो गई है। भारत में रमजान का चांद बुधवार को दिख गया। लिहाजा देश में रमजान के पवित्र महीने का पहला रोजा गुरुवार को रखा गया। लोगों ने चांद का दीदार करने के बाद एक दूसरे को रमजान महीने की मुबारकबाद दी जा रही है। इस्लाम में महीनों की गणना चांद के आधार पर होती है। इसमें चांद के घटने बढ़ने को आधार बनाया जाता है। इसलिए हर साल रमजान की तारीख ग्रेगोरियन कैलेंडर के तहत बदल जाती है। ऐसे में जिस दिन चांद नजर आता है, उसी के अगले दिन से रोजा रखा जाता है। रमजान के महीने में रोजेदार पांच वक्त की नमाज के अलावा तरावीह की नमाज भी अदा करते है। इस पाक महीने के दौरान रोजेदारी शहरी और इफ्तारी अपने परिवार और साथ के लोगों के साथ करते हैं। 30 दिन के रोजों के बाद शव्वाल की पहली तारीख को ईद-उल-फितर यानी ईद मनाई जाती है। इस दौरान जो पूरे महीने रोजे के बाद ईद होती है, उसे ईद-उल-फितर कहते हैं। इसे मीठी ईद के नाम से भी जाना जाता है।

रमजान के नियम : रमजान के पवित्र महीने में पांच वक्त की नमाज पढ़ना बेहद जरूरी है क्योंकि यह अनुशासन और मानसिक शांति देता है। इस दौरान कुरान पढ़ना, उसके अर्थ को समझना और जकात व सदका (दान) के जरिए गरीबों की मदद करना इस महीने का अहम हिस्सा है, क्योंकि सब्र और तहजीब के साथ गुस्से पर काबू पाना ही रोजे का असली मकसद है। रमजान पर झूठ बोलने और पीठ पीछे बुराई करने से बचना चाहिए क्योंकि यह रोजे की रूह को नुकसान पहुंचाता है। रोजे की हालत में लड़ाई-झगड़ा या अपशब्द कहना सख्त मना है क्योंकि इससे सवाब खत्म हो जाता है। यह भी ध्यान रखें कि जानबूझकर खाना-पीना रोजे को अमान्य कर देता है, और चूंकि रोजा सिर्फ पेट का नहीं बल्कि आंखों, कानों और जुबान का भी होता है, इसलिए गलत चीजें देखने या सुनने से पूरी तरह परहेज करना चाहिए।

क्या हैं सहरी और इफ्तार : रमजान के दिनों में कई बार सहरी और इफ्तार जैसे शब्द सुनने को मिलते हैं। ऐसे में इनका मतलब समझते हैं। सूर्योदय फज्र की नाम की अजान से पहले कुछ खान-पान किया जाता है। इसे सहरी कहा जाता है। इफ्तार सूर्य अस्त के बाद किया जाने वाला खानपान है यानी रोजा तोड़ा जाता है।

कब से हुई रोजा रखने की परंपरा : रमजान की शुरुआत इस्लामिक कैलेंडर के 9वें महीने में 622 ईस्वी में मदीना में हुई थी। उस समय वहां भीषण गर्मी पड़ रही थी। इस वजह से इस महीने को रमजान कहा जाने लगा। रमजान का अर्थ अरबी में भीषण गर्मी होता है। इस दौरान चांद के घटने बढ़ने के आधार पर कैलेंडर भी तैयार किया गया था। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार रमजान नौवां महीना होता है। इसकी शुरुआत पूरी तरह से चांद दिखने पर निर्भर करती है।

क्यों खास है यह महीना? : इस्लामिक ग्रंथों के अनुसार, इसी पाक महीने में कुरान-ए-करीम नाजिल (अवतरण) हुआ था। रोजा सिर्फ भूखे-प्यासे रहने का नाम नहीं है, बल्कि यह इंसान को सब्र (धैर्य), अनुशासन और दूसरों का दर्द समझने की सीख देता है। इस महीने में की गई इबादत का फल कई गुना बढ़कर मिलता है। सऊदी अरब में इस दौरान काम के घंटों में बदलाव किया जाता है और पूरी दुनिया से लोग उमराह करने के लिए वहां पहुंचते हैं।

सड़क पर ही लगा दिया रेत का ढेर, निकलना हुआ मुश्किल

दो दिन हो गए, अभी तक नहीं हटाया गया

जागरण, रीवा। शहर में लोगों द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्य शहर की जनता के लिए परेशानी का सबब बनता जा रहा है। जो लोग निर्माण करवाते हैं निर्माण सामग्री सड़क पर ही डंप करवा देते हैं, जिससे आवागमन बाधित होता है ऊपर से दुर्घटना का भी भय बना रहता है। पिछले दो दिन पूर्व करहिया मण्डी के बगल से निकलने वाली सड़क पर ही रेत का ढेर उड़ेल दिया गया, जिससे लोगों के लिए नाममात्र सड़क बची है, फिलहाल यहां न तो कोई निर्माण कार्य चल रहा है न ही सड़क पर डाले गए रेत को हटवाया गया है, जिससे इस मार्ग से जाने-आने वाले लोग परेशान हो रहे हैं, आवारा मवेशी रेत को बिखेर रहे हैं, जिससे रेत सड़क पर फैलती जा रही है, जिससे दो पहिया वाहन चालकों पर हर समय अनहोनी का खतरा मंडरा रहा है।

विधानसभा घेरने की बनी रणनीति

रीवा। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशन में भारत अमेरिका ट्रेड डील एवं मनरेगा में बदलाव कर श्रमिकों के कानूनी अधिकार पर प्रहार के विरोध में तथा मध्यप्रदेश सरकार के तीन कलंकित मंत्रियों के इस्तीफे की मांग को लेकर आगामी 24 फरवरी को विधानसभा का घेराव किया जाना हैं। विधानसभा का घेराव करने संबंधी एक विस्तारित तैयारी बैठक उर्रहट स्थित कांग्रेस कार्यालय में आज 20 फरवरी 2026 को दोपहर 12:00 बजे आयोजित की गयी हैं। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा व शहर अध्यक्ष अशोक पटेल झब्बू ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सभी पूर्व सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, महापौर, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारीगण, जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारीण, जिले के समस्त ब्लाक अध्यक्ष/ब्लाक प्रभारीगण प्रदेश प्रतिनिधि, नगर पालिक निगम रीवा के वर्तमान तथा पूर्व पार्षदगण, पार्षद प्रत्याशी, महिला कांग्रेस, सेवादल, अल्पसंख्यक विभाग, युवक कांग्रेस, एन.एस.यु.आई, मोर्चा संगठन, विभाग प्रकोष्ठ, आई.टी.सेल जिले के सभी एवं मण्डलम, सेक्टर, बूथ कमेटी के पदाधिकारीगण तथा सभी कांग्रेस जनों से दोपहर 12 बजे कांग्रेस कार्यालय में पहुचने की अपील की हं।

फूटी पाइपों से सड़क में बह रहा पानी, शहरवासी भटक रहे

कहीं पाइपलाइन फूटी तो कहीं नलों में नहीं पहुंच रहा पानी, टैंकर से कर रहे पूर्ति

जागरण, रीवा। ग्रीष्मकाल का आगाज होने केपूर्व ही शहरवासी पेयजल को तरसने लगे हैं। कहीं पाइपलाइन फूट गई जिससे वार्ड को पानी नसीब नहीं होरहा, कहीं कई दिनों से पाइपलाइन लिकेज है, जिससे लोग पानी के लिए परेशान हैं। तो कहींअभी से पानी के टैंकर से जलापूर्ति करवाई जा रही है। गम्रीष्मकाल क्शुरू होने के बाद क्या स्थिति होगी कह पाना मुश्किल है।

वार्ड 45 के रहवासियों को टैंकर से हो रही सप्लाई

वार्ड क्रमांक 45 के नलों में पेयजल नहीं पहुंच रहा, जिससे वार्ड के रहवासी परेशान हो रहे हैं। हालांकि यहां पेयजल टैंकर से लोगों के लिए पानी की पूर्ति की जा रही है। वार्डवासियों की मानें तो यहां पर पेयजल सभी स्थानों तक नहीं पहुंच पाता, अभी तो पानी आ ही नहीं रहा, जिससे वार्ड में पानी का टैंकर भिजवाया जाता है, टैंकर आते ही पानी भरने वाले लोगों की भीड़ जुट जाती है, जिसके लिए लोगों को नंबर लगाना पड़ता है, मात्र दो बर्तन भर पाते हैं। टैंकर आने से वार्डवासियों की पेयजल पूर्ति तो हो जाती है किन्तु अन्य उपयोग के लिए पानी की व्यवस्था अलग से करना पड़ रही है।

मेन पाइपलाइन फूटने से रोज बह रहा व्यर्थ पेयजल

वार्ड क्रमांक 18 स्थित मानस भवन के समीप नाले से मेन पेयजल पाइपलाइन जा रही है, जो पिछले कुछ समय से टूटी है, जिससे जल प्रदाय के दौरान लोगों के घर पहुंचने वाला पेयजल सड़क पर व्यर्थ बह रहा है, जिससे पानी की बर्बादी तो हो रही है साथ ही सड़क की भी दुर्दशा हो रही है। वार्ड के लोगों का कहना है कि ये पाइपलाइन आज से नहीं काफी दिनों से लिकेज है। फूटी पाइपलाइन से पानी बहने के कारण लोगों के नलों तक नहीं पहुंच पाता, जिससे वार्ड के कई लोग पानी के लिए भी परेशान हो रहे हैं।

नहर के ऊपर से जा रही पाइपलाइन फूटी

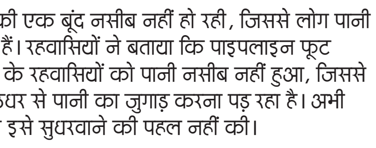

कुठुलिया स्थित नया फिल्टर प्लांट के आगे नहर के ऊपर पेयजल पाइपलाइन फूट जाने से नहर के ऊपर पानी भर बेकार ही बह रहा है। जबकि यहां के लोगों को पानी की एक बूंद नसीब नहीं हो रही, जिससे लोग पानी के लिए परेशान हैं। रहवासियों ने बताया कि पाइपलाइन फूट जाने से इस क्षेत्र के रहवासियों को पानी नसीब नहीं हुआ, जिससे लोगों को इधर-उधर से पानी का जुगाड़ करना पड़ रहा है। अभी तक तो किसी ने इसे सुधरवाने की पहल नहीं की।

नगर निगम में जनगणना के लिए जोनल चार्ज अधिकारी तैनात

रीवा। शासन के निर्देशों के अनुसार एक मई से जनगणना शुरू की जा रही है। इसके लिए व्यापक तैयारियाँ की जा रही हैं। इस जनगणना में पूरा कार्य डिजिटल किया जाएगा। नगर निगम रीवा में जनगणना संपन्न कराने के लिए चार अधिकारियों को जोनल चार्ज जनगणना अधिकारी बनाया गया है। इस संबंध में आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे ने बताया कि जोन क्रमांक एक में कार्यपालन यंत्री राजेश सिंह को तैनात किया गया है। जोन क्रमांक 2 में कार्यपालन यंत्री एचके त्रिपाठी तथा जोन क्रमांक 3 में सिद्धार्थ सिंह को जोनल चार्ज अधिकारी बनाया गया है। जोन क्रमांक 4 में सहायक यंत्री पीएन शुक्ला को तैनात किया गया है। सभी अधिकारी अपने जोन में शामिल प्रत्येक वार्ड में जनगणना कार्य की मानीटरिंग करेंगे।

हार्टफुलनेस संस्थान में 10 से 13 मार्च तक प्रशिक्षण का अवसर

रीवा। राज्य आनंदम संस्थान द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार हार्टफुलनेस संस्थान हैदराबाद तेलंगाना में 10 से 13 मार्च तक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस आनंदम शिविर के लिए अधिकारी और कर्मचारी अपना पंजीयन करा सकते हैं। वर्तमान में पंजीयन किया जा रहा है। राज्य आनंद संस्थान के माध्यम से शासकीय प्रतिभागी अपने सेवाकाल में केवल एक आनंद शिविर में ही भाग ले सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए 20 हजार रुपए शुल्क निर्धारित है जिसका वहन राज्य आनंदम संस्थान द्वारा किया जाएगा। प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को केवल पंजीयन की राशि पाँच सौ रुपए वहन करना है। इस संबंध में अन्य विवरण आनंदम संस्थान एमपी डॉट इन वेबसाइट पर प्राप्त किया जा सकता है।

नगर निगम के शिविर में जमा कराया 694875 का टैक्स

जागरण, रीवा। वित्तीय वर्ष के आखिरी तिमाही में नगर निगम प्रशासन द्वारा संपत्तिकर, जलकर एवं अन्य करों की वसूली के लिए पूरा जोर लगाया जा रहा है। नगर निगम के वार्ड क्रमांक 14 एवं 15 में लगाये गये शिविर में बकायादारों द्वारा 442641 रूपये का टैक्स जमा कराया गया। नगर निगम रीवा द्वारा वित्तीय वर्ष की समाप्ति को दृष्टिगत रखते हुए निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देश पर राजस्व वसूली, सम्पत्तिकर, जलकर एवं अवैध कॉलोनी शुल्क की शत-प्रतिशत वसूली जमा कराये जाने हेतु वार्डवार विशेष वसूली शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को वार्ड 14 के लिए समान तिराहा कोरियान मोहल्ला एवं वार्ड 15 के लिए रतहरा तालाब के पास शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सम्पत्तिकर बकाया राशि 470184 रू. एवं जलकर बकाया राशि 124691 रू. जमा कराया गया। शुक्रवार को वार्ड 19 एवं 20 के लिए कार्यालय नगर निगम टाउन हॉल में शिविर का आयोजन किया जावेगा। गौरतलब है कि शिविर का वार्डवार निरंतर आयोजन किया जा रहा है। नगर निगम द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष में आवासीय घरों पर सम्पत्तिकर में 50 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। इन शिविरों के माध्यम से आमजनता के नगर निगम के बकाया करों का भुगतान सरलता से कर सकती है। नगर निगम द्वारा अपील की गई है कि नगरवासी शिविर में पधारकर शिविर का लाभ अवश्य उठाएं एवं नगर निगम के करों का भुगतान कर नगर विकास में सहभागी बनें। संपत्तिकर, जलकर एवं अन्य करों की वसूली के लिए चल रही शिविरों की श्रंखला 3 मार्च तक आयोजित की जाएगी।

आयुष्मान
में निःशुल्क एवं कैशलेश ईलाज की सुविधा उपलब्ध
कीमोथेरेपी | शिशु रोग विभाग | पथरी का ऑपरेशन
हड्डी का ऑपरेशन | कैंसर का ऑपरेशन | प्लास्टिक सर्जरी
जनरल सर्जरी | आकस्मिक सुविधा | यूरो सर्जरी
जबड़े का फ्रैक्चर
प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत PM-JAY
नेशनल हॉस्पिटल, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.)
अपॉइंटमेंट के लिए संपर्क करें- 18008890620, 8608600604 7566831551

नशा मुक्ति एवं नैतिक जागरण का अभियान

रीवा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के अंतर्गत ब्रह्मा कुमारीज़ सेवा केंद्र, शांति धाम झिरिया द्वारा 21 फरवरी तक चलने वाले साप्ताहिक महोत्सव का भव्य शुभारंभ किया गया। ' शिव बाबा दिव्य रथ यात्रा' का शुभारंभ पिछले दिनों उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल द्वारा किया। राजयोगी बीके प्रकाश भाई द्वारा नशा मुक्ति एवं प्रकृतित संरक्षण की विशेष प्रतिज्ञा कराई गई। उपस्थित नागरिकों, युवाओं एवं बीके सदस्यों ने व्यसनमुक्त जीवन, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं सद्भावपूर्ण समाज निर्माण का संकल्प लिया। इस अवसर पर पूर्व सांसद बुद्धसेन पटेल,अतिथि सीडीओ फॉरेस्ट अधिकारी हृदय लाल सिंह, डॉ. सी.बी. शुक्ला, वरिष्ठ समाजसेवी प्रद्युम्न सिंह , डॉ. गोविन्द नारायण श्रीवास्तव, प्रमोद कुमार गुप्ता, अशोक सिंह परिहार, उमेश सेन, एडवोकेट सतीश पांडे, शिवेंद्र मिश्रा, अंकू तिवारी, बीके दीपक तिवारी सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों एवं सांस्कृतितक प्रस्तुतियाँ देने वाले बच्चों का सम्मान किया गया।

शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
कामता सोनोग्राफी सेन्टर
(अल्ट्रासाउण्ड)
डॉ. रश्मी शुक्ला
M.D. (Radio Diagnosis) G.S.V.M. Medical College Kanpur
Ex. J.R. AIIMS New Delhi
Ex. Consultant Radiologist Alpha Imaging & MRI Kanpur
Ex. Consultant Radiologist Noble Hospital Kanpur
ए-ब्लॉक, समदड़िया सेन्टर प्वाइन्ट, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.) 07662-451599,9399312433

लापरवाह अधिकारी: 9 को कलेक्टर ने थमाया नोटिस

तीन दिन में मांगा जवाब वरना होगी कार्यवाही

जागरण, रीवा। शासन की जनकल्याण कारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही पर करने वाले 9 लापरवाह अधिकारियों को कलेक्टर ने शो-कॉज नोटिस थमा दिया है। संबंधितों से तीन दिन के भीतर जवाब मांगा है। संतोषजनक जवाब न मिलने पर संबंधितों के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। जिन अधिकारियों को नोटिस जारी किया गया है उनमें मत्स्य अधिकारी अंजना सिंह को प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना में लक्ष्य के विरुद्ध अत्यन्त कम उपलब्धि पर नोटिस जारी किया है। इसी प्रकार जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विभाग केके. पाण्डेय को टृयामामा आर्थिक कल्याण योजना एवं भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना में अत्यन्त कम प्रगति होने तथा सहायक संचालक उद्यानिकी बीएस सेंगर को प्रधानमंत्री सूक्ष्म लघु खाद्य उद्योग उन्नयन योजना में कम उपलब्धि पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। वहीं लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत तय समय सीमा में आवेदन पत्रों का निराकरण न करने पर तत्कालीन सीएमओ मनगवां हेमंत त्रिपाठी को निःशक्तजन सहायता अनुदान योजना तथा मुख्यमंत्री कल्याणी पेंशन योजना का प्रकरण लंबित रहने व सीईओ जनपद पंचायत जवा सुलभ सिंह पुशाम को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के आवेदन में कार्यवाही न करने पर नोटिस दिया है। इसी प्रकार वन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के तहत वनमित्र पोर्टल पर प्राप्त वनाधिकार के दावों पर समुचित कार्यवाही न करने पर सीईओ जनपद पंचायत जवा, गंगेव, त्योंथर तथा सिरमौर को नोटिस दिया है। वनाधिकार दावों के संबंध में समुचित कार्यवाही के प्रतिवेदन के साथ तीन दिन की समय सीमा में नोटिस का उत्तर देने के निर्देश दिए गए हैं। समय सीमा का पालन न होने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

एपीएसयू में मॉक ड्रिल प्रशिक्षण में दिखा जज्बा

भूकंप से विवि में गिरा तीन मंजिला भवन तो टीम ने किया रेसक्यू, बचाई घायलों की जान

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में हुआ आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण

जागरण, रीवा

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में गुरुवार को 11वीं वाहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) गृह मंत्रालय भारत सरकार की 31 सदस्यों की टीम ने आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण एवं मॉक ड्रिल का आयोजन भौतिक शास्त्र विभाग के सहयोग से किया गया। जिसमें मुख्य रूप से भूकंप जैसी आपदा की स्थिति में बचाव एवं राहत कार्य के दौरान अपनाई जाने वाली तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन के दौरान भौतिकी विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों ने भूकम्प पीड़ितों की सराहनीय भूमिका निभाई। आपदा के दौरान तैयार किए जाने वाले आपदा शिविर, चिकित्सीय शिविर, मलबे में फंसे होने की स्थिति, ऊँचे भवनों से पीड़ितों को रस्सी तकनीक द्वारा सुरक्षित उतारने, प्राथमिक उपचार एवं सीपीआर तकनीक का प्रदर्शन किया गया। भूकंप आपदा के अतिरिक्त अन्य आपदाओं एवं आकस्मिक घटनाओं जैसे आग लगना, पानी में डूबना, सर्प द्वारा काट लेना जैसी घटनाओं से बचाव एवं अपनाई जाने वाली विभिन्न सावधानियों, उपचार आदि की जानकारी दल के सदस्य निरीक्षक प्रवीण कुमार उपाध्याय ने साझा की। प्रदर्शन के दौरान अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा में एनडीआरएफ टीम के बचाव कार्मिकों की सतर्कता और मानव जीवन को बचाने की प्रतिबद्धता का उदाहरण देखने को तब मिला जब भूकम्प के दौरान विश्वविद्यालय के कैंपस में एक तीन मंजिला इमारत के गिरने और उसके मलबे में फंसे व्यक्तियों को बचाने में जिला प्रशासन एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम की भूमिका प्रदर्शित की गई। तत्पश्चात मौके पर सूचना मिलते ही टीमों ने घटनास्थल पर पहुँचकर बिना समय गंवाए राहत एवं बचाव अभियान प्रारंभ किया और सभी को सुरक्षित बाहर निकाला, साथ ही प्राथमिक उपचार प्रदान किया तथा उन्नत उपचार हेतु अस्पताल भी भेजा जाना प्रदर्शित किया। उनकी त्वरित और साहसिक कार्रवाई ने न केवल व्यक्तियों की जान बचाई, बल्कि एनडीआरएफ की प्रतिबद्धता और दक्षता को भी उजागर किया। यह उल्लेखनीय है कि उपमहानिरीक्षक आपदा प्रबंधन मनोज कुमार शर्मा के दिशा-निर्देशन में एनडीआरएफ की टीम ने जिला रीवा में यह मॉक ड्रिल आयोजित की। एनडीआरएफ नागरिकों की सुरक्षा और आपातकालीन स्थितियों में त्वरित सहायता प्रदान करने के लिए समर्पित है। यह उदाहरण एनडीआरएफ के आदर्श वाक्य 'आपदा सेवा सदैव तत्पर' का सजीव प्रमाण है। मॉक अभ्यास के अध्यक्ष विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलगुरु प्रो. सुनील कुमार तिवारी के निर्देशन में भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.राकेश कुमार कटारे ने यह आयोजन करवाया। अतिथि के रूप में होम गार्ड रीवा डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट मीनाक्षी सिंह चौहान, यतीश शुक्ला नायब तहसीलदार, उप कमांडेंट कुलदीप सिंह, विश्वविद्यालय थाना प्रभारी हितेन्द्रनाथ शर्मा, होम गार्ड रीवा के प्लाटून कमांडर पुष्पेन्द्र सिंह एवं विश्वविद्यालय से रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.आरएन पटेल सहित अन्य मौजूद रहे।

मां कर्मा देवी जयंती महोत्सव पर होगा दो दिवसीय भव्य आयोजन

रीवा। भक्त शिरोमणि मां कर्मा देवी की जयंती के पावन अवसर पर साहू युवा संगठन की बैठक संपन्न हुई। साहू युवा संगठन के अध्यक्ष बंसीलाल साहू ने बताया कि सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि इस वर्ष मां कर्मा जयंती महोत्सव का आयोजन दो दिवसीय रूप में अत्यंत हर्षोल्लास, श्रद्धा एवं भव्यता के साथ किया जाएगा। आयोजन के अंतर्गत 14 मार्च को बैजू धर्मशाला से एक विशाल एवं भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें आकर्षक झांकियां, ढोल-नगाड़ों के साथ धमाल, डीजे, मातृशक्ति, वरिष्ठजन, युवा साथी एवं बड़ी संख्या में बच्चे उत्साहपूर्वक शामिल होंगे। यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी । इसके पश्चात 15 मार्च को दोपहर 12 बजे से मां कर्मा जयंती महोत्सव का मुख्य आयोजन कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में संपन्न होगा।

जहां रहते हैं डीपीओ, वहीं पहुंच जाते हैं पर्यवेक्षक और बाबू

इसके पूर्व कटनी में दे रहे थे पति-पत्नी सेवा

जागरण, रीवा। वन स्टॉप सेंटर की प्रभारी पर्यवेक्षक श्रुति द्विवेदी और उनके पति महिला बाल विकास विभाग में पदस्थ बाबू रोशन द्विवेदी की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठ रहे हैं, यह बात अलग है कि जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग नयन सिंह मामले को लेकर मौन साधे हुए हैं। इसकी बड़ी वजह उनका बाबू रोशन द्विवेदी से खास लगाव भी चर्चा में बताया जा रहा है। बताया गया कि नयन सिंह जहां भी रहते हैं, वहां बाबू रोशन द्विवेदी और उनकी पत्नी श्रुति द्विवेदी पहुंच जाती हैं। इसके पहले नयन सिंह कटनी जिले में कार्यक्रम अधिकारी थे तो वहां भी जिला कार्यालय में बाबू रोशन लाल काम करते थे, वहीं जैसे ही वह रीवा स्थानांतरित हुए तो बाबू रोशन द्विवेदी रीवा पहुंच गए और फिर से जिला कार्यालय में उनकी सेवा लेने लगे। वहीं बाबू को कहीं और न पदस्थ करना पड़े इसलिए कटनी से ही स्थानांतरित होकर आईं उनकी पत्नी श्रुति द्विवेदी को वन स्टॉप सेंटर का प्रभारी बना दिया। श्रुति द्विवेदी ने अपने पति रोशन द्विवेदी को वन स्टॉप सेंटर में ही रहने की अनुमति दे रखी है और इसको लेकर लगातार विरोध हो रहा है। फिलहाल जिला कार्यक्रम अधिकारी नयन सिंह ने भी मामले में मौन साध रखा है। मामले को लेकर उनसे संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन संपर्क नहीं हो सका। बताया गया कि वन स्टॉप सेंटर का प्रभार परियोजना अधिकारी को दिया जाना चाहिए लेकिन पर्यवेक्षक को ही डीपीओ नयन सिंह ने प्रभार दे रखा है। बाबू रोशन द्विवेदी को अनुकंपा नियुक्ति मिली थी, जिसके बाद वह जिले के सिरमौर क्षेत्र में भी सेवा दे चुके हैं, पूर्व में जब डीपीओ नयन सिंह थे, उनके जाने के बाद वह कटनी चले गए और फिर जब नयन सिंह कटनी से रीवा आए तो उनका भी स्थानांतरण रीवा हो गया। चर्चा में बताया गया कि इन दिनों आंगनबाड़ी नियुक्तियों में भी बाबू रोशन द्विवेदी का पूरा हस्तक्षेप है, कई ऐसे मामले हैं जिनमें अपात्र को पात्र बताकर नियुक्तियां दे दी गई और कुछ ऐसे मामले भी हैं जिनमें बाद में दस्तावेज अपलोड कराकर उनके नंबर बढ़वा दिए गए। हालांकि यह तो जांच का विषय है और जांच में हकीकत सामने आएगी लेकिन पति और पत्नी की कार्यप्रणाली पर लगातार उठ रहे सवालों के बाद भी अधिकारी मौन साधे बैठे हैं।

अवैध दुकान व अघोषित ऑटो स्टैंड बना गांधी मेमोरियल अस्पताल का गेट

रीवा। गांधी मेमोरियल अस्पताल का गेट इन दिनों अवैध दुकानों व अघोषित ऑटो स्टैंड बन चुका है। गेट के सामने ही सुबह से दुकानें सज जाती हैं वहीं ऑटो चालकों ने गेट के सामने ही अघोषित ऑटो स्टैंड बना रखा है, वे भी एक के बाद एक आकर गेट के सामने अपना ऑटो व रिक्शा खड़ा कर देते हैं, जिससे अस्पताल प्रबंधन का गेट बंद ही रहता है। कई बार यह गेट खुला होने पर भी यहां से न तो दुकानें हटाई जाती हैं न ही ऑटो चालक हटाते हैं, जिससे अस्पताल आने वाले मरीजों के साथ ही एम्बुलेंस आदि को अंदर जाने-आने में दिक्कत होती है। निगम द्वारा एक बार यहां से अतिक्रमण हटाया गया था, लेकिन इसके बाद यहां कार्रवाई देखने को नहीं मिली। यहां दुकानें लगाने वाले दुकानदारों से जब पूछा गया कि यहां का कितना देते तो उन्होंने बताया कि वे यहां का कोई किराया नहीं देते हैं, जबकि अस्पताल चौराहे के अन्य दुकानदारों की मानें तो यहां लगने वाली दुकानें निगम कर्मचारियों की शह पर ही लगाई जा रही हैं। वहीं ऑटो चालक मनमानी कर रहे हैं।

घरेलू गैस सिलेण्डर का हो रहा व्यावसायिक उपयोग

सरकार उठा रही जीएसटी का नुकसान, 4 साल की सजा के साथ है भारी जुर्माने का प्रावधान

जागरण, रीवा। घरेलू गैस सिलेण्डर का उपयोग सिर्फ घरेलू कार्य के लिए किया जाना है, किन्तु घरेलू गैस सिलेण्डर का उपयोग शहर की सड़कों के किनारे लगने वाले ठेलों के साथ ही अन्य व्यापारी भी बेखौफ कर रहे हैं। जिन पर संबंधित विभाग द्वारा किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की जा रही। जबकि घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यावसायिक उपयोग करते पाए जाने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अंतर्गत चार साल की सजा, भारी जुर्माना व गैस सिलेण्डर जब्त करने का प्रावधान है, किन्तु शहर में कहीं इस प्रकार की कार्यवाही देखने को नहीं मिल रही। घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यावसायिक उपयोग करने से सरकार को राजस्व की चपत भी लग रही है।

कार्यवाही तो दूर जांच तक नहीं की जाती : शासन के नियमानुसार घरेलू गैस सिलेण्डर वजन 14.2 किलो ग्राम जिसका दाम 950 रुपए है, में 5 प्रतिशत जीएसटी दर का प्रावधान है, जबकि व्यावसायिक गैस सिलेण्डर 19 किलोग्राम का दाम प्रति सिलेण्डर 1800 से 1900 रुपए के आसपास है और इसकी जीएसटी दर 18 प्रतिशत है। कई व्यापारियों द्वारा घरेलू गैस सिलेण्डर का उपयोग उनके ठेले अथवा होटलों में किया जा रहा है, जिससे कमर्शियल गैस सिलेण्डर धरे रह जाते हैं, ऊपर से जीएसटी दर न भरे जाने से राजस्व की भी नुकसानी हो रही है, किन्तु घरेलू गैस सिलेण्डरों के व्यावसायिक उपयोग किए जाने पर कार्यवाही तो दूर जांच तक नहीं की जाती।

ठेला संचालकों व व्यापारियों को सिलेण्डर पहुंचाने गिरोह सक्रिय

एक सिलेण्डर धारी उपभोक्ता को एक वित्तिय वर्ष में 12 सिलेण्डर दिए जाने का प्रावधान है, लगभग अधिकतर परिवारों में एक वर्ष में 12 सिलेण्डर पर्याप्त होते हैं, जिन्हें इससे अधिक सिलेण्डरों की आवश्यकता हो तो उन्हें 950 रुपए में मिलने वाला सिलेण्डर ब्लैक में खरीदना पड़ता है, जिसका दाम 1150 से लेकर 1200 रुपए तक वसूला जाता है। जानकारों की मानें तो इसी प्रकार शहर भर के जो व्यापारी, ठेला, होटल संचालक घरेलू गैस सिलेण्डर का उपयोग करते हैं उन्हें भी इसी गिरोह द्वारा ब्लैक में सिलेण्डर उपलब्ध कराए जाते हैं। ब्लैक किए जाने वाले अधिकांश सिलेण्डर सब्सिडी वाले होते हैं, जो मात्र 450 रुपए में मिलता है और ब्लैक करने वाला गिरोह इससे कुछ अधिक दाम देकर उन्हें आसानी से प्राप्त कर लेते हैं। इस गिरोह गैस एजेन्सी में कार्य करने वाला भी सहभागी होता है।

बीच शहर में खुलेआम लोगों की जान से खिलवाड़

सवारी वाहनों में ओवरलोड तो कोई लटकाते हुए ले जा रहे सरिए

जागरण, रीवा। यातायात व परिवहन विभाग की लचर प्रणाली के चलते शहर के भीड़ भरे क्षेत्रों में ओवरलोड वाहन लोगों की जान से खुलेआम खिलवाड़ कर रहे हैं। कहीं सवारी वाहन में ओवरलोड माल भरा हुआ है तो कोई सरिए लटकाए भीड़ भरे क्षेत्र में घुस रहा है।

जय स्तंभ से अस्पताल चौराहे की ओर जाने वाले मार्ग में एक लोडिंग रिक्शा सरिए लटकाए घुस गया, रिक्शा के आगे और पीछे झूल रहे सरिए भीड़ भरे क्षेत्र में लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गए। लटकते सरियों से बचने के लिए रिक्शा से आगे-पीछे व बगल सो चलने वाले वाहन चालकों को अपने वाहन खड़े करना पड़े। जय स्तंभ से घुसे इस लोडिंग रिक्शा के कारण बार-बार आवागमन बाधित हुआ। इसी प्रकार सिरमौर चौराहे पर एक ई-रिक्शा ओवरलोड टोकरियां भरे घुस गया, जो सिरमौर चौराहे से होता हुआ स्टेच्यू चौराहे के समीप साईंग मंदिर तक गया, दोनों ओर निकली टोकरियों से बचने के कारण आसपास से निकल रहे वाहन चालकों को अपने वाहन रोकना पड़े वहीं इस ई-रिक्श कि साईं मंदिर तक पहुंचने के दौरान बार-बार आवागमन अवरुद्ध हुआ। इस प्रकार की अव्वस्था शहर में लगभग प्रतिदिन देखी जा सकती है, परन्तु इसके सुधार के लिए किसी प्रकार के प्रयास नहीं किए जा रहे।

राशि लेने के बाद पीएम आवास नहीं बनाने वाले 30 हितग्रहियों से की जाएगी वसूली

एक सप्ताह में राशि नहीं लौटाई तो की जाएगी कुर्की की कार्यवाही और एफआईआर

फाइल फोटो

जागरण, रीवा। नगर निगम द्वारा बीएलसी घटक के पीएम आवास के उन हितग्राहियों से एक-एक लाख रुपये की वसूली की जाएगी, जिन्होंने वर्ष 2017 में पीएम आवास की पहली किश्त के रूप में एक लाख रुपये पाने के बाद आवास का निर्माण नहीं किया है। इन हितग्रहियों को कई बार नोटिस दी गई लेकिन उनके द्वारा न तो पीएम आवास का निर्माण किया गया और न ही राशि लौटाई गई है। पीएम आवास की राशि हासिल करने के बाद आवास का निर्माण नहीं करने वाले हितग्रहियों की संख्या 30 बताई है। नगर निगम द्वारा इनको नोटिस जारी करने के बाद हड़कंप मच गया है। नोटिस में चेतावनी दी गई है कि अगर एक सप्ताह के भीतर राशि नहीं लौटाई गई तो वसूली के लिए आरआरसी जारी करने के साथ ही एफआईआर भी दर्ज कराई जाएगी। इसका असर यह हुआ कि हितग्राहियों ने राशि लौटाना प्रारंभ कर दिया है। बताया गया है कि तीन हितग्राहियों द्वारा 40 हजार रुपये की राशि नगर निगम में जमा कराई गई है।

सूत्रों से हासिल जानकारी के अनुसार बीएलसी घटक के पीएम आवास के 30 हितग्राहियों को वर्ष 2017 में एक-एक लाख रुपये की राशि प्रथम किश्त के रूप में उनके खाते में प्रदान की गई थी। पिछले दिनों जब निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के संज्ञान में यह बात लाई गई तो उन्होंने राशि प्राप्त करने के बाद आवास का निर्माण करने वालों से वसूली किये जाने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी के विरुद्ध आरआरसी जारी करने का भी निर्देश दिया है। वसूली की नोटिस मिलने के बाद कई हितग्राहियों ने कोरोना काल का हवाला देकर राशि लौटाने में असमर्थता जता रहे हैं।

कई हितग्रहियों ने बेच दी है जमीन

निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे द्वारा वसूली का निर्देश दिये जाने के बाद पीएम आवास शाखा के अधिकारियों ने ऐसे हितग्राहियों की खोजबीन प्रारंभ किया तो पता चला कि कई हितग्राहियों ने उस जमीन को ही बेच दिया है जिसमे उन्हें पीउम आवास बनाना था। नगर निगम के पास के अब समस्या यह है कि इन हितग्राहियों से राशि कैसे वसूल की जाएगी।

तेज आवाज हॉर्न वाली बाइक ने राहगीरों की नाक में किया दम

जिम्मेदार सिर्फ औपचारिक कार्यवाही तक सीमित

फाइल फोटो

जागरण, रीवा। शहर की सड़कों पर तेज रफ्तार में फर्राटा भरने वाले बाइकर्स और उनकी गाड़ियों में लगे तेज आवाज वाले हॉर्न, लोगों की परेशानी का सबब बन गए हैं। जैसे ही यह हॉर्न बजते हैं, सामने चलने वाले राहगीर दहशत में आ जाते हैं। शहर की कई सड़क ऐसी हैं, जहां इन बाइकर्स का आतंक मचा हुआ है। जगह-जगह प्वॉइंट लगाकर जांच करने वाली पुलिस इनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करती। इन्हें बेचने वालों पर भी शिकंजा नहीं कसा जाता। लोग दोपहिया के साथ ही चार पहिया वाहनों में तेज आवाज वाले हार्न लगावा रहे हैं। इसके अलावा ज्यादा अवाज करने वाले व पटाखे निकालने वाले साइलेंसर से भी लोगों को परेशानी हो रही है।

बीमारियों का खतरा

तेज आवाज वाले इन हॉर्न के कारण सड़क पर चलने वाले लोग बीमारी का शिकार हो रहे हैं। बच्चों की सेहत पर इसका विपरीत असर पड़ रहा है। कई शोध हुए हैं, जिसमें यह बात सामने आई कि तेज आवाज वाले हॉर्न और वाहनों की आवाज के कारण बच्चों के मानसिक विकास में असर पड़ रहा है।

हो रहा ध्वनि प्रदूषण

प्रेशर हॉर्न का धंधा शहर में बड़े पैमाने पर चल रहा है। दुपहिया वाहन चालक अपने वाहनों में एक नहीं बल्की दो-दो तेज आवाज वाले हॉर्न लगाते हैं। जिससे जमकर ध्वनि प्रदूषण भी होता है। हालांकि ध्वनि प्रदूषण मापने वाले प्रदूषण नियंत्रण विभाग के अधिकारी विशेष अवसरों पर ही जांच करते हैं, जिससे पुलिस भी बेफ्रिक होकर रहती है। प्रदूषण के बढ़ते स्तर की नियमित मॉनिटरिंग हो तो इन पर नियंत्रण लगाने का प्रयास किया जा सकता है।

यहां बिक रहे प्रेशर हॉर्न

शहर के खन्ना चौराहा, ढेकहा, छोटी पुल के समीप, शिल्पी प्लाजा, धोबिया टंकी, न्यू बस स्टैंड सहित अन्य स्थानों पर ऑटो पार्ट्स की दुकानों में यह हार्न आसानी से बेचे जा रहे हैं। सबसे अधिक इनकी बिक्री खन्ना चौराहा में की जाती है। इन हॉर्नों की कीमत 500 से 5000 रुपए तक की है।

यह पड़ रहा असर

- एकाग्राचितता की कमी
- मेमोरी वीक होना
- मानसिक विकास पर असर
- स्मरण शक्ति कमजोर होना
- छोटी छोटी बातों पर उत्तेजित

बीमारियों का खतरा

- हृदय रोग, डायबिटीज, नींद न आना।
- व्यवहार में बदलाव, झुंझलाहट।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

कोर्ट की व्याख्या न्यायिक संवेदनशीलता की पुष्टि

सुप्रीम कोर्ट द्वारा इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द करना, जिसमें 'बलात्कार के प्रयास' की परिभाषा बदल दी गई थी, केवल एक कानूनी सुधार मात्र नहीं है, बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह न्यायिक संवेदनशीलता और गंभीर मामलों मे न्यायिक दृष्टि की स्पष्टता की पुनः पुष्टि भी है। सर्वोच्च अदालत ने पॉक्सो एक्ट के साथ ही धारा 376 आईपीसी के तहत आरोप बहाल करके, इस बात पर भी बल दिया कि अपराध के इरादे को, प्रत्यक्ष कृत्य से कमतर नहीं माना जा सकता है।

हाईकोर्ट ने इस बाबत जो टिप्पणी की थी, उसको लेकर तल्ख प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं, जिसे किसी सभ्य समाज की मान्यताओं के प्रतिकूल माना गया था। दरअसल, हाई कोर्ट ने माना था कि एक नाबालिग के उरोज पकड़ना, उसके पायजामे की डोरी ढीली करना और उसे घसीटकर ले जाने का प्रयास दुराचार की तैयारी थी, न कि बलात्कार का प्रयास, क्योंकि इसमें अपराध की दिशा में कोई सीधा कदम नहीं उठाया गया था। स्वाभाविक रूप से इस तरह की संकीर्ण व्याख्या के खिलाफ समाज में प्रतिक्रिया होनी ही थी। कहीं न कहीं इस तंग व्याख्या से अपराधी के जघन्य इरादे और प्रयास की अवधारणा को कमजोर करने का जोखिम भी था। निस्संदेह, इस तरह की व्याख्या से महिलाओं का उत्पीड़न करने वाले अपराधी तत्वों के हौसले बुलंद ही होते। जाहिर है इस तरह की सोच कोई सभ्य समाज बर्दाश्त नहीं कर सकता है। यह सुखद ही है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस संकीर्ण व्याख्या वाले मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए सार्थक हस्तक्षेप किया है।

दरअसल, आपराधिक कानून में, प्रयास तब माना जाता है, जब किसी अपराध की तैयारी उस कृत्य को अंजाम देने में बदल जाती है। जो कि इच्छित अपराध के निकट होती है। इस मामले में आरोप- शारीरिक छेड़छाड़, निर्वस्त्र करने और जबरन घसीटना, यदि सिद्ध हो जाते हैं, तो स्पष्ट रूप से यौन उत्पीड़न की ओर एक सुनियोजित कदम की पुष्टि कर देते हैं। जिसे केवल पीड़िता के करुण क्रंदन सुनने वाले प्रत्यक्षदर्शियों के हस्तक्षेप से ही रोका गया। निस्संदेह, इसके विपरीत मानना यौन हिंसा की वास्तविकताओं और नाबालिगों की असुरक्षा को अनदेखा करना ही होगा। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप में एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि यह फैसला आरोपों की गंभीरता की पुष्टि करता है। ताकि पूर्व सुनवाई में साक्ष्यों की उचित संदर्भ में जांच की जा सके।

ऐसे वक्त में जब देश की कई अदालतों के लैंगिक न्याय के प्रति दृष्टिकोण की कड़ी आलोचना हो रही थी, यह निर्णय इस बात की पुष्टि करता है कि कानूनी तर्क को संवैधानिक मूल्यों को बनाये भी रखना चाहिए। निर्विवाद रूप से, जिनका उद्देश्य किसी सभ्य समाज में नागरिकों को आसन्न खतरे से भी बचाना ही होता है। बहरहाल, इस प्रकरण में यह सार्थक हस्तक्षेप इस बात की पुष्टि भी करता है कि कानून बच्चों को न केवल अपराधियों द्वारा अंजाम दिए जा चुके अपराधों से बल्कि भविष्य में आसन्न अपराधों से भी बचाता है।

इस प्रकरण के बाद कहा जा सकता है कि देश के सर्वोच्च न्यायालय ने न केवल न्यायिक जवाबदेही में संतुलन स्थापित किया, बल्कि आखिरकार आम लोगों के विश्वास को भी बहाल किया है। निश्चित रूप से न्यायिक प्रक्रिया को न्याय के नैसर्गिक नियमों के अनुरूप ही व्यवहार करना चाहिए। जो देश की न्यायिक व्यवस्था के प्रति आम आदमी के भरोसे को बढ़ाने वाला भी होगा। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जब व्यक्ति समाज में चारों तरफ से व सिस्टम से निराश हो जाता है तो न्याय की चौखट उसकी उम्मीद की अंतिम किरण होती है। यदि वहां से भी संवेदनशील पहल होती न नजर आए तो उसका निराश होना स्वाभाविक ही है। सुप्रीम कोर्ट की इस संवेदनशील पहल ने सही मायने में उस आदमी के भरोसे को ही संबल दिया है। जिसका स्वागत किया जाना जरूरी भी है।

गुलाब सी जिंदगी...(भाग-1)

जिंदगी बहुत लम्बी हो... लेकिन बे-नूर... बे-रंग... मुरझाई सी... कुम्हलाई सी...बे-मकसद... पतझड़ के पत्तों सी काँपती हुई... शाख से टूटने के डर से घबड़ाई हुई हो... या कि फिर... जिन्दगी भले ही छोटी हो...लेकिन उसमें इन्द्रधनुष के रंग हों... उसमें उत्साह हो... हाथ बढ़ा कर सूर्य की रश्मियों को छू लेने की उसमें उमंग हो...रूढ़िवादिताओं को तोड़ते हुये अपने मन की बात कह देने का साहस हो...

जिन्दगी भले ही कितनी भी छोटी क्यों न हो पर हो... सार्थक... समर्थ...और... गुलाब के फूल सी... महकती हुई... लरज़ती हुई... ज़माने को खुशियाँ बाँटती हुई होना चाहिए... न जाने क्यों फिर भी हर इंसान अपनी लम्बी जिन्दगी की ही दुआ माँगता है... भला कोई छोटी जिन्दगी की प्रार्थना करे भी तो क्यों करे...? किन्तु मैं कहना चाहता हूँ... बेमकसद... बेनूर... उदास और लम्बी जिन्दगी से बेहतर है... गुलाब सी खिली... लरज़ती... महकती छोटी सी जिन्दगी...कभी मन की आँखों से पढ़ें महकते हुए गुलाब के फूल की जीवन दास्ताँ...कभी चिन्तन... मनन करें... गुलाब की सुन्दर पर क्षण भंगुर जीवनी का... कभी साहस तो जुटाएँ अपने जीवन में गुलाब सा खिल जाने का... और... अपने चारों ओर... परिवार में... समाज में... अपने सद्कर्मों की... गुलाबी खुशबू बिखेर देने का... गुलाब का जीवन कितना परिवर्तनशील है... कितना छोटा है.....परन्तु कितना आनंद और उत्साह से लबरेज़ है... कैसे काँटों के बीच... एक कोमल कली बनकर उगा हुआ गुलाब का एक सुन्दर सा फूल... अपने उर में तमाम वह रंग समेटे रखता है... जिन्हें देखते ही लोग आनंदित होकर वाह-वाह कह उठते हैं...कैसे तमाम ऋतुओं के परिवर्तनों से गुजरता हुआ यह गुलाब... चन्द ही दिनों में कली से फूल बन खिलता है... और... फिर खिलकर झर जाता है... उसकी एक-एक पंखुड़ी कैसे बिखर जाती है... लेकिन गुलाब अपनी छोटी सी जिंदगी में...कितनी खुशियाँ... कितने रंग... कितनी खुशबू... कितना उत्साह... कितनी उमंग भर जाता है... हर एक उस इंसान के दिल में जो उसके पास आता है...

गुलाब पुष्प ही नहीं,
मेरे हृदय की भाषा है
धरती के मन में,
अम्बर से मिलने की आशा है
बन गये नयनों की मुस्कान शब्द
हो गया मन का मौन मुखर
अंतर्मन के अंजाने कोने में
आया मधुर भाव उभर ...
यह गुलाब पुष्प ही नहीं
मेरे अलिखित छंदों की परिभाषा है
स्थिर हुई विदा के पल में
सुरभित रंग-रस की एक तरंग
मुरझा कर झर जाने के क्रम में
खुलकर खिलना बस एक पहर...
यह गुलाब पुष्प ही नहीं
कर्म-वचन-मन खिल पाने की आशा है
खुले हुए ज्यों अलपक झपके
मेरे अंतर्मन के ध्यानस्थ नयन
है पलक- पंखुरियों पर हँसता
रवि-कर- चुम्बित- चंचल हिमकण...
यह गुलाब पुष्प ही नहीं
मेरे मंत्र-मुग्ध नयनों की अमर पिपासा है...
गुलाब पुष्प ही नहीं, मेरे हृदय की भाषा है

और दूसरी ओर होती है... एक कठोर-बेमकसद... बेवजह पत्थर सी कठोर जिन्दगी... जिसकी उम्र तो गुलाब से कई-कई गुना लम्बी होती है... लेकिन अपनी सदियों लम्बी उम्र बीत जाने पर भी... वह न तो किसी को खुशी दे सकता है... न ही रंग... न नूर... न मकसद... न उमंग... न उत्साह ही दे सकता है...मैं अक्सर देखता हूँ... और भावुक हो सोचने पर मजबूर हो जाता हूँ...मेरे घर के बगीचे में गुलाब के पौधे के पास... एक पत्थर पड़ा है... सुबह जब मैं सैर को जाता हूँ... तो देखता हूँ... उस गुलाबी भोर में... गुलाब की कलियाँ फूल बन जाती हैं... गुलाब खिलता है... गुलाब का फूल सूर्य की किरणों में नृत्य करता है... वह अपनी कोमल-कोमल गर्दन उठाये... धीमे से... हौले-हौले... उत्साह से भरकर सूरज को चूम लेने की कोशिश करता है... भले ही उसकी यह कोशिश नाकाम ही क्यों न हो... मगर वह कोशिश तो करता है... उन्मुक्त गगन में... समीर के मंद-मंद झोंकों में... आकाश में ऊपर उठने की कोशिश करते हुये... अपने चारों ओर रंगीन खुशियाँ फैलाने की... सारे वातायन में मंद-मंद... भीनी-भीनी... गुलाबी सुगन्ध फैलाने की...एक ओर उस गुलाब के फूल को अपना अंजाम मालूम है... कि शाम ढलते-ढलते उसकी पंखुड़ी-पंखुड़ी बिखर जाना है... पर फिर भी वह दिन ढलने से पहले अपनी सारी सुरभि... अपनी सारी खुशबू... लुटा डालना चाहता है... उस चमन में...जहाँ उसने जन्म लिया... गुलाब जानता है... वह ज्यादा देर जिन्दा नहीं रहेगा... फिर भी अपने पास आने वाले हर इंसान को वह अपनी महक से... अपने रंगों से और अपनी मोहब्बत की नज़ाकत से सराबोर कर देना चाहता है...दूसरी ओर... यह पत्थर की शिला जो सुबह जैसी पड़ी थी... उस गुलाब के पास... शाम ढले भी वह पत्थर का टुकड़ा वैसा ही पड़ा रहता है... उस गुलाब के पौधे के पास... बस सिर्फ अन्तर इतना ही है कि... मरते-मरते भी गुलाब ने अपनी चन्द पंखुड़ियाँ उस काले बेनूर पत्थर पर भी गिरा दीं हैं ... उस पर अर्पित कर दी हैं कि... सोच ऐ संग-दिल पत्थर... तू भी सोच... कि क्या लम्बी निरर्थक तेरी जिन्दगी से... मेरी कुछ लम्हों की सार्थक इन्द्रधनुषी जिन्दगी बेहतर नहीं है... अरे... मैंने तो तुझ पाषाण को भी देवता मान कर दुनिया को अलविदा कहते-कहते चंद पंखुड़ियाँ तुझ पर भी अर्पित कर दी हैं... किन्तु फिर भी तू लोगों के हाथों में जाकर मुझे नष्ट करने का प्रयास करता है... जो अहंकारी होते हैं... जिन्हें घमण्ड होता है... जिनमें विचारों की संवेदनशीलता नहीं होती... जिन्हें जिन्दगी जीने का सलीका नहीं होता... जिनका मन पत्थर सा कठोर होता है... वह जरूर सोच सकते हैं कि... अरे... देखो... मिट गया एक और गुलाब का फूल... न जाने कितने फूल आये और गये... सुबह खिले... शाम को बिखर गये... पर हम तो जैसे थे... वैसे ही रहे... पत्थर बड़ा मुदित होता होगा...अपनी लम्बी जिन्दगी पर... परन्तु उस कठोर दिल मूढ़ को मालूम ही कहाँ कि ...फूल सी महक लिए होने में... दूसरों पर खुशियाँ न्योछावर करते-करते... इस दुनिया से अलविदा हो जाने में कितना आनंद है...मुझे लगता कि दुनिया के किसी भी पत्थर को... किसी भी पाषाण को... या फिर किसी भी संग-दिल इंसान को... किसी भी कठोर हृदय... विचारहीन मानव को... यह कतई भी एहसास ही न होगा कि... फूल होने के अर्थ क्या हैं ...? पुष्प बन जाने में कितना सुख है... दुनिया के इस चमन में... इस गुलिस्ताँ में ... एक गुल बनकर खिल जाने में कितना आनंद है... और या कि फिर... इंसानी जिन्दगी में क्या होते हैं...गुल बनकर झर जाने के मतलब... ?

पत्थरों को... या फिर पत्थरदिल लोगों को भला क्या पता कि परिवर्तन की पुलक क्या है...? क्या मायने हैं छोटी सी जिन्दगानी में जिन्दादिल होने के...? किसी पत्थर को भला कहाँ मालूम होते हैं वो राज़... जो एक फूल की चन्द रोज़ की जिन्दगी में होते हैं... खिलना... खुशबू बिखेरना... फिर कुम्हलाना और झरकर बिखर जाना...

कल जिस गुलाब की डाली पर बैठी बुलबुल
गाती थी गीत जवानी का पँचम स्वर में
देख रहा हूँ अब उसकी आँखों में आँसू
दब गया गीत उसका पतझर की हर-हर में
जिस पटल की पलकों की छाया के नीचे
थी लगी हाट मदिरा की, मधुपों का था मेला
है आज पंखुरियाँ बिखरी उस धरती पर
है पड़ा हुआ छाती पर मिट्टी का ढेला...

क्रमशः-27 फरवरी शुक्रवार को

(श्री मदनमोहन के लेखों, पुस्तकों, कविताओं की बेवसाइट)
https://adhyatmsanatandharma.com

प्रसंगवश

आम लोगों के लिए चुनौती बन रही बढ़ती महंगाई

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, थोक महंगाई में बढ़ोतरी खाद्य एवं गैर-खाद्य वस्तुओं और विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में मासिक आधार पर वृद्धि के कारण हुई है। सबसे ज्यादा चिंताजनक है खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़ना, क्योंकि इसका सीधा असर आम आदमी पर पड़ता है।

भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। माना जा रहा है कि मजबूत घरेलू खपत, नीतिगत सुधारों और तेज आर्थिक वृद्धि से यह मुकाम हासिल हुआ है। अब यह दावा किया जा रहा है कि निकट भविष्य में देश तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लेगा। मगर, आर्थिक विकास के आंकड़ों से जुड़े आकलन के इस पैमाने में क्या महंगाई को कम या स्थिर करने का पहलू भी शामिल किया गया है?

यह सवाल इसलिए अहम है कि एक तरफ विकास की चमकती तस्वीर पेश की जा रही है, तो दूसरी तरफ महंगाई की स्थिति कुछ और ही बयां करती है। सरकार की ओर से पिछले सप्ताह जारी किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि इस वर्ष की शुरुआत ही महंगाई में बढ़ोतरी के साथ हुई है। देश में थोक महंगाई जनवरी में बढ़कर 1.81 फीसद पर पहुंच गई, जबकि गत वर्ष दिसंबर में यह 0.83 फीसद पर थी। इसी तरह खुदरा महंगाई पिछले माह बढ़कर 2.75 फीसद हो गई, जिससे खाद्य सामग्री समेत कई जरूरी वस्तुओं के दाम बढ़ गए हैं।

गौरतलब है कि महंगाई का सबसे ज्यादा असर गरीब और मध्य वर्ग पर पड़ता है, क्योंकि उनकी आय का एक बड़ा हिस्सा भोजन, ईंधन और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक वस्तुओं पर खर्च होता है। इस कारण उनके जीवनयापन की लागत बढ़ जाती है, उनकी क्रय शक्ति कम हो जाती है और उन्हें अपने दूसरे खर्चों में कटौती के लिए मजबूर होना पड़ता है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, थोक महंगाई में बढ़ोतरी खाद्य एवं गैर-खाद्य वस्तुओं और विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में मासिक आधार पर वृद्धि के कारण हुई है। सबसे ज्यादा चिंताजनक है खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़ना, क्योंकि इसका सीधा असर आम आदमी पर पड़ता है। पिछले माह खाद्य वस्तुओं की थोक महंगाई दर 1.55 फीसद रही, जबकि गत वर्ष दिसंबर में इसमें 0.43 फीसद की गिरावट दर्ज की गई थी। इनमें भी सब्जियों की महंगाई सबसे ज्यादा 6.78 फीसद पर पहुंच गई है। यानी अब आम आदमी की थाली में सब्जियों की मात्रा कम हो गई है। जब महंगाई का चित्र स्पष्ट होता है, तो सरकार सही कदम उठाकर इस पर नियंत्रण कर सकती है. महंगाई बढ़ने से पैसे का मूल्य घट जाता है और पता चलता है कि हमें और कितना कमाने या बचाने की जरूरत है.

महंगाई के सही आंकड़ों से शिक्षा, स्वास्थ्य, और जरूरी वस्तुओं पर इसके असर को समझा जा सकता है. सरकार इन आंकड़ों की मदद से ब्याज दरों और करों में बदलाव करती है. बीते एक दशक में लोगों की जीवनशैली, खर्च करने के तरीके और दैनिक आवश्यकताओं में आमूलचूल बदलाव आया है. महंगाई का स्तर इस बात पर निर्भर करता है कि मांग और आपूर्ति का संतुलन कैसा है। जब लोगों के पास अधिक पैसे होंगे, तो वे अधिक वस्तुएं खरीदेंगे, जिससे मांग बढ़ेगी। यदि आपूर्ति मांग के अनुरूप नहीं है, तो वस्तुओं की कीमतें बढ़ जायेंगी। इसके विपरीत, जब मांग कम होगी और आपूर्ति अधिक होगी, तो महंगाई घट जायेगी। गौरतलब है कि विकास सुनिश्चित करने के लिए महंगाई की वास्तविक स्थिति को समझना आवश्यक है, ताकि जनता की घटती क्रय शक्ति, स्थिर आय, और जीवन यापन की लागत का सही आकलन किया जा सके। महंगाई दर में यह उतार-चढ़ाव दर्शाता है कि विकास में स्थिरता और समानता का संतुलन साधने की जरूरत है।

एआई नवाचार

तकनीक और इंसान के इस टकराव में खबरों की साख दांव पर

एआई फ्रीलांसिंग का पूरक होगा या बड़ा मददगार?

संकल्प सिंह

एआई आने के बाद पत्रकारिता और फ्रीलांसिंग के भविष्य पर कई बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं। तकनीक और इंसान के इस टकराव में खबरों की साख और लेखकों की पहचान दांव पर लगी है। पत्रकारिता हमेशा से भरोसे का पेशा रही है। पाठक यह मानकर खबर पढ़ता है कि जो शब्द उसके सामने हैं, उनके पीछे कोई इंसान है। जिसने रिपोर्टिंग की, सवाल पूछे, तथ्य जांचे और फर अपनी समझ से कहानी को लिखा है। हालांकि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तेजी से फैलते इस्तेमाल ने इस भरोसे की बुनियाद को हिलाना अब शुरू कर दिया है। अब सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि एआई पत्रकारों की मदद कर रहा है या नहीं बल्कि यह भी है कि क्या भविष्य में यह तय कर पाना संभव होगा कि खबर लिखने वाला इंसान है या मशीन।

हाल के महीनों में सामने आए कुछ मामलों ने इस तरह की बहस को चर्चा के केंद्र में लाने का काम किया है। बड़े अंग्रेजी मीडिया संस्थानों में छपे लेखों के पीछे ऐसे फ्रीलांस पत्रकार निकले हैं, जो असल में अस्तित्व ही नहीं रखते थे। नाम, प्रोफाइल, बाइलाइन सब कुछ था, सिवाय उस इंसान के। इसको लेकर जब संपादकों को शक हुआ और उन्होंने इसकी जांच की, तो पता चला कि पिच से लेकर पूरा आर्टिकल एआई की मदद से तैयार किया गया था। इसके बाद उन लेखों को हटाया गया। हालांकि, तब तक एक बड़ा सवाल खड़ा हो चुका था कि अगर कोई भी एआई की मदद से नकली पहचान बनाकर पत्रकार बन सकता है, तो फ्रीलांस सिस्टम कैसे बचेगा?

फ्रीलांस पत्रकारिता का पूरा ढांचा आपसी भरोसे पर टिका है। संपादक यह मानकर चलता है कि सामने वाला व्यक्ति वही है जो वह दावा कर रहा है और स्टोरी उसी ने खुद की है। वहीं जनरेटिव एआई आने के बाद यह प्रक्रिया काफी आसान हो गई है। अब कोई भी

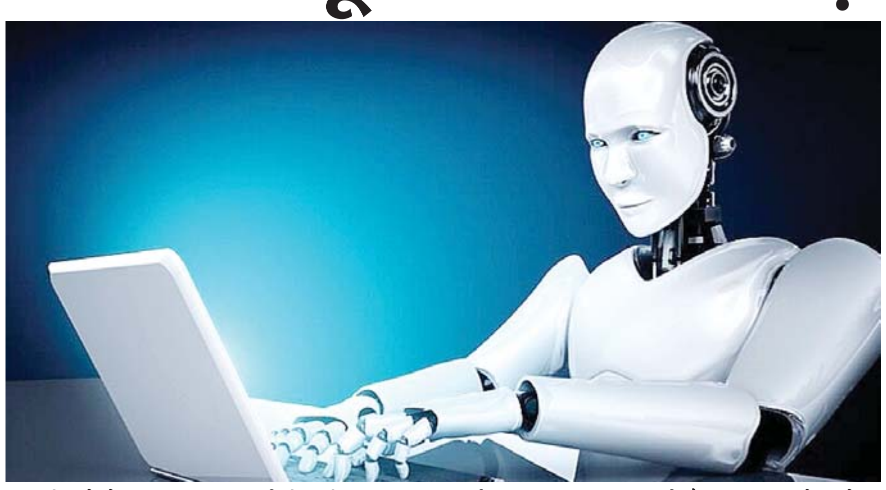

कुछ मिनटों में शानदार भाषा वाली पिच लिख सकता है, खुद को किसी विषय का विशेषज्ञ बता सकता है और प्रोफेशनल सी दिखने वाली प्रोफाइल के साथ ईमेल भेज सकता है। नतीजा यह है कि संपादकों के इनबॉक्स में अब असली और नकली के बीच फर्क करना पहले के मुकाबले काफी ज्यादा कठिन हो गया है।

हालांकि, इसका दूसरा पहलू आपको जरूर समझना चाहिए। कई फ्रीलांस पत्रकारों के लिए एआई एक दुश्मन नहीं, बल्कि सहायक बनकर उभर रहा है। बहुत से लेखक एआई का इस्तेमाल अपनी रिसर्च को व्यवस्थित करने, आइडिया खड़ा करने, इंटरव्यू का ट्रांसक्रिप्शन तैयार करने और शुरुआती ड्राफ्ट बनाने के लिए कर रहे हैं। इससे उनके समय की काफी बचत हो रही है और वे रिपोर्टिंग के गहरे हिस्सों, विश्लेषण और कहानी कहने पर ज्यादा ध्यान दे पा रहे हैं। कुछ पत्रकारों का कहना है कि एआई की मदद से उनकी पिच ज्यादा सटीक और आकर्षक हुई हैं, जिससे उन्हें काम मिलने की संभावना भी बढ़ी है।

वहीं इसका दूसरा पहलू भी है। काम जब तेज होता है तो उम्मीदें भी बढ़ती हैं। कई फ्रीलांसर बताते हैं कि अब उनसे कम समय में स्टोरी मांगी जाती है, यही नहीं कई मामलों में बजट भी घटा दिया गया है। यह मान लिया जाता है कि जब एआई है, तो काम में इतना वक्त क्यों लगे? एआई के साथ सबसे बड़ा जोखिम सत्यापन का है। जनरेटिव एआई कभी-कभी ऐसे तथ्य, आंकड़े या उद्धरण गढ़ देता है, जो सुनने में विश्वसनीय लगते हैं लेकिन होते नहीं। इस कारण जो पत्रकार एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं, उन्हें हर जानकारी की दोबारा जांच करनी पड़ती है। कई बार यह जांच-पड़ताल इतना समय ले लेती है कि एआई से मदद लेने के बाद एक अच्छी स्टोरी तैयार करने में पहले जितना ही समय लग जाता है। पत्रकार मानते हैं कि बिना वेरिफिकेशन के एआई पर भरोसा करना पेशे के लिए खतरनाक हो सकता है, क्योंकि एक भी बड़ी गलती पाठकों का भरोसा तोड़ सकती है।

संपादकों के सामने चुनौतियां और भी जटिल हैं। उन्हें अब सिर्फ अच्छी स्टोरी नहीं बल्कि भरोसेमंद लेखक भी ढूंढना होता है। कुछ संस्थानों ने नए तरीके अपनाने शुरू कर दिए हैं, जैसे लेखकों से ड्राफ्ट का वर्जन का हिस्ट्री मांगना या यह दिखाने को कहना कि उन्होंने रिपोर्टिंग कैसे की। यह कदम फर्जी एआई जनरेटेड कंटेंट को पकड़ने में मदद कर सकता है, लेकिन इसका एक साइड इफेक्ट भी है। नए और युवा पत्रकारों के लिए इंडस्ट्री में प्रवेश और कठिन हो सकता है, क्योंकि उनके पास पहले से बने नेटवर्क या पुराने बाइलाइन नहीं होती हैं।

एआई का असर सिर्फ लेखकों तक सीमित नहीं है। इलस्ट्रेटर और फोटोग्राफर जैसे क्रिएटिव प्रोफेशनल्स पर इसका असर और भी गहरा है। कई क्लाइंट अब सीधे एआई जनरेटेड इमेज का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे इंसानी कलाकारों के प्रोजेक्ट कम हो रहे हैं। कुछ मामलों में कलाकारों से कहा जा रहा है कि वे एआई जैसी शैली में काम करें, जिसके चलते उनकी रचनात्मक स्वतंत्रता सीमित हो रही है।

अब सवाल है कि क्या एआई पत्रकारों की जगह ले लेगा? ज्यादातर फ्रीलांसर्स का मानना है कि ऐसा पूरी तरह संभव नहीं है। एआई लिख सकता है, लेकिन वह रिपोर्टिंग नहीं कर सकता। वह सवाल नहीं पूछता, जमीन पर जाकर हालात नहीं देखता और नैतिक फैसले नहीं लेता। असल चुनौती यह तय करने की है कि एआई को कहां तक इस्तेमाल किया जाए और कहां इंसानी दखल अनिवार्य रहे।

इस कारण यह कहना स्पष्ट होगा कि फ्रीलांस पत्रकारिता खत्म नहीं हो रही, बल्कि बदल रही है। एआई ने काम करने के तरीके को तेज और आसान बनाया है, लेकिन साथ ही भरोसे, पहचान और पेशेवर नैतिकता के नए सवाल भी खड़े किए हैं। भविष्य की पत्रकारिता शायद इंसान और मशीन के सहयोग से बनेगी, जहां एआई एक टूल होगा, लेकिन जिम्मेदारी, सत्य और संवेदनशीलता की कमान इंसान के हाथ में ही रहेगी।

जीवन दर्शन

एक बहती हुई नदी की तरह है व्यक्तित्व

व्यक्तित्व एक बहती हुई नदी की तरह है, जो भविष्य के सागर की ओर बढ़ने के लिए व्याकुल है। अस्तित्व का सार इस बात में नहीं छिपा है कि हम अतीत में क्या थे, बल्कि इसमें है कि हम भविष्य में क्या बनने की आकांक्षा रखते हैं। मानवीय चेतना की सबसे सुंदर अभिव्यक्ति अतीत की बेड़ियों को तोड़कर स्वयं के निरंतर नवनिर्माण में निहित है। हमारा व्यक्तित्व बीती हुई घटनाओं का कोई जड़ संग्रह नहीं है, जो हमें पीछे खींचती हैं। यह तो एक बहती हुई नदी की तरह है, जो भविष्य के सागर की ओर बढ़ने के लिए व्याकुल है। हमारे अस्तित्व का वास्तविक सार इस बात में नहीं छिपा है कि हम अतीत में क्या थे, बल्कि इसमें है कि हम आने वाले समय में क्या बनने की आकांक्षा रखते हैं। जब हम यह समझ लेते हैं कि वर्तमान की प्रेरणाएं अतीत की विवशताओं की मोहताज नहीं हैं, तो हर नया सवेरा हमें अपने जीवन का उद्देश्य पुनः परिभाषित करने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है।

स्वयं को फिर से गढ़ने की यह शक्ति हमारे भीतर के उस केंद्र से उपजती है, जिसे हम अपना 'स्व' कहते हैं। एक परिपक्व और विकसित व्यक्तित्व की पहचान यही है कि वह अपनी तात्कालिक और स्वार्थी जरूरतों से ऊपर उठकर अपना विस्तार करता है।

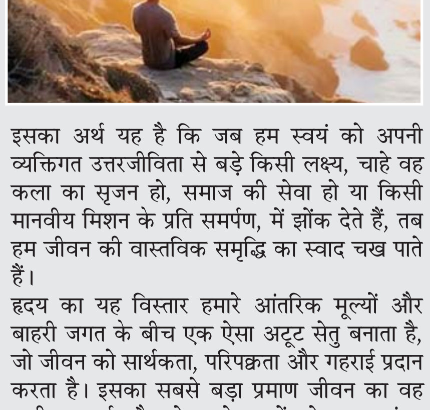

इसका अर्थ यह है कि जब हम स्वयं को अपनी व्यक्तिगत उत्तरजीविता से बड़े किसी लक्ष्य, चाहे वह कला का सृजन हो, समाज की सेवा हो या किसी मानवीय मिशन के प्रति समर्पण, में झोंक देते हैं, तब हम जीवन की वास्तविक समृद्धि का स्वाद चख पाते हैं।

हृदय का यह विस्तार हमारे आंतरिक मूल्यों और बाहरी जगत के बीच एक ऐसा अटूट सेतु बनाता है, जो जीवन को सार्थकता, परिपक्वता और गहराई प्रदान करता है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण जीवन का वह एकीकृत दर्शन है, जो हमारे मूल्यों को एक सुसंगत ढांचे में पिरो देता है। यह दर्शन हमारे भीतर एक दिशा-सूचक यंत्र की तरह कार्य करता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि हमारे निर्णय केवल परिस्थितियों या शारीरिक प्रवृत्तियों की प्रतिक्रिया मात्र न हों, बल्कि हमारे आंतरिक सत्य का प्रतिबिंब हों। एक संतुलित व्यक्तित्व वही है, जो स्वयं को गहरी अंतर्दृष्टि और एक स्वस्थ विनोद भाव के साथ देख सके। यह क्षमता हमें पंगु होने से बचाती है और हमें एक हल्के, पर अडिग मन के साथ अपने आदर्शों की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

मानव स्वभाव की सबसे बड़ी विशेषता उसका विकास की ओर उन्मुख होना और असीमित संभावनाओं से भरा होना है। अपनी विशिष्टता को सम्मान देकर और अपने चुने हुए मूल्यों पर अडिग रहकर, हम अपने जीवन को अखंडता की एक उत्कृष्ट कृति बना सकते हैं। इसी प्रकाश में, हर चुनौती हमारे लिए विकास का एक निमंत्रण बन जाती है और हर नया दिन वह कैनवास, जिस पर हम अपने सबसे प्रामाणिक स्वरूप को उकेर सकते हैं।

जब आप अपने 'स्व' को व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठाकर किसी महान लक्ष्य के प्रति समर्पित करते हैं, तो आपका चरित्र अपने आप निखरने लगता है। आत्मस्वीकार, अंतर्दृष्टि और विनम्रता ही आपको संतुलित बनाते हैं, जबकि करुणा, न्याय और जिज्ञासा आपके चरित्र को ऊंचाई प्रदान करते हैं।

गॉर्डन अल्पोर्ट

॥ गीता ज्ञान ॥

श्लोक

नात्यश्नतस्तु योगोऽस्ति न चैकान्तमनश्नतः।
न चातिस्वप्नशीलस्य जाग्रतो नैव चार्जुन॥

भावार्थ

हे अर्जुन! जो अत्यधिक भोजन करता है, या जो बिल्कुल नहीं खाता, जो बहुत अधिक सोता है या जो बिल्कुल नहीं सोता, उसका योग संभव नहीं है।

टीआरएस कॉलेज में हुआ सीपीआर प्रशिक्षण

रीवा। टीआरएस कॉलेज की युवा रेडक्रास इकाई द्वारा छात्र-छात्राओं को सीपीआर जागरूकता कार्यक्रम में प्रशिक्षण दिया गया। प्राचार्य डॉ.अर्पिता अवस्थी के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस जागरुकता कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ.प्रतिभा चतुर्वेदी ने छात्रों को हार्ट अटैक कार्डियक अरेस्ट के सम्बंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। साथ ही ऐसी परिस्थिति में हमें सीपीआर कब देना है और कैसे देना चाहिए इस पर अपने सहयोगियों के साथ डेमो देते हुये बताया कि जब व्यक्ति बेहोश हो और कोई रिस्पॉन्स नहीं दे। तब छाती को 110 से 120 बार प्रति मिनट की दर से दो इंच 30 बार दबाये और उसके मुँह मे दो बार साँस फूंके साथ ही छात्रों से भी सीपीआर देने का तरीका सिखाया। अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को पीपीटी के माध्यम से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.मिर्ज़ा अख्तर बेग ने किया, साथ ही डॉ.मनीष शुक्ल, अभिनव तिवारी, प्रियंका सिंह, डॉ.अतुल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

रैली में दिया गया नशामुक्ति का संदेश

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का तीसरा दिन

जागरण,रीवा। राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में शासकीय स्नातक महाविद्यालय गुढ़ द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन गुरुवार को विविध जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि शिविर के प्रथम दिवस का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.आरके तिवारी के करकमलों द्वारा किया गया था तथा उद्घाटन वरिष्ठ प्राध्यापिका रेखा मिश्रा द्वारा संपन्न हुआ। शिविर का संचालन कार्यक्रम अधिकारी पूनम पटेल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। तृतीय दिवस की शुरुआत प्रातः नशा मुक्ति जागरूकता रैली से हुई। स्वयंसेवकों ने ग्राम में भ्रमण कर श्नशा छोड़ो/ जीवन जोड़ो, स्वस्थ युवा, समृद्ध राष्ट्र, जैसे नारों के माध्यम से ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। विद्यार्थियों ने समाज को नशा मुक्त बनाने का संदेश देते हुए जनसमुदाय को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने हेतु प्रेरित किया। रैली के पश्चात शिविर स्थल पर नशा मुक्ति विषयक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में स्वयंसेवकों ने तंबाकू, शराब एवं अन्य मादक पदार्थों से होने वाली हानियों को प्रभावशाली चित्रों एवं संदेशों के माध्यम से प्रस्तुत किया। निर्णायक मंडल द्वारा उत्कृष्ट पोस्टरों का चयन कर प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया गया। अपने संदेश में वक्ताओं ने कहा कि युवा वर्ग यदि दृढ़ संकल्प ले तो समाज से नशे जैसी सामाजिक बुराई को समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्वयं जागरूक बनकर समाज को भी जागरूक करें। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। ग्रामवासियों एवं स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता सराहनीय रही।

कलेक्टर ने किया डीईओ कार्यालय का औचक निरीक्षण

शिक्षकों के लंबित वेतन भुगतान पर लगाई जमकर फटकार, कई नस्तियों को किया जब्त

अटैचमेंट वाले शिक्षक बचते दिखे, अफरा-तफरी का महौल निर्मित रहा

जागरण,रीवा

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में गुरुवार को कलेक्टर प्रतिभा पाल औचक निरीक्षण करने पहुंच गईं। कलेक्टर के पहुंचते ही कार्यालय में हड़कंप का महौल निर्मित हो गया। डीईओं कार्यालय में अफरा-तफरी का महौल निर्मित हो गया। कलेक्टर ने एक-एक कर शाखाओं का निरीक्षण किया व विस्तृत जानकारी ली गई। कुछ नस्तियों को भी जब्त कराया गया है। उपस्थित कर्मचारियों से उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों के संपादन की जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने शिक्षकों एवं अन्य स्टाफ की विभागीय जांच, सतर्कता शिकायतों के संबंध में की जा रही कार्यवाही तथा रमसा में विभिन्न योजनाओं से प्राप्त राशि व प्रदाय राशि की फीडिंग की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने 45 शिक्षकों के लंबित वेतन भुगतान पर नाराजगी व्यक्त की तथा कार्यवाही कर भुगतान करने के निर्देश दिये।

संलग्नीकरण आदेश नहीं मिले

कलेक्टर ने शिक्षकों एवं प्राचार्यों के क्रमोन्नति समयमान वेतनमान सहित अन्य स्वत्वों के प्रकरणों से संबंधित नास्तियाँ का निरीक्षण किया तथा कतिपय नस्तियाँ जब्त की। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में संलग्न कर्मचारियों के संलग्नीकरण आदेश प्रस्तुत करने तथा कार्य विभाजन अनुसार कार्य करने वाले कर्मचारियों का विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान इसे प्रस्तुत नहीं किया जा सका। मप्र शिक्षक संघ के पूर्व संभागीय उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह रिटा. प्राचार्य ने कलेक्टर के कार्यवाही का स्वागत करते हुए कहा कि यहां हर कुर्सी पर चढोत्री की प्रथा है। नहीं नहीं देने पर फाइलों को ढेर में रख दिया जाता है। खासतौर से रिटायरमेंट के बाद तो कर्मचारियों को उनके स्वत्वों के लिए सालों तक दौड़ाया जाता है। अनुकंपा नियुक्ति फर्जीवाड़ा व अन्य अनिमितताओं में जिन कर्मचारियों को दोषी माना गया है उन्हें हटाया नहीं गया लिहाजा अब वह खुले हाथों से वसूली कर रहे हैं। संबंधितों के खिलाफ जांच कार्यवाही की मांग की गई।

लंबे समय से लग रहे थे आरोप

बता दें कि डीईओ कार्यालय में हो रही मनमानी को लेकर लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं, जिसमें कर्मचारियों के स्वत्वों के भुगतान में जान बूझकर देरी किए जाने के आरोप भी लग रहे थे। शिक्षकों के विद्यालयों की बजाय कार्यालय में बाबूगीरी करने के आरोप भी सामने आए थे। कलेक्टर की इस सख्त कार्रवाई के बाद कई शाखा प्रभारियों और अटैच शिक्षकों पर गाज गिरना तय माना जा रहा है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्थापना, वित्त एवं अन्य विभागीय योजनाओं के संबंधित नस्तियों का अवलोकन किया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर तथा कोषालय अधिकारी पुष्पेन्द्र शुक्ल उपस्थित रहे।

पादप वर्गी विज्ञान में पौधों की पहचान और औषधीय महत्व से छात्रों को किया जागरूक

मॉडल साइंस कॉलेज में आयोजित हुआ एक दिवसीय व्याख्यान कार्यक्रम

जागरण,रीवा। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा गुरुवार को विभागीय म्यूजियम में 'पादप वर्गी विज्ञान में पौधों की पहचान एवं उनका औषधीय महत्व' विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.आरएन तिवारी ने की तथा कार्यक्रम का निर्देशन वनस्पति शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो.अभिलाषा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में सेवानिवृत्त पूर्व विभागाध्यक्ष वनस्पति शास्त्र प्राचार्यए प्रो.विजय कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे। उन्होंने पादप वर्गीकरण की वैज्ञानिक पद्धतियों, विभिन्न वनस्पतियों की सही पहचान के पारंपरिक एवं आधुनिक आधारों तथा औषधीय पौधों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को औषधीय वनस्पतियों के संरक्षण, अनुसंधान एवं उनके वैज्ञानिक उपयोग के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में वनस्पति शास्त्र विभाग की प्रो.रश्मि अर्नाल्ड, डॉ.अनूप सिंह, डॉ.आशीष पटेल, डॉ.अभिषेक श्रीवास्तव एवं रुचि तिवारी सहित विभाग के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो.आरएन तिवारी ने ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रमों को विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास एवं शोध अभिरुचि के लिए अत्यंत उपयोगी बताया तथा विभाग को सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ.अनूप सिंह द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन विभागाध्यक्ष प्रो.अभिलाषा श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा विषय संबंधी प्रश्न पूछे गए, जिनका समाधान मुख्य वक्ता द्वारा विस्तारपूर्वक किया गया।

शिवाजी महाराज के आदर्श आज भी प्रासंगिक: डॉ. सुजय सिंह

शिवसैनिकों ने मनाई शिवाजी जयंती

जागरण, रीवा। छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के शुभ अवसर पर ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय के प्रांगण में शिव सैनिकों ने एकत्रित होकर शिवाजी महराज की जयंती मनाई। उनके चित्र पट पर माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित कर जय भवानी जय शिवाजी का उद्घोष किया तत्पश्चात् उपस्थित जनसमुदाय को मिष्ठान वितरण किया गया। इस अवसर पर डॉ.सुजय सिंह ने शिवाजी की वीरगाथा का वर्णन करते हुए युवाओं से देश के अंदर एकता, अखण्डता तथा भाईचारे की भावना बनी रहे और भारतीय संस्कृति सुरक्षित रहे, आम जनमानस की सोच राष्ट्र कल्याण की हो इसके लिए युवाओं से एकजुटता का आह्वान किया तथा शिव सैनिकों एवं आम जनमानस को शिवाजी जयंती की बधाई दी। शिव सैनिक कवि मिश्र ने कहा कि वर्तमान समय में देश में बेरोजगारी तथा शिक्षा व स्वास्थ्य की स्थित बदहाल है राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में वायु तथा जल प्रदूषण की स्थित भयानक है जिससे आम जनमानस त्रस्त है आज आवश्यकता है कि हम सभी को युवा समाज को एकत्र होकर समाज में फैली हुई अव्यवस्था, अराजकता को दूर करे तथा शिवाजी के बताये हुये रास्ते पर चलकर राष्ट्र कल्याण के लिये कार्य करें। इस अवसर पर शिव सैनिक वीरेन्द्र पटेल, महेश तिवारी, कृष्णा सोनी, विकास गुप्ता गोलू, रामकुमार, सौरभ, मनीष तिवारी, दीपू, राबर्ट, महफूज खान इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

जीडीसी छात्राओं ने किया विरोध प्रदर्शन, आंदोलन की दी चेतावनी

प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर की कार्यवाही की मांग

जागरण,रीवा। शासकीय कन्या महाविद्यालय में विभिन्न अनियमितताओं और व्याप्त समस्याओं को लेकर गुरुवार को छात्राओं ने विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों ने कालेज प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी समस्याओं से संबंधित ज्ञापन पत्र कॉलेज प्राचार्य को सौपा है। इन छात्राओं ने कहा कि अगर एक सप्ताह के अंदर उनकी मांगे पूरी नहीं की जाती तो वह आंदोलन करने को बाध्य होंगी। दरअसल रीवा के कन्या महाविद्यालय में गुरुवार को छात्राओं ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए ना सिर्फ नारेबाजी की बल्कि कॉलेज के प्राचार्य को अपनी विभिन्न समस्याओं से संबंधित ज्ञापन पत्र भी सोपा है। इन छात्राओं ने बताया कि कॉलेज के वॉशरूम में गंदगी का आलम है। यहां पीने के लिए वॉटर कूलर तो लगे हैं लेकिन उन वाटर कूलर में पानी नहीं होता। इसके अलावा लाइब्रेरी में पुरानी किताबों का अंबार लगा हुआ है जबकि नए सिलेबस की किताबे गायब है। इसके साथ ही सीसी के नाम पर दूर दराज से आने वाली छात्राओं को बार बार बुलाकर परेशान करने साथ के साथ-साथ मनमाना फीस वसूलने का भी छात्राओं ने आरोप लगाया है। फिलहाल इस तरह की अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर छात्राओं ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि अगर उनकी यह मांगे पूरी नहीं होती तो उनके द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा।

देवभाषा से छात्रों की दूरी, 511 ने छोड़ी 10वीं की परीक्षा

निरीक्षण में दलों को मिली लापरवाही, केन्द्राध्यक्ष भी बदले गए

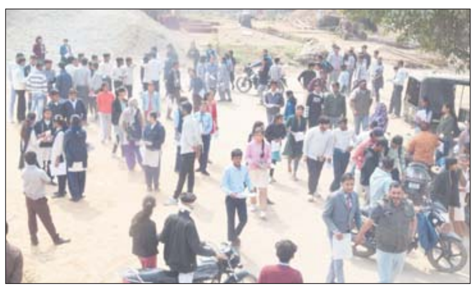

जागरण,रीवा। 10वीं-12वीं की बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं। 10वीं का गुरुवार को देवभाषा संस्कृत का पेपर रहा। जिसमें 511 छात्र अनुपस्थित रहे, परीक्षा देने ही नहीं पहुंचे। बताया गया कि गुरुवार को 10वीं कक्षा की संस्कृत विषय की परीक्षा का आयोजन जिले के 94 केन्द्रों में किया गया। जिसमें 26689 छात्रों को शामिल होना था लेकिन इसमें 26178 छात्र ही शामिल हुए। वहीं 12वीं के मनोविज्ञान विषय की परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें 5 छात्रों में से 3 छात्रों ने ही परीक्षा दी। दो छात्र यहां भी अनुपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी रामराज मिश्रा ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मझिगवा, संदीपनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिरमौर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिरमौर एवं सिद्धार्थ हाई स्कूल सिरमौर का निरीक्षण किया। हाई स्कूल के संस्कृत विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण पाई गई तथा कहीं भी नकल की पुष्टि नहीं हुई। इसी क्रम में सहायक संचालक राजेश मिश्रा के नेतृत्व में गठित दल ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनगवा, संदीपनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवतालाब एवं सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवतालाब का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वीईओ रीवा आरएल दीपांकर ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोड़हर एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय निपनिया का निरीक्षण किया। परीक्षा केंद्रों में गंभीर लापरवाही पाई। केंद्राध्यक्ष को फटकार लगाते हुए दोनों केंद्रों के 9 पर्यवेक्षकों को कारण बताओ सूचना जारी की गई। निपनिया विद्यालय के 6 पर्यवेक्षकों को तत्काल कार्यमुक्त कर उनके स्थान पर नए पर्यवेक्षकों की मौके पर ही व्यवस्था की गई। स्पष्टीकरण प्राप्त होने के बाद वरिष्ठ कार्यालय को प्रस्ताव भेजकर आगे की कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन की सख्ती से शिक्षा विभाग में हड़कंप की स्थिति है।

"प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस "
कार्यालय प्राचार्य - छत्रसाल शासकीय अग्रणी स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना (म.प्र.)
(नैक द्वारा ग्रेड- B++ प्रदत्त)
Off. 07732-252020 E-Mail: hegcpgcpan@mp.gov.in
Website: https://highereducation.mp.gov.in/?orgid=305

क्रमांक/ 546/2026 दिनांक: 19.02.2026

निविदा प्रकाशन सूचना

योजना क्र.-5765 के अंतर्गत प्रयोगशाला उपकरण/सामग्री क्रय हेतु Bid Number: GEM/2026/B/7258240 Dated: 19.02.2026 and Bld End Date 06.03.2026 एवं पुस्तकालय विकास योजना क्र. -5550 अंतर्गत कम्प्यूटर / प्रिंटर उपकरण क्रय हेतु Bid Number: GEM/2026/B/7261879 Dated: 19.02.2026 and Bid End Date 02.03.2026, Gem Portal पर खुली निविदा प्रकाशित की गई है। जिसका विस्तृत विवरण महाविद्यालय के सूचना पटल एवं बेबसाईट https://highereducation.mp.gov.in/?orgid=305 से प्राप्त की जा सकती है।

डॉ. एस.डी. चतुर्वेदी
प्राचार्य

माध्यमिक शिक्षक बने हेल्थ वेलनेस एम्बेसडर आरोग्य दूत

किशोर-किशोरी के बेहतर स्वास्थ्य हेतु तीन दिवसीय उमंग प्रशिक्षण का समापन

जागरण, रीवा। कलेक्टर रीवा के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयास से संचालित उमंग स्कूल हेल्थ एवं वेलनेस कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 6 से 8 तक के माध्यमिक स्कूल के शिक्षकों का तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण होटल विंध्या रिट्रीट में आयोजित किया गया। तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में दो बैच में 6 मास्टर ट्रेनर ने मिलकर 84 माध्यमिक शिक्षको को प्रशिक्षित किया। उमंग स्कूल हेल्थ एवं वेलनेस कार्यक्रम अंतर्गत स्कूल स्तर पर कक्षाओं में उमंग सेसन आयोजित किये जायेंगे। जिसमें बच्चों को स्वास्थ्य विषयक गतिवविधि के माध्यम से बच्चों के बेहतर भविष्य की नींव रखी जायेगी। किशोर-किशोरी 10 से 19 वर्ष के बच्चे बच्चियों में इस अवस्था मे शारीरिक बदलाव और परिवर्तन होते है, सामाजिक एवं मानसिक बदलाव होते हैं ऐसी दशा में किशोरों में निर्णय लेने की कौशल सहित जीवन के 10 अहम जीवन कौशल को लेकर शिक्षको को प्रशिक्षित किया गया। प्रथम दिन सत्र का परिचय करवाते हुए विष्णु प्रताप सिंह जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबन्धक राष्ट्रीय बाल स्वस्थ्य कार्यक्रम के द्वारा शुरू किया गया। टीपी सिंह प्राचार्य डाइट रीवा ने शिविर का निगरानी हेतु निरीक्षण किया एवं शिक्षको को बेहतर ढंग से प्रशिक्षण प्राप्त करने एवं स्कूल स्तर पर लागू करने के निर्देश दिए गए। शिविर के दूसरे दिवस में विशेष लेक्चर के रूप में अनु मिश्रा साइकोलॉजिस्ट मनो रोग विशेषज्ञ ने मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, मनहित एप, टेलीमानस टोल फ्री नम्बर 14416, उमंग हेल्प लाइन 14425 के बारे में बताया गया। मंजुल द्विवेदी स्त्री रोग विशेषज्ञ ने यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के बारे में बताया गया। डॉ.सुनील अवस्थी ने संचारी-असंचारी रोग के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के तीसरे दिन विशेष व्याख्यान के तहत पोक्सो एक्ट एवं राष्ट्रीय कार्यक्रमो, तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम, उमंग कार्यक्रम, एनीमिया मुक्त भारत आदि के बारे विष्णु प्रताप सिंह जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबन्धक ने सत्र लेकर प्रशिक्षण प्रदाय किया गया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ.केबी गौतम जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने निरीक्षण किया एवं शिक्षको को किशोर-किशोरियों के मध्य उमंग सेसन को बेहतर ढंग से संचालित करने की अपील की गई। डॉ.गौतम द्वारा बताया गया कि यह उमंग हेल्थ एवं वेलनेस कार्यक्रम बेहतर भविष्य और स्वस्थ्य भविष्य की संकल्पना है, किशोर-किशोरी में हेल्थ के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। डॉ.सुधा पटेल शिक्षा विभाग ने बताया कि यह शिक्षक आरोग्य दूत यानी हेल्थ एम्बेसडर के रूप में किशोर किशोरी को स्वास्थ्य विषयक जानकारी देंगे बहुत ही कारगर पहल है इससे बच्चे का स्वास्थ्य बेहतर होगा।

10 दिनों में कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी

रीवा। शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय में 1992 में लैब असिस्टेंट के पद पर राजेश शुक्ला की कथित फर्जी नियुक्ति मामले में असोसिएशन ऑफ स्टूडेंट्स फॉर अल्टरनेटिव पॉलिटिक्स के रीवा जिला अध्यक्ष अमन सिंह बघेल ने रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल को ज्ञापन सौंपा है और तत्काल जांच तथा कार्रवाई की मांग की है।अमन सिंह बघेल ने कलेक्टर को सौंपे गए पत्र में आरोप लगाया कि राजेश शुक्ला की नियुक्ति पूरी तरह फर्जी थी। उस समय महाविद्यालय में लैब असिस्टेंट का ऐसा कोई पद ही अस्तित्व में नहीं था और न ही इस पद के लिए कोई सार्वजनिक विज्ञापन निकाला गया था। भर्ती प्रक्रिया का कोई रिकॉर्ड नहीं है। महाविद्यालय के प्राचार्य राम नरेश पटेल ने भी इसकी पुष्टि की है कि उनके पास राजेश शुक्ला की नियुक्ति से जुड़ी कोई फाइल या दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। सिर्फ एक नियुक्ति आदेश है लेकिन विज्ञापन, साक्षात्कार या अन्य भर्ती प्रक्रिया से संबंधित कोई प्रमाण नहीं है।बावजूद राजेश शुक्ला पिछले 34 वर्षों से लगातार इसी महाविद्यालय में पदस्थ हैं और वेतन-भत्ते प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से 10 दिनों के अंदर इस मामले की गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। अन्यथा बड़े स्तर पर आंदोलन छेड़ने की चेतावनी दी है। कलेक्टर ने मामले की जांच का आश्वासन दिया है।

मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम मर्यादित
कार्यालय महाप्रबंधक (संपदा/निर्माण), संभाग-क्र. 1
पंचानन भवन द्वितीय तल, मालवीय नगर, भोपाल (म.प्र.)
दूरभाष क्र. : 0755-2673196, E-mail : laghubpl01@gmail.com
क्रमांक : लउनि/निर्माण/संभाग-क्र. 01, भोपाल/2025-26/48
भोपाल, दिनांक : 19.02.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्न कार्यों की निविदा ई-टेण्डरिंग पद्धति से वेबसाइट https://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की जाती हैं :- कार्य का नाम- 1. नाट्य विद्यालय बाणगंगा चौराहा, टी.टी. नगर, भोपाल में इंटीरियर रिनोवेशन, फर्निशिंग मय आंतरिक विद्युतीकरण कार्य, अनुमानित लागत राशि रु. 276.50 लाख। 2. शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, सीहोर में इंटीरियर रिनोवेशन, फर्निशिंग मय आंतरिक विद्युतीकरण कार्य, अनुमानित लागत राशि रु. 99.56 लाख। निविदाओं की समस्त जानकारी उक्त वेबसाइट पर दी जावेंगी। निविदाओं में कोई संशोधन व परिवर्तन किया जाता हैं, तो वह उपरोक्त वेबसाइट पर देखा जा सकता हैं। बिना कोई कारण बताये निविदा को स्वीकृत अथवा निरस्त करने का अधिकार निगम के पास सुरक्षित है।
म.प्र. माध्यम/124559/2026 महाप्रबंधक (सं./नि.)

एम.पी. स्टेट सिविल सप्लाईज कारपोरेशन लि.
मुख्यालय, भोपाल
क्र./परिवहन/निविदा/785535/2025-26/NIT No./222
भोपाल, दिनांक : 19.02.2026

परिवहन कार्य अवधि वर्ष 2025-27 हेतु तृतीय (शेष निविदाओं हेतु) ई-निविदा आमंत्रण सूचना

कार्पोरेशन द्वारा निविदा अवधि वर्ष 2025-27 हेतु परिवहन कार्यों की ऑनलाइन GEM पोर्टल पर Handling, Transport and Other Mining Services के अन्तर्गत रजिस्टर्ड निविदाकारों से जिलों/रैक प्वाइन्ट्स/सेक्टर्स हेतु निम्नानुसार निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं:-
01. LRT (रबी-खरीफ उपार्जन)
02. LRT (सामान्य)
03. HLRT (खाद्यान्न)
04. HLRT (बारदाना)
निविदा दस्तावेज वेबसाइट https://gem.gov.in पर अवलोकन हेतु उपलब्ध हैं। निविदा दस्तावेज एवं निविदा प्रक्रिया ऑनलाइन भरने से सम्बंधित तकनीकी सहयोग व स्पष्टीकरण हेतु टोल फ्री नम्बर (Inbound): 1800-419-3436 1800-102-3436 (9:00 am - 10:00 pm Mon. to Sat.) पर सम्पर्क कर सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/124539/2026 महाप्रबंधक (परिवहन)

भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, रीवा (म.प्र.)
चल सम्पत्ति हेतु (कार) के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस
भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, रीवा द्वारा निम्नलिखित वाहनों की ई-नीलामी द्वारा बिक्री की जाती है। सभी वाहन ''जहाँ है, जैसे है'' आधार पर विक्रय होंगे।
ई-नीलामी की तिथि: 26.02.2026 समय: 10:00 AM से 05:00 PM तक (ऑटो एक्सटेंशन सहित)

क्र.	ऋणी का नाम व पता	चल सम्पत्ति (वाहन) का विवरण	निरीक्षण पता	आरक्षित मूल्य/ EMD
1.	श्री मनोज अग्रवाल, A-70/74 नई बस्ती, बनारस, उ.प्र. 221001	Renault India Pvt. Ltd. मॉडल: KWID RXT M1BS4 निर्माण वर्ष: 2019 इंजन नं.: E232326 चेसिस नं.: MEEBBA007K1642804 रजिस्ट्रेशन: MP66C6642	संतोष तिवारी, मझियार नई बस्ती, अमीन रोड, रीवा (म.प्र.) मो.: 6264279631	₹80,000/ ₹8,000
2.	श्री शिव शंकर साहू, धोगा, जियावान, देवसर, जिला सिंगरौली, म.प्र. 486881	Mahindra & Mahindra Ltd- Bolero SLX 2WD निर्माण वर्ष: 2018 इंजन नं.: WJU6J81485 चेसिस नं.: MA1XK2WJXKJ549629 रजिस्ट्रेशन: MP66C6997	संतोष तिवारी, मझियार नई बस्ती, अमीन रोड, रीवा (म.प्र.) मो.: 6264279631	₹3,50,000/ ₹35,000
3.	श्री शिव शंकर साहू, कुर्सा, देवसर, सिंगरौली, म.प्र. 486881	Mahindra & Mahindra Ltd- Bolero SLX 2WD निर्माण वर्ष: 2018 इंजन नं.: GRJ4L85804 चेसिस नं.: MA1WX2GRK5JL55311 रजिस्ट्रेशन: MP66C6994	संतोष तिवारी, मझियार नई बस्ती, अमीन रोड, रीवा (म.प्र.) मो.: 6264279631	₹3,70,000/ ₹37,000
4.	श्री पुष्पेन्द्र भारती, पिता श्री राम भरोसा, सेमरिया, म.प्र. 486001	Tata Motors Ltd. INTRA V30 NON ACBS6 निर्माण वर्ष: 2022 इंजन नं.: 15CRAL05KXXS98120 चेसिस नं.: MAT535073MYN47759 रजिस्ट्रेशन: MP17G4256	संतोष तिवारी, मझियार नई बस्ती, अमीन रोड, रीवा (म.प्र.) मो.: 6264279631	₹3,50,000/ ₹35,000

नियम एवं शर्तें: 1.विक्रय SARFAESI अधिनियम, 2002 तथा सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के अंतर्गत किया जा रहा है। 2. सभी वाहन एवं जहां हैं जैसे हैं आधार पर विक्रय होंगे। 3. इच्छुक बोलीदाता वाहन का निरीक्षण निर्धारित निरीक्षण तिथि एवं स्थान पर स्वयं कर सकते हैं। 4. ई-नीलामी में भाग लेने हेतु बोलीदाता को वैध KYC दस्तावेज जमा करना तथा निर्धारित EMD राशि नीलामी पूर्व जमा करना अनिवार्य होगा। 5. सफल बोलीदाता को नियमानुसार शेष राशि निर्धारित समयावधि में जमा करनी होगी, अन्यथा EMD जब्त की जा सकती है। 6. सभी वैधानिक देयताएँ/कर/ट्रांसफर शुल्क आदि सफल खरीदार द्वारा वहन किए जाएंगे। 7. प्राधिकृत अधिकारी को बिना कोई कारण बताए किसी भी बोली को स्वीकार अथवा निरस्त करने तथा नीलामी स्थगित/रद्द करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित रहेगा। 8. विस्तृत नियम एवं शर्तें तथा ऑनलाइन पंजीकरण हेतु वेबसाइट देखें: https://baanknet.com/eauction-psb/
दिनांक: 18.02.2026
स्थान: रीवा (म.प्र.)
प्राधिकृत अधिकारी
मुख्य प्रबंधक (क्रेडिट एवं NPA), RBO-6 रीवा
भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, रीवा (म.प्र.)

एजेंडा बिदुओं के निराकरण में रीवा संभाग की सीएस ने की सराहना

सीएस ने वीडियो कांफ्रेंस में की समीक्षा

जागरण, रीवा

प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कमिश्नर्स-कलेक्टर्स कान्फ्रेंस के एजेण्डा बिन्दुओं की समीक्षा की। सीएम ने कांफ्रेंस के मुख्य सचिव ने कहा कि कलेक्टर 31 मार्च के पहले बैंकों के साथ कम से कम दो बैठकें करके स्वरोजगार योजनाओं की शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति कराएं। उन्होंने सकरी बस्तियों में अतिक्रमण हटाकर आवागमन की व्यवस्था तथा सड़क सुरक्षा के संबंध में प्रभावी उपाय के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों में पीड़ित को सात दिवस में राहत राशि उपलब्ध कराएं। राहत राशि के लिए जाति प्रमाण पत्र, मेडिकल रिपोर्ट एवं अन्य अभिलेख उपलब्ध कराकर तथा पीड़ित का बैंक खाता खुलवाकर राहत राशि का वितरण कराएं। कलेक्टर और एसपी राहत राशि के प्रकरणों के निराकरण की नियमित समीक्षा करें। साइबर क्राइम को रोकने के लिए लगातार जागरुकता अभियान चलाएं। सभी शस्त्र लाइसेंस एक माह में पोर्टल पर अपलोड करा दें। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में बताया गया कि गत बैठक की तुलना में रीवा संभाग के बिन्दुओं में 82 प्रतिशत सुधार हुआ है। इसमें संभाग प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। कमिश्नर कार्यालय के एनआईसी केन्द्र से कमिश्नर बीएस जामोद, संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, उपायुक्त एलएल अहिरवार तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से कलेक्टर प्रतिभा पाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डॉ. अनुराग शर्मा बने नये सीएमएचओ रीवा

रीवा। कलेक्टर प्रतिभा पाल द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) का प्रभार जिल क्षय अधिकारी डॉ. अनुराग शर्मा को सौंपा गया है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के मुताबिक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला एमएचएम के कर्मचारियों के माह जनवरी का भुगतान एवं अन्य वित्तीय स्वीकृत के प्रकरणों को दृष्टिगत रखते हुये की गई है।

रेलवे स्टेशन पर शराब की तस्करी करते एक आरोपी गिरफ्तार

जागरण सतना। पुलिस अधीक्षक रेल एवं वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जीआरपी थाना सतना को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। सतना रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर मुस्तैदी दिखाते हुए पुलिस बल ने एक शातिर तस्कर को अवैध अंग्रेजी शराब के साथ रंगे हाथों दबोचा है। बताया जाता है कि 18 फरवरी की रात्रि जब पूरा शहर विश्राम की ओर था जीआरपी सतना की टीम स्टेशन परिसर में सघन चेकिंग अभियान चला रही थी। चौकी प्रभारी जीआरपी सतना उप निरीक्षक राजेश राज के मार्गदर्शन में टीम जब प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर डिप्टी एसएस ऑफिस के पास पहुँची तो एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर सकपका गया और भागने की कोशिश करने लगा।? पुलिस बल ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास मौजूद सफेद प्लास्टिक की बोरी से 49 नग गोवा व्हिस्की कुल 8.82 लीटर बरामद की गई जिसकी अनुमानित कीमत 6 हजार 272 रुपये आँकी गई है। आरोपी के पास शराब परिवहन से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज नहीं पाए गए। आरोपी अमृतलाल पाल पिता राम अधार पाल उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम जोवा थाना बढेरा जिला मैहर को गिरफ्तार किया गया।

संकल्प से समाधान अभियान : संभाग में 160482 आवेदन पत्र मंजूर

रीवा। रीवा संभाग के सभी जिलों में 12 जनवरी से 31 मार्च तक संकल्प से समाधान अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाकर आमजनता से पात्रता के अनुसार विभिन्न योजनाओं के आवेदन पत्र भरवाए जा रहे हैं। आमजनता की समस्याओं से जुड़े आवेदन पत्रों का भी निराकरण किया जा रहा है। आवेदन पत्रों को सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर विभागवार दर्ज किया जा रहा है। इसके साथ-साथ आवेदन पत्रों के निराकरण की भी जानकारी पोर्टल में दर्ज की जा रही है। रीवा संभाग में अब तक आमजनता से 242983 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से 160482 आवेदन पत्र मंजूर कर लिए गए हैं। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया कि आवेदन पत्रों के निराकरण की लगातार कार्यवाही की जा रही है। कमिश्नर ने बताया कि संभाग में 18 फरवरी तक सतना जिले में लगाए गए शिविरों में 50335 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। इनमें से 48663 आवेदन पत्र मंजूर कर लिए गए हैं। रीवा जिले में कुल 37167 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। इनमें से 25293 आवेदन पत्र मंजूर किए गए हैं। सिंगरौली जिले में प्राप्त 37225 आवेदनों में से 15330 तथा सीधी जिले में प्राप्त 81408 आवेदन पत्रों में से 42615 आवेदन पत्रों को मंजूर कर लिया गया है। इसी तरह मैहर जिले में प्राप्त 27280 आवेदन पत्रों में से 21811 तथा मऊगंज जिले में प्राप्त 9568 आवेदन पत्रों में से 6770 आवेदन पत्र मंजूर कर लिए गए हैं। शेष लंबित आवेदन पत्रों के निराकरण के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। शिविरों में श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, नगरीय निकाय, सामान्य प्रशासन विभाग तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में बड़ी संख्या में आवेदन पत्र मिले हैं।

कार्यालय, कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी जिला-रीवा (मध्यप्रदेश)

निविदा सूचना — रीवा, दिनांक: 19 फरवरी 2026

क्रमांक / 76/ जनगणना 2027/स्था./ सर्वे :– मध्यप्रदेश शासन गृह (सामान्य) विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन, भोपाल HOM/32/0014/2025-Gen-02 (HOM) दिनांक 27.01.2026 एवं जनगणना कार्य निदेशालय का पत्र क्रमांक 1–11011/67/2026–DCO (MP)/Census-2027 भोपाल, दिनांक 29.01.2026 जारी निर्देशानुसार भारत की जनगणना 2027 कार्य के लिए जिला/चार्ज स्तर (ग्रामीण एवं नगरीय) पर तकनीकी सहायक /एम.टी.एस. कर्मियों को लगाये जाने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है. निविदा दिनांक 19.02.2026 से 06.03.2026 कार्यालयीन समय तक अधीक्षक कक्ष कलेक्ट्रेट रीवा के ड्राफ्ट बाक्स में डाला जा सकता है। इसके बाद प्राप्त निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जावेगा निविदा दिनांक 09.03.2026 को सायं 4:00 बजे गठित निविदा समिति द्वारा उपस्थित निविदाकर्ताओं के समक्ष खोली जावेगी। नमूने की विस्तृत जानकारी कार्यालय कलेक्ट्रेट एन.आई.सी. रीवा की वेबसाइट www.rewa.nic.in पर देखी जा सकती है।

(प्रतिभा पाल)
कलेक्टर
एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी
जिला रीवा (मध्यप्रदेश)

मध्य प्रदेश सरकार का बजट जनता के लिए कल्याणकारी : गुलाब साहनी

रीवा। मध्यप्रदेश शासन के मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने विधानसभा में प्रदेश का बजट पेश किया गया। यह बजट प्रदेश के प्रत्येक नागरिक के लिए हितकारी सिद्ध होने वाला है। प्रदेश में निवासरत युवा वर्ग, व्यापारी वर्ग, महिलाओं तथा किसानों सभी को ध्यान में रखते हुए बजट तैयार किया गया है। रीवा व्यापारी महासंघ के संस्थापक सदस्य एवं प्रभारी गुलाब साहनी ने बताया कि इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रावधान किए गए हैं। इससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह बजट दूरदर्शिता के साथ तैयार किया गया है और आने वाले समय में इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। प्रदेश निश्चित रूप से विकास के पथ पर अग्रसर होगा।

अटरा हत्याकांड : फरार 10 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

जागरण सतना। अटरा में हुए बहुचर्चित हत्याकांड के फरार 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक 26 दिसंबर 2025 को ग्राम अटरा महुहा हार खेत में पंकज सिंह द्वारा अपने परिजनों के साथ मिलकर द्वारिका सिंह प्रह्लाद सिंह बीरेन्द्र सिंह अंशू सिंह और राहुल सिंह के साथ रात करीब 10 बजे मारपीट की गई थी। इस घटना में चार लोग घायल हुए थे जबकि द्वारिका सिंह की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई थी। मामले में मर्ग कायम कर अपराध पंजीबद्ध किया गया और विवेचना शुरू की गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 29 दिसंबर को आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। घटना के तीन आरोपी फरार चल रहे थे जिन पर 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

फर्जी खाता खुलवाकर, लाखों का अवैध लेन-देन करने वाले गिरोह का भांडाफोड़

कोतवाली पुलिस ने 03 आरोपियों गिरफ्तार कर भेजा जेल, कब्जे से कई पासबुक, एटीएम व सिम बरामद

कटनी। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में श्रीमान अति. पुलिस अधीक्षक डा. संतोष डेहरिया, नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन में, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राखी पाण्डेय द्वारा फर्जी खाता खुलवाने वाले गिरोह का भांडाफो? करने में सफलता प्राप्त की गई। गिरोह के सदस्यों द्वारा अपने परिचित के लोगों को पैसों का लालच देकर उनका खाता खुलवाकर खाते से संबंधित दस्तावेज जैसे पासबुक, एटीएम और सिम अपने पास रख लेते थे और उनमें लाखों का अवैध लेन-देन हो रहा था जिसके बारे में खाताधारक को कोई जानकारी नहीं लग पाती थी। 17 को रबर फैक्ट्री रोड़ कटनी निवासी अभिषेक तोमर पिता अशोक कुमार तोमर द्वारा थाना कोतवाली कटनी में उपस्थित आकर रिपोर्ट लेख कराई कि इसका दोस्त योगेश सिंह ठाकुर निवासी जालपा वार्ड कटनी हाल शिवाजी नगर गली नं. 02 ने करीब 15 दिन पहले मेरे पास आकर बोला कि मुझे अपने बिजनेस के लिए बैंक अकाउण्ट की जरूरत है, यदि तुम मुझे अपना अकाउण्ट दोगे तो उसके बदले हर माह तुम्हें 10-15 हजार रूपये देता रहूंगा। जो मैंनें अपने दोस्त पर भरोसा करते हुए इलाहाबाद बैंक शाखा एन.के.जे. में अपना खाता खुलवाया। खाता खुलने के बाद योगेश सिंह ने मेरे खाते की पासबुक, एटीएम व एकाउण्ट से लिंक मोबाईल नंबर ले लिया। योगेश ने मुझे बोला कि मैं कोई गलत काम नहीं करूंगा खाते में केवल मेरे बिजनेस का पैसा आएगा जिससे तुम्हें भी कुछ आमदनी होती रहेगी। कुछ दिन बाद मुझे बैंक से जानकारी लगी कि मेरे खाते में कुछ ही दिनों में लाखों रूपये का लेन-देन हो रहा है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या : झाँसी-इन्जी0-ई-2026-29	अनुमानित लागत रु : 3486253.01
कार्य का नाम : इन-सितु वेल्डिंग ऑफ़ रेल्स बाय एल्युमीनो-थर्मिक प्रोसेस बाय सप्लाई ऑफ़ कॉन्ट्रैक्टर ओन आरडीएसओ एप्रूव्ड वेल्डिंग पोर्सन अंडर जूरिडिक्शन ऑफ़ सीनियर डीईएन/ईस्ट/झाँसी।	
अमानत राशि : 69700.00	निविदा बन्द होने की तिथि : 13.03.2026 at 15:00 hrs.
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 06 माह	

• निविदा दिनांक 13.03.2026 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। 363/26 (AS)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

मुरुम लोड कर जा रहा बिना नम्बर का डंपर जब्त

बिना टीपी गिट्टी का परिवहन करते वाहन भी पकड़ाया

जागरण सतना। बगैर टीपी के गिट्टी का अवैध परिवहन करते जहाँ वाहन जब्त किया गया है वहीं बिना नम्बर के डम्पर से मुरुम का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर दोनों वाहनों को खनिज विभाग द्वारा जब्त कर लिया गया है । यह कार्यवाही कलेक्टर के निर्देश व खनिज अधिकारी एचपी सिंह के मार्गदर्शन में खनिज निरीक्षक राकेश देशमुख द्वारा की गई है ।

ये है मामला

बताया जाता है कि खनिज निरीक्षक राकेश देशमुख द्वारा पहली कार्यवाही बुधवार की दोपहर सगमनिया मोड़ के पास की गई जहाँ पर बगैर टीपी के गिट्टी का अवैध परिवहन करते ट्रक जब्त किया गया । ट्रक क्रमांक एमपी 18 जीए 3656 को जब्त कर खनिज निरीक्षक ने बाबूपुर पुलिस चौकी में खड़ा कराया है । वही दूसरी कार्यवाही सिविल लाइन थाना क्षेत्र में की गई । यहां पर बिना नम्बर के डम्फर द्वारा मिट्टी मुरुम का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर उसे जब्त किया गया। खनिज निरीक्षक ने बिना नम्बर के डम्फर को सिविल लाइन थाना में खड़ा कराया है।

पश्चिम मध्य रेल
जबलपुर मंडल विज्ञापन

इस कार्यालय के पत्र कमांक पमरे/का. जबल/ईजी/947/Re-Employment/भाग–।। दिनांक 16/02/2026 के संदर्भ में मुख्य लोको निरीक्षक लेवल–7 के रिक्त पदों के विरूद्ध इच्छुक सेवानिवृत्त कर्मचारी/दिनांक 28/02/2026 तक सेवानिवृत्त होने वाले अराजपत्रित रेल कर्मचारियों से संविदा के आधार पर कार्य कराने जाने हेतु इस कार्यालय के समसंख्यक पत्र दिनांक 29/10/2025 द्वारा जारी अधिसूचना की कुछ शर्तो में संशोधन के साथ (पुनःनियोजन) का निर्णय लिया गया है, जिसके तहत दिनांक 28/02/2026 तक आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। 65 वर्ष की आयु तक पुनः नियोजन का प्रावधान हैं। मुख्य लोको निरीक्षक, लेवल–7 के रिक्त पदों पर सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों को संविदा आधार पर 30/06/2026 तक के लिए ही पुनर्नियोजित किया जावेगा। इस संबंध में विस्तृत अधिसूचना एवं जानकारी पश्चिम मध्य रेल की वेवसाइट (www.wcr.indianrailways.gov.in) पर भी उपलब्ध हैं।

(हस्ता.)
कृते मं.रे.प्रबं.(का.)
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

CHANGE OF NAME

I, Aneeta Pandey, resident of Patharoda Kala, Sirmauda Kalan, Rewa (M.P.), do hereby solemnly affirm and state that in the CBSE Class 10th and 12th mark sheets of my daughters Adarshita Devi Pandey and Subhdeepika Pandey, the mother's name (my name) has been wrongly recorded as Anita Pandey, which is incorrect. Whereas, my correct name is Aneeta Pandey. Therefore, it is requested that in the said documents of my daughters Adarshita Devi Pandey and Subhdeepika Pandey, the mother's name (my name) be read, written and treated as Aneeta Pandey for all purposes.

RN- 85304 — **Aneeta Pandey**

कार्यालय प्राचार्य, ठाकुर सोमेश्वर सिंह शासकीय महाविद्यालय, नईगढ़ी, जिला-मउगंज (म.प्र.)
07663-285172, e-mail: hegtsscnairew@mp.gov.in, www.gcnaigarhi.nic.in पिन कोड 486340

क्र. 179/2026 — नईगढ़ी दिनांक 19.02.2026

ई निविदा सूचना-प्रथम आमंत्रण

एतद द्वारा समस्त पंजीकृति फर्म/अधिकृति विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ठाकुर सोमेश्वर सिंह शासकीय महाविद्यालय नईगढ़ी वित्त वर्ष 2005–26 हेतु निम्नानुसार कॉलम में वर्णित समाग्रियों की आपूर्ति दरों की आवश्यकता है। जिस हेतु केन्द्रीय कृत प्रणाली में पंजीकृत आपूर्ति कर्ताओं से ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विज्ञापन https://www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध है।

क्र.	टेन्डर क्र.जारी दिनांक	आपूर्ति सामग्रीका विवरण	उपलब्ध बजट	निविदा की अंतिम तिथि
1	2026_HED_483879_1 19/02/2026	खेलकूद सामग्री	रूपये 3.5 लाख	05/03/2026

नोट– निविदा से संबंधित किसी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन की वेवसाइट पर ही किया जावेगा पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

प्राचार्य
ठा. सोमेश्वर सिंह शा. महाविद्यालय
नईगढ़ी, मऊगंज (म.प्र.)

नाम सुधार सूचना

मैं, अक्षत कुमार पाण्डेय, पुत्र श्री रजनीश कुमार पाण्डेय, निवासी 1266, वार्ड 10, यूनिवर्सिटी रोड, पारस नगर, रीवा, जिला रीवा (म.प्र.) विधिवत शपथपूर्वक घोषणा करता हूँ कि मेरी कक्षा 10वीं की CBSE अंकसूची में मेरे पिता का नाम "Rajneesh Kumar Pandey" अंकित है, जो कि त्रुटिपूर्ण है, मेरे कक्षा 12वीं की अंकसूची में मेरा नाम "Akshat Pandey" अंकित है, जो कि त्रुटिपूर्ण है, और मेरे B.Tech. की अंकसूची में मेरा नाम "Akshat Pandey" तथा मेरे पिता का नाम "Rajneesh Kumar Pandey" अंकित है, जो कि त्रुटिपूर्ण है। जबकि मेरा सही नाम Akshat Kumar Pandey एवं मेरे पिता का सही नाम Rajnish Kumar Pandey है, जो कि मेरे सभी अन्य शासकीय दस्तावेजों आधार कार्ड, पैन कार्ड आदि में अंकित है। उपरोक्त सभी नामों में अंतर केवल वर्तनी (Spelling) की त्रुटि के कारण है तथा यह दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। अतः निवेदन है कि भविष्य में मेरे एवं मेरे पिता के सही नाम "Akshat Kumar Pandey" ,व "Rajnish Kumar Pandey" दर्ज किया जाए एवं पढ़ा, लिखा व जाना जाए। यदि उपरोक्त कथन असत्य पाया जाता है तो मैं विधि अनुसार उत्तरदायी रहूँगा।

RN-83361 — अक्षत कुमार पाण्डेय

उत्तर मध्य रेलवे

क्रमांकः-झाँसी/डब्लू/टी/टेन्डर जरनल/27 — दिनांकः 17.02.2026

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या : झाँसी-इन्जी.-एन-2026-27, कार्य का नामः झाँसी डिवीजनः कंस्ट्रक्शन ऑफ़ रेन्ट रूम फॉर ट्रैक मशीन डिपो स्टाफ एट दतिया, अंतरी, ग्वालियर, सोनी एंड भिंड अंडर सीनियर डीईएन/नार्थ/झांसी।	
अनुमानित लागत : ₹ 4,01,99,968.80	अमानत राशि : ₹ 3,51,000.00
निविदा बन्द होने की तिथि : 13.03.2026 at 15:00 hrs.	
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 12 माह।	

(1) निविदा दिनांक 13.03.2026 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। (2) पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखे। 366/26 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला रीवा (म.प्र.)
क्रमांक 43/विशेष विवाह/2026
रीवा, दिनांक 09/02/2026

इश्तहार

आवेदक श्री रोहित घोष पिता श्री पंचम लाल घोष उम्र 32 वर्ष निवासी वर्माडांग खास, थाना व तहसील दिगौड़ा जिला टीकमगढ़ (म.प्र) एवं आवेदिका ज्योती वर्मा पुत्री श्री रामचरण वर्मा उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम पियरिया पोस्ट पटियारी थाना पनवार तहसील जवा जिला रीवा (म.प्र) के द्वारा उपस्थित होकर विशेष विवाह अधिनियम 1954 के अंतर्गत विवाह अनुष्ठान हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, आधार कार्ड की छाया प्रति, अंक सूची की छाया प्रति, निवास प्रमाण पत्र, एवं 100/– रूपए का चालान प्रस्तुत किया गया है जो विचाराधीन है। अतः उक्त विवाह अनुष्ठान के सम्बंध में जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति स्वतः अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि को उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
पेशी दिनांक: 17.03.2026

RN- 83772 — विवाह अधिकारी जिला रीवा (म.प्र.)

चेक अनादरण की सूचना

प्रति,
मदन मोहन पाण्डेय पिता उर्मिला प्रसाद पाण्डेय उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम छिरहटा पो. नीगा, थाना गोविन्दगढ जिला रीवा (म.प्र.)

आपके द्वारा मेरे पक्षकार मे. रामेष्ट कृपा महिन्द्र एण्ड महिन्द्रा प्रो. सज्जन सिंह परिहार को मार्जिन मनी के रूप मे भुगतान करने के लिए. 2,00,000/–रू. का चेक क्रमांक 910873 ई.यस.ए.एफ. स्माल फाइनेन्स बैंक लिमि. शाखा रीवा दिनांक 20.01.2026 को भुगतान हेतु दिया था, जो बैंक मे प्रस्तुत करने पर Funds In Sufficient की टीप अंकित कर दिनांक 22.01.2026 को अनादरित कर दिया गया है, जिसकी सूचना व्यक्तिगत एवं पंजीकृत डाक के माध्यम से आपको प्रेषित की जा चुकी है। अतः जरिये प्रकाशन आपको सूचित किया जाता है कि चेक मे लिखित राशि 2,00,000/– रू. का भुगतान 15 दिवस के अन्दर मेरे पक्षकार मे. रामेष्ट कृपा डीलर महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा प्रो. सज्जन सिंह पिता कुन्डलेश्वर सिह को करके पावती प्राप्त कर लेवे। अन्यथा वाद म्याद मेरा पक्षकार विधिक कार्यवाही करेगा, जिसके समस्त हर्जे खर्चे की जबावदारी आपकी होगी।

प्रार्थी
मे. रामेष्ट कृपा डीलर महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा प्रो. सज्जन सिंह
पिता कुन्डलेश्वर सिंह परिवार
स्थिति रतहरी वार्ड क्र0–15 रिंग रोड
रतहरा थाना समान जिला रीवा (म.प्र.)

द्वारा अधिवक्ता
मनोज कुमार द्विवेदी एड.
वशिष्ट कैम्पज समान रीवा म.प्र.
मो.नं.: 9424933136
RN- 85306

न्यायालय ओशी जैन द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड मऊगंज जिला रीवा (म.प्र.)
क्रमांक: 18 (सि.)/न्या./2026
मऊगंज दिनांक: 17.02.2026
विविध प्र.क्र. 02/2012
पेशी दिनांक 18.03.2026

श्रीमती समुद्री उर्फ जियनी ....आवेदिका
बनाम
रामदयावन वगैरह ....अनावेदकगण

आवेदिका समुद्री उर्फ जियनी द्वारा न्यायालय मे प्रकाशन के माध्यम से अनावेदकगण की तलबी वावत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रकरण की सुनवाई तारीख 18.03.2026 को 11.00 बजे दिन होगी यदि उस दिन अवकास घोषित हो जाता है तो आगामी कार्य दिवस में कार्यवाही होगी।

नोटिस के माध्यम से अनावेदकगण बालमुकुन्द तनय अवधराज शंकरदयाल तनय अवधराज जुगुनी पुत्री अवधराज तीनों निवासी ग्राम– बेलवा बड़गैयान ग्राम–पोस्ट बेलवा तह. सिरमौर जिला–रीवा (म.प्र.) सुषमा पुत्री नंदकुमार, रामवती पुत्री नंदकुमार, रामदरश तनय नंदकुमार, सुनीता पुत्री नंदकुमार, राजेश कुमार तनय नंदकुमार, शशिकला पुत्री नंदकुमार, मीरा पुत्री नंदकुमार, राजेन्द्र कुमार तनय अवधकिशोर, महेन्द्र कुमार तनय अवधकिशोर, रामभुवन तनय राजकुमार दुबे, श्यामा देवी पत्नी राजकुमार, धर्मेन्द्र तनय राजकिशोर ,धीरेन्द्र तनय राजकिशोर, बृजकिशोर तनय राजकिशोर, सविता पुत्री राजकिशोर, सरिता पुत्री रामकिशोर दुबे , संदीपना पुत्री राजकिशोर दुबे, ममता पुत्री राजकिशोर, सरोज पुत्री राजकिशोर, मुस. शकुन्तला पत्नी राम किशोर रामायण तनय चन्द्रशेखर, अम्बुजा प्रसाद तनय चन्द्रशेखर, मदनमोहन तनय चन्द्रशेखर, सत्यदेव तनय चन्द्रशेखर दुबे सभी निवासी ग्राम रजिगवां तहसील मऊगंज जिला मऊगंज (म.प्र.) श्रीमती किरण पुत्री चन्द्रशेखर पत्नी कृष्णकुमार निवासी ग्राम लोही तहसील गुढ जिला रीवा (म. प्र.) चन्द्रवती वेवा कृष्णदास नीरज पिता कृष्णदास सरिता पुत्री कृष्णदास रेनू पुत्री कृष्णदास रूचि पुत्री कृष्णदास सभी निवासी ग्राम नौढिया पो. सोनौरी तहसील त्यौथर जिला रीवा (म.प्र.) को सूचित किया जाता है कि वे पेशी दिनांक 18.03.26 को न्यायालय मे स्वयं, अभिकर्ता या अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। उपस्थित होकर अपना पक्ष न प्रस्तुत करने की स्थिति मे एकपक्षीय कार्यवाही की जायेगी।

आज दिनांक 17/02/2026 को न्यायालय की मोहर से जारी किया गया

आशी जैन
द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश महोदय
कनिष्ठ खण्ड मऊगंज,
जिला रीवा (म.प्र.)
RN- 83360

नाम सुधार सूचना

मै अल्पना श्रीवास्तव पत्नी श्री आलोक कुमार श्रीवास्तव उम्र 56 वर्ष निवासी के. सी 42 'शिल्पी ग्रींस बदरॉव तह. हुजूर जिला रीवा म.प्र. आधार नम्बर 756784748373 की हूँ तथा शपथ पूर्वक कथन करती हूँ कि शादी के पूर्व मेरा नाम अल्पना अम्बस्थ पुत्री श्री दिनेश्वर प्रसाद अम्बस्थ लिखा व जाना जाता था, लेकिन मेरी शादी आलोक कुमार श्रीवास्तव निवासी ग्राम बदरॉव जिला रीवा म. प्र. के साथ दिनांक 08/12/1993 को हो जाने के बाद मेरा नाम अल्पना श्रीवास्तव पत्नी श्री आलोक कुमार श्रीवास्तव निवासी ग्राम बदरॉव जिला रीवा के नाम से लिखा व जानी जाती हूं, जो मेरे आधारकार्ड मे अल्पना श्रीवास्तव लिखा हुआ है। अल्पना श्रीवास्तव एवं अल्पना अम्बस्थ एक ही व्यक्ति का नाम है। अतः मेरे शैक्षणिक दस्तावेजों एवं समस्त अभिलेखों में मेरा नाम अल्पना श्रीवास्तव अंकित किया जाए एवं पढ़ा, लिखा व जाना जाए।

RN-83770 — अल्पना श्रीवास्तव

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्याः झाँसी-इन्जी0-एन-2026-26 — दिनांकः 17.02.2026

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम : झाँसी डिवीज़नः- प्रोवीजन ऑफ़ आल बैलेंस फैसिलिटी फॉर दिव्यंगजन एट चितहारी हाल्ट, घुटाई, चरखारीरोड, बरिपुरा, रामपुर, खुरहंड, दुहरू, सीरी इटारा, भाद्रोली, सनीचरा, रेथोराकलां, मालनपुर, गोहद रोड, सोनी, असोखर, इतेहर, चिरुला, सोनागिर, सिथोली स्टेशन।	
अनुमानित लागत (रू): ₹ 51464252.50	अमानत राशि (रू): ₹ 407300.00
निविदा बन्द होने की तिथि: 12.03.2026 at 15:00 hrs.	
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 10 माह	

● निविदा दिनांक 12.03.2026 को 15.00 बजे तक आन लाईन जमा कर सकेगें।
● पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के बेवसाईट www.ireps.gov.in पर देखें। 365/26 (A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

CHANGE OF NAME

I, Hitherto Known As Bashmati Devi W/o Jagbhan Singh R/o Village And Post Lauwa, Laxman Pur, Distt.- Rewa, MP-486440, Have Changed My Name And Shall Hereafter Be Known As Basmati Devi.

it Is Certified That I Have Complied With Other Legal Requirements In This Connection.

RN- 85305 — **Basmati Devi**

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरुरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

आवश्यकता है

महिला रिसेप्सनिष्ट 01 पद इंग्लिश स्पीकिंग मस्ट, मार्केटिंग हेतु स्मार्ट युवक/युवतियों की आवश्यकता है। संपर्क करें:- होटल विजय विलास के पास, गड़रिया रीवा (म.प्र.) मो.-9424983719, 9755667183
RN-83168 (21/2)

किराए से/ बेचना है

ट्रांसपोर्ट नगर (बस स्टैण्ड) रीवा में दो तरफ रोड़ से लगी दुकान एवं गोदाम किराये से/ बेचना है। कृषि यंत्र एवं सरिया सीमेंट के लिए उपयुक्त, एरिया 7200 वर्गफिट संपर्क करें:- 9425830072
RN-85303 (22/2)

राम श्याम वर वधु केन्द्र
डायरेक्टर-अम्बरीश उपाध्याय
मोबा. 7021777625, 9987606771
हमारे यहाँ सभी प्रकार के रिश्ते कराये जाते हैं-तलाकसुदा, विधुर, सर्विसमेन, बिजनेसमेन, गर्वमेन्ट, एम्प्लायी, मांगलिक, नॉन मांगलिक, कुण्डली मिला के करवाये जाते हैं। पता-वार्ड नं. 4, निर्मल नगर के सामने, मंगलम् मैरिज गार्डन के बगल में चोरहटा रीवा (म.प्र.) 486006
RN-83161(28/2)

लोन
लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओरसे एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या : झाँसी-इन्जी0-एन-2026-28	अनुमानित लागत रु : 37638417.53
कार्य का नाम : शिफ्टिंग ऑफ़ ओएचई डिपो एंड टावर वैगन साइडिंग फ्रॉम धौलपुर टू मुरैना फॉर बेटर मोबिलिटी ऑफ़ टावर बैगन/स्टाफ।	
अमानत राशि : 338200.00	निविदा बन्द होने की तिथि : 16.03.2026 at 15:00 hrs.
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह	

• निविदा दिनांक 16.03.2026 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। 367/26 (C)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या-230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई-टेण्डर/2026/618 — दिनांकः 17.02.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विधुत अभियन्ता/क0वि0/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार हैः-

निविदा सं0: 230-क0वि0-कार्य ठेका-1007-2026	
कार्य का विवरणः प्रयागराज मंडल के सिराथू (SRO) स्टेशन पर पुराने एफओबी को 6.10 मीटर नए एफओबी से बदलने और कनवार (KUW) और सुजातपुर (SJT) स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म को ऊंचा करने के कारण 25 केवी ओएचई में संशोधन का कार्य।	
अनुमानित लागतः रु. 1,03,02,269.57	बिड सुरक्षा राशिः रु. 2,01,500.00
कार्य अवधिः 12 महीना	बोली प्रणालीः एक पैकेट
निविदा बन्द होने की तिथि तथा समयः 10.03.2026, 14:00 बजे	
निविदा खुलने की तिथि तथा समयः 10.03.2026, 15:00 बजे	

नोटः- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 378/26 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

मंत्रियों के इस्तीफे पर अड़ा विपक्ष, गर्भगृह में धरने पर बैठा, दूषित पानी पर किया हंगामा

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में गुरुवार को जमकर हंगामा हुआ। भागीरथपुरा दूषित पानी और छिंदवाड़ा में कफ सिरप से हुई मौतों पर दो मंत्रियों के इस्तीफे को लेकर कांग्रेसी विधायक आसंदी के सामने धरने पर बैठ गए। स्पीकर नरेन्द्र सिंह तोमर ने दूषित पानी के मामले पर सदन में शुक्रवार को चर्चा कराने का आश्वासन दिया।जिसके बाद गतिरोध समाप्त हुआ।

सदन में प्रश्नकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष के भागीरथपुरा दूषित पानी मामले से जुड़े सवाल पर गतिरोध शुरु हुआ,जो दोपहर तीन बजे तक जारी रहा। इस दौरान आसंदी को 6 बार सदन की कार्यवाही को स्थगित करना पड़ा। नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों के मामले पर चर्चा नहीं करना चाहती है। यह बेहद गंभीर विषय है लेकिन सरकार इससे बचने की कोशिश कर रही है। विपक्ष जनता की आवाज लगातार उठाता रहेगा है और जिम्मेदार मंत्री के इस्तीफे की मांग करता रहेगा। उनका कहना है कि सरकार केवल कुछ अधिकारियों पर कार्रवाई कर मामले को दबाने की कोशिश कर रही है जबकि असली जिम्मेदारों पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि इंदौर की घटना ने प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं और सरकार को इस पर खुलकर चर्चा करनी चाहिए। चर्चा के दौरान मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस को अपने शासनकाल का बजट देखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय जो बजट था, उसकी तुलना में आज मोहन सरकार में बजट कई गुना बढ़ चुका है। दिग्विजय सिंह के कार्यकाल में न बिजली थी, न पानी और सड़कों की हालत बेहद खराब थी। जबकि आज प्रदेश में बेहतर सड़कें, पानी, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और मेडिकल कॉलेज जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस विकास पर नहीं, बल्कि रातभर सरकार की आलोचना की तैयारी में जुटी रहती है। भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि राजनीति में अगर नैतिकता का पतन किया है तो कांग्रेस ने किया है । उसके हाथ हमेशा खून में सने रहे हैं । दुनिया की सबसे बड़ी गैस त्रासदी भोपाल में हुई थी और अर्जुन सिंह उस वक्त मुख्यमंत्री थे तब किसी ने इस्तीफा नहीं दिया और न ही तबकी सरकार भंग नहीं हुई थी। इसी तरह महाकाल के गर्भ ग्रह में 34 लोगों की कुचलकर मौत हुई तब दिग्विजय सिंह मुख्यमंत्री थे तब किसी ने भी कोई इस्तीफा नहीं दिया और अफसोस जाहिर भी नहीं किया । कर्नाटक में पानी से लोगों की मौतें हुई तब किसी ने इस्तीफा नहीं दिया और न अफसोस जाहिर किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने इंदौर मामले में मानवता के नाते कार्रवाई की और अधिकारियों को सस्पेंड किया और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने खुद संज्ञान लेकर के बड़ी कार्रवाई की है और पूरे प्रदेश में स्वच्छ जल देने के लिए सरकार ने अपने प्रबंधन और सख्त किए है। भाजपा की सरकारें हमेशा से ही मानवता के हिसाब से काम करती है। इधर सदन में हंगामे को लेकर परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने विपक्षी दल कांग्रेस को कठघरे में खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा कि यह सदन बहुत महत्वपूर्ण है और विधायक की सबसे बड़ी ताकत अपने प्रश्न काल रखने के वक्त की होती है और यह अपनी ताकत को नष्ट करने जैसा है स्वयं को नष्ट करने जैसा है। उन्हें संविधान में मिले इस अधिकार का उपयोग करना चाहिए ।

हंगामे के बीच सात बार स्थगित हुई विधानसभा

सात बार सदन हुआ स्थगित

इससे पहले विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही सात बार स्थगित करनी पड़ी। कांग्रेस इंदौर के भागीरथपुरा के दूषित पानी मामले में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और छिंदवाड़ा के परसिया में कफ सिरप मामले को लेकर उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला के इस्तीफे की मांग पर अड़े। जिससे दोनों पक्षों के बीच बहस हुई। कांग्रेसी विधायकों ने सदन में गर्भगृह के पास धरना भी दिया। जिससे सदन की कार्यवाही प्रभावित हुई। प्रश्नकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष सिंघार के भागीरथपुरा में दूषित पानी से जुड़े सवाल से शुरु हुआ और लगभग साढ़े तीन बजे तक जारी रहा। इस बीच सदन में ध्यानाकर्षण भी लाए गए और दूसरे काम भी गतिरोध के बीच जारी रहे।

स्पीकर ने चर्चा कराने पर दी सहमति

इस पूरे मामले का पटाक्षेप स्पीकर नरेन्द्र सिंह तोमर ने हस्तक्षेप कर किया। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष और विपक्षी सदस्यों को भरोसा दिलाया कि भागीरथपुरा दूषित पानी मामले में शुक्रवार को सदन में चर्चा कराई जाएगी। इस पर विपक्ष के सदस्यों ने सदन की कार्यवाही में भाग लिया।

विश्नोई ने अपनी ही सरकार को घेरा

सदन में गुरुवार को वरिष्ठ विधायक अजय विश्वनोई ने अपने ध्यानाकर्षण पर सरकार को घेरा। उन्होंने जबलपुर में नर्मदा होने के बावजूद जल संकट का मामला सदन में उठाया। इस पर नगरीय विकास और आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि जबलपुर में पेयजल व्यवस्था को लेकर योजनाएं जारी हैं। पानी की सप्लाई की जा रही है। इस पर विश्वनोई ने कहा कि मंत्री जी को जानकारी कम है। पुरानी योजना और प्लानिंग पर काम ही शुरु नहीं किया गया। जिससे जबलपुर का विकास बाछित हो रहा है। तब मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि डबल सिस्टम से पानी दिया जा रहा है। इतना ही नहीं वहां मांग से 28 प्रतिशत पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। इस पर विश्वनोई ने एतराज जताया। आसंदी के हस्तक्षेप के बाद विश्वनोई ने अपनी बात समाप्त की।

नक्सल मुक्त बना मप्र और प्रति व्यक्ति की आय भी बढ़ी : सीएम

राज्यपाल के अभिभाषण पर सीएम ने किया धन्यवाद ज्ञापित

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य है,जहां रोलिंग बजट की अवधारणा अवधारणा विकसित हुई है। हमारी सरकार का बजट ज्ञान से ज्ञानी बनने की विकास यात्रा का प्रतीक है ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार की शाम को विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद भाषण दे रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के प्रयासों का ही नतीजा है कि हमने मध्यप्रदेश को नक्सल मुक्त बनाया है,तो प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 1.69 लाख रूपए हुई । इतना ही नहीं 4 लाख 38 हजार 317 करोड़ रूपए का रोलिंग बजट बनाया गया है। जो कि प्रदेश की आर्थिक समृद्धि विजन डॉक्यूमेंट हैं। बजट में आत्मनिर्भर एवं विकसित मध्यप्रदेश की साफ झलक दिखाई देती है । सीएम ने कहा कि म.प्र. में हर क्षेत्र में विकास हुआ है,जिससे मध्यप्रदेश में बेरोजगार दर देश में सबसे कम है।

सरकार नारी कल्याण के लिए मिशन मोड पर काम रही है। हम सभी जनजातियों के विकास के लिए हमेशा साथ खड़े है। उन्होंने कहा कि इसी साल से मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा प्रारंभ होगी और एम्स की तर्ज पर आयुर्वेद का अखिल भारतीय संस्थान मध्यप्रदेश को मिल रहा है। सीएम ने कहा कि हमारी सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 4 लाख 38 हजार 317 करोड़ रूपए का बजट प्रस्तुत किया है। यह एक रोलिंग बजट है, जिसमें आगामी वर्षों की कार्ययोजना भी समाहित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ज्ञान (गरीब, युवा, नारी और किसान) का मंत्र दिया था, हमने उसमें आई फॉर इंडस्ट्रियलाइजेशन और आई फॉर इंफ्रास्ट्रक्चर को जोड़कर ज्ञानी यानी (ज्ञानी) बनाया है। मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था पर अपनी बात रखते हुए कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था एक बार फिर मजबूत, संतुलित और भविष्योन्मुखी है। हमारी सरकार ने मध्यप्रदेश के इतिहास का सबसे बड़ा और दूरदर्शी बजट प्रस्तुत किया है। यह 4 लाख 38 हजार 317 करोड़ रूपए की वह आधारशिला है, जिस पर 2047 के स्वर्णिम मध्यप्रदेश की भव्य इमारत खड़ी होगी। मध्यप्रदेश देश का वह पहला राच्य बना है, जिसने च्रोलिंग बजट की साहसी और दूरदर्शी पहल की है। राज्यपाल के भाषण पर कृतज्ञता व्यक्त कर सदन के सदस्यों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का जवाब देते हुए कहा कि गत वर्ष हमने आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में इतिहास रचा है। तय सीमा से पहले मध्यप्रदेश ने लाल सलाम को आखिरी सलाम किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में 31 मार्च की डेड लाइन से पहले ही मध्यप्रदेश में 35 वर्षों से चली आ रही नक्सलवाद की समस्या का पूर्णतः खात्मा कर दिया गया है। वर्ष 2025 में 10 नक्सलवादी मुठभेड़ों में मारे गए और 13 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। इससे प्रभावित क्षेत्रों में भय का वातावरण समाप्त हुआ और विकास के नए द्वार खुले। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पिछला वर्ष स्वास्थ्य सुदृढ़किरण की दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ है। प्रदेश में पीपीपी मॉडल पर नए मेडिकल कॉलेजों का भूमिपूजन कर चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को नई दिशा दी गई है।

हाथ में थाली ले कांग्रेस विधायकों ने किया प्रदर्शन

नेता प्रतिपक्ष ने कहा सरकार जनता को कर रही गुमराह

विशेष संवाददाता, भोपाल। गुरुवार को कांग्रेस विधायक दल ने सदन शुरु होने से पहले परिसर में जमकर हंगामा किया। कांग्रेस ने सरकार पर जनता को गुमराह करने और झूठे व खोखले वाद करने का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। इस मौके पर विधायक थाली लिए हुए थे,जिसमें ख्याली पुलाव लिखा हुआ था। विधानसभा परिसर स्थित गांधी प्रतिमा के सामने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की अगुवाई में विधायक दल ने प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार केवल घोषणाओं और दावों के सहारे चल रही है, जबकि जमीनी स्तर पर हालात बिल्कुल अलग हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने नौकरियों की अनेक घोषणाएं कीं, लेकिन पिछले दो वर्षों से भर्तियां नहीं हो पा रही हैं, जिससे बेरोजगार युवाओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। युवाओं को रोजगार के नाम पर केवल आश्वासन और 'ख्याली पुलाव' परोसा जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार द्वारा लाड़ली बहनों को 3000 रुपये प्रतिमाह देने का वादा किया गया, लेकिन उन्हें भी सिर्फ इंतजार और आश्वासन ही मिल रहा है। आम जनता बिजली बिलों की मार से परेशान है, जबकि सरकार राहत के दावे कर रही है। यह भी केवल घोषणाओं तक सीमित है। स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रदेश के अस्पतालों में न तो पर्याप्त डॉक्टर हैं और न ही दवाइयों की उपलब्धता, जबकि सरकार हर जगह समुचित व्यवस्था होने का दावा करती है। सिंघार ने कहा कि इसी तरह किसानों को खाद और बीज के लिए परेशान होना पड़ रहा है, लेकिन सरकार उन्हें भी खुशहाली के सपने दिखा रही है। उन्होंने ओबीसी वर्ग को 27प्रतिशत आरक्षण के मुद्दे पर भी सरकार को घेरते हुए कहा कि इस विषय पर भी केवल आश्वासन दिया गया है, ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था चरमराई हुई है, लेकिन सरकार वास्तविक समस्याओं के समाधान के बजाय घोषणाओं का सहारा ले रही है और जनता को ख्याली पुलाव बांट रही है। सिंघार ने कहा कि यह केवल एक राजनीतिक प्रदर्शन नहीं, बल्कि प्रदेश की जनता की आवाज है। यह उनके अधिकार, सम्मान और भविष्य की लड़ाई है। कांग्रेस पार्टी जनता से जुड़े हर मुद्दे पर संघर्ष जारी रखेगी और विधानसभा से लेकर सड़क तक उनकी आवाज बुलंद करती रहेगी।

जापान की कंपनी जायका ने ली बैठक

भोपाल। जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जायका) द्वारा प्रदेश के ट्रांसमिशन नेटवर्क की सुदृढ़ीकरण के लिये मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी को दिये गये जायका-दो लोन से हुये कार्यों की समीक्षा के लिये मुख्यालय शक्तिभवन जबलपुर में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में जायका, जापान की इवैल्यूएटर हिसाए ताकाहाशी एवं जायका के भारतीय प्रतिनिधि कुनाल गुप्ता ने जायका वित्त पोषित विभिन्न कार्यों में एमपी ट्रांसको द्वारा अपनायी गई तकनीकी एवं वित्तीय प्रबंधन के बारे में जानकारी प्राप्त की।जायका टीम ने लोन समझौते की शर्तों में शामिल पारेषण हानि को कम करने के प्रभावी क्रियान्वयन की सराहना करते हुए कहा कि वर्ष 2013 में 2.82 प्रतिशत रही पारेषण हानि को वर्ष 2024-25 में घटाकर 2.60 प्रतिशत तक लाना एक बड़ी उपलब्धि है। टीम द्वारा जायका वित्त पोषित परियोजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश में एमपी ट्रांसको द्वारा किये गये विभिन्न कार्यो का निरीक्षण कर विस्तृत तकनीकी एवं वित्तीय समीक्षा की रिपोर्ट निर्धारित प्रश्नावली में प्रस्तुत की जाएगी।एमपी ट्रांसको द्वारा मानीटरिंग एवं प्रोजेक्ट पूर्णता रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद जायका द्वारा रेटिंग दी जायेगी ।

सदन में दिखनी चाहिए सत्ता पक्ष की एकता

भाजपा विधायक दल की बैठक में नेतृत्व ने तय की सदन के दौरान पार्टी गाइडलाइन

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा विधायक दल की बैठक में संगठन के वरिष्ठ नेताओं ने इस बात पर एतराज जताया कि कई विधायक सत्ता पक्ष के खिलाफ ऐसे मुखर होते है,जैसे कि वे स्वयं विरोधी दल के है। सदन में सत्ता पक्ष की एकता दिखाई देनी चाहिए। नेताओं ने कहा कि कई विधायक वरिष्ठ नेतृत्व के कामकाजों का प्रचार -प्रसार करने में काफी पीछे रहते है।

मुख्यमंत्री निवास में देर शाम हुई भाजपा विधायक दल की बैठक में वरिष्ठ नेताओं ने इस बात पर नाराजगी जताई कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात हो या दूसरे कार्यक्रमों को कई विधायकों द्वारा अपने क्षेत्रों में प्रचार प्रसार नहीं किया जा रहा है। ऐसे में लोगों तक प्रधानमंत्री और केन्द्र सरकार द्वारा कराए जा रहे कार्यो और उनकी योजनाओं की जानकारी अंतिम छोर तक नहीं पहुंच पा रही है। उन्होंने कहा कि विधायकों को इस बात को अपनी आदत में शुमार करना होगा। जानकारी की माने तो बैठक में मौजूद प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कुछ विधायकों द्वारा विधानसभा सदन में सरकार के खिलाफ मुखर होने की बात कही। उन्होंने कहा कि इससे बाहर गलत संदेश जाता है। सदस्यों का संवैधानिक अधिकार है,कि वे मामले को उठाए,लेकिन उनके आचरण से ऐसा बिल्कुल नहीं लगना चाहिए कि वे सरकार के कार्यो से खुश नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें यह संदेश देना है कि पूरा सत्ता पक्ष एक जुटहोकर काम कर रहा है। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधि संगठन और सरकार के समन्वय को और मजबूत बनाने की दिशा में काम करें। इसके लिए विधायक अपने-अपने क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं के साथ नियमित तौर पर संवाद स्थापित करें,विशेष रुप से बूथ स्तर पर सक्रिय संपर्क बनाएं रखें,ताकि संगठन की ताकत और जनविश्वास दोनों सुदृढ़ हो। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विकासात्मक कार्यो को सर्वोच्च प्राथमिकता दें रही है। जनता से जुड़ी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है।ष उन्होंने कहा कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यो की विधायकों द्वारा नियमित तौर पर समीक्षा करनी चाहिए और जहां आवश्यकता हो,वहां त्वरित निर्णय लेकर कार्यो को गति दी जाए। सीएम ने कहा कि जनहितैषी योजनाएं ही भाजपा सरकार की पहचान है। बैठक को विधायक एवं प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ,क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने भी संबोधित किया और विधायकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

नृत्य समारोह आज से

भोपाल। विश्वविख्यात मंदिर की पृष्ठभूमि में आयोजित होने वाला 52वां अंतर्राष्ट्रीय खजुराहो नृत्य समारोह इस वर्ष भी भारतीय शास्त्रीय नृत्य की विविध शैलियों का अद्भुत संगम प्रस्तुत करेगा। इस 7 दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव में देश-विदेश के ख्यातिप्राप्त कलाकार अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। समारोह में भरतनाट्यम, कथक, ओडिसी, कुचिपुड़ी, मणिपुरी और मोहिनीअट्टम जैसी प्रमुख शास्त्रीय शैलियों की प्रस्तुति दी जाएगी। प्राचीन मंदिरों की भव्यता और प्रकाश सज्जा के बीच कलाकारों की अभिव्यक्ति भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा को जीवंत करेगी। हर वर्ष की तरह इस बार भी देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक और कलारसिक शामिल होंगे।

बंगला घेराव करने जा रही कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प

ठेले पर स्कूटी और सिलेंडर लेकर कर रही थीं विरोध

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राजधानी के लिंक रोड पर गुरुवार को महिला कांग्रेस की कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच जमकर झड़प हुई। सरकार द्वारा बुधवार को पेश किए गए बजट के खिलाफ हल्ला बोलने और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के बंगले का घेराव करने के लिए ये कार्यकर्ता सड़कों पर उतरी थीं। इस दौरान पुलिस द्वारा महिलाओं को जब रोका गया, तो कार्यकर्ता बैरिकेड्स पर चढ़ गईं। इस दौरान पुलिस और महिला कार्यकर्ताओं के बीच जमकर विवाद भी हुआ। अंत में ये महिलाएं पुलिस अधिकारियों को ज्ञापन सौंपने के बाद लौट गईं। महिला कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि बजट में संशोधन कर महंगाई से राहत नहीं दी गई, तो यह आंदोलन और उग्र होगा। इस दौरान महिला कांग्रेस की अध्यक्ष रीना बोरासी ने दावा किया कि यह प्रदर्शन कोई राजनीति नहीं, बल्कि रसोई की लड़ाई है।

पुतला फूंकने का किया प्रयास

प्रदर्शन के कार्यकर्ताओं ने वित्त मंत्री का पुतला फूंकने की कोशिश की, जिसे पुलिस ने बलपूर्वक रोक दिया। इस विवाद के कारण पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच काफी धक्का-मुक्की और झड़प भी हुई। जब पुलिस और जिला प्रशासन महिलाओं को समझाने पहुंचा, तो कार्यकर्ताओं ने दो टूक कहा कि भले ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाए, लेकिन वे मंत्री के घर जाकर ही रहेंगी। पुलिस ने इन्हें आगे बढ़ने से रोका तो महिलाएं सड़क पर ही धरना देकर बैठ गईं। प्रदर्शन में छोटे बच्चे भी हाथों में तख्तियां लेकर शामिल हुए।

रेसीडेंसी कोठी की किचन में गंदगी राज्यपाल हुए नाराज, नहीं किया भोजन

मुख्य संवाददाता, भोपाल। इंदौर में रेसीडेंसी कोठी में ठहरे मंगुभाई पटेल को यहां अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ा। गंदी बेडशीट, रसोई में गंदगी और ठंडी चाय मिलने पर राच्यपाल ने नाराजगी जताई और भोजन करने से इनकार कर दिया। उन्होंने एयरपोर्ट पर भोजन करने की बात कही। राज्यपाल देवी पिछले मंगलवार को अहिल्या विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होने इंदौर आए थे। इसी दौरान यह वाकया हुआ। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह ही राच्यपाल के एडीसी नरेंद्र रावत और अधिकारी विपुल शाह ने रसोई का निरीक्षण किया। इस दौरान किचन में

गंदगी के साथ कॉकरोच और कीड़े पाए गए। यहां गंदे बर्तनों के ढेर के साथ सड़े आलू और छिलके पड़े थे। इसी रह पैंट्री और फ्रिज की जांच में भी अव्यवस्था मिली। दोनों ने इसकी जानकारी राच्यपाल को दी, जिसके बाद उन्होंने कोठी में भोजन नहीं किया। गौरतलब है कि रेसीडेंसी कोठी इंदौर का सरकारी वीआईपी गेस्ट हाउस है, जहां सभी वीवीआईपी को ठहराया जाता है।

पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा के फिजिकल टेस्ट की तारीख बदली

4 के बजाय 14 मार्च को होगी परीक्षा

मुख्य संवाददाता, भोपाल। पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) ने आरक्षक भर्ती परीक्षा 2025 के दूसरे चरण की तारीख में बदलाव किया है। होली के त्यौहार को देखते हुए 4 मार्च को होने वाली शारीरिक दक्षता परीक्षा की तारीख में फेरबदल किया गया है। जारी सूचना के अनुसार, 3 और 4 मार्च को होली का पर्व होने के कारण परीक्षा कार्यक्रम में संशोधन किया गया है। पीएचक्यू की चयन एवं भर्ती शाखा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, जिन उम्मीदवारों का शारीरिक दक्षता एवं दस्तावेज परीक्षण 4 मार्च को होना था, अब उनकी परीक्षा 14 मार्च को होगी। हालांकि, इन सभी का केंद्र यथावत रहेगा।

इन तारीखों पर अवकाश

पीएचक्यू ने साफ किया है कि भर्ती प्रक्रिया के दौरान 2 मार्च, 3 मार्च, 4 मार्च और 8 मार्च 2026 को परीक्षा का अवकाश रखा गया है। इन तारीखों को छोड़कर शेष कार्यक्रम पहले की तरह ही संचालित होगा। गौरतलब है कि पुलिस आरक्षक की लिखित परीक्षा में सफल हुए विद्यार्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा 23 फरवरी से 13 मार्च तक प्रस्तावित थी, जो अब 14 मार्च तक चलेगी। तय कार्यक्रम के अनुसार चयनित परीक्षार्थियों को शारीरिक दक्षता और दस्तावेज सत्यापन के लिए तय तारीख पर सुबह 6 बजे केंद्र पर उपस्थित होना है। पीएचक्यू के मुताबिक, भर्ती से जुड़ी किसी भी नई जानकारी या अपडेट के लिए परीक्षार्थी पुलिस या कर्मचारी चयन मंडल की वेबसाइट से भी जानकारी ले सकते हैं।

अनदेखी विकलांग आरक्षण की अनदेखी, सुप्रीम और हाईकोर्ट में प्रकरण विचाराधीन

फिर भी प्रोफेसरों की परिवीक्षा अवधि खत्म करने की तैयारी

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय में शुक्रवार को कार्यपरिषद की बैठक रखी गई है। यह बैठक विवि से दूर दंत्तोपंत ठेंगडी शोध संस्थान में रखी गई है। बैठक दोपहर तीन बजे से शुरु होगी। बैठक का एजेंडा चार बिंदुओं पर टिका हुआ है। इसमें सबसे पहले 13 असिस्टेंट प्रोफेसर की परिवीक्षा समाप्त करने पर निर्णय लिया जाएगा। जुलाई में हुई बैठक में उक्त प्रोफेसरों की परिवीक्षा समाप्त करने का मुद्दा बैठ में रखा गया था। तब ऐसे आरोप विश्वविद्यालय पर लगाए जा रहे थे कि उक्त भर्तियों में न केवल विकलांगों के लिए आरक्षित पदों की अनदेखी की गई, बल्कि संविधान द्वारा निर्धारित रोस्टर व्यवस्था का भी पालन नहीं किया गया। यह मामला वर्तमान में उच्च न्यायालय में विचाराधीन है, जिसके याचिकाकर्ता राहुल रंजन हैं। यहां तक एजेंडे में बताया गया है एक प्रकरण सुप्रीम कोर्ट में विचारणीय बना हुआ है। इसके बाद भी उक्त प्रोफेसरों की परिवीक्षा अवधि समाप्त करने के लिए बैठक का आयोजन किया जा रहा है। तीन वर्ष पूर्व तत्कालीन कुलगुरु खेमसिंह डेहरिया के कार्यकाल में उक्त नियुक्त हुई थीं। 13 असिस्टेंट प्रोफेसर की परिवीक्षा अवधि समाप्त करने उन्होंने भी काफी

प्रयास किए, लेकिन मामला सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में विचारणीय होने के अलावा लोक भवन की आपत्ति आने के कारण अंतिम निर्णय नहीं हो सके हैं। अब कुलगुरु देव आनंद हिंडोलिया बैठक में प्रस्ताव पारित कराकर प्रोफेसरों को परिवीक्षा अवधि खत्म कराकर उन्हें नियमित करने की कार्रवाई करेंगे। इससे न केवल न्यायालय की प्रक्रिया का उल्लंघन होगा, बल्कि विकलांग वर्ग के साथ हुए अन्याय को भी स्थायी रूप दे देगा। इस संबंध में पूर्व में एक याचिकाकर्ता ने राज्यपाल मंगुभाई पटेल को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि वे इस संवेदनशील मामले में हस्तक्षेप करें और न्यायालय के अंतिम निर्णय तक असिस्टेंट प्रोफेसर की परिवीक्षा अवधि समाप्त नहीं की जाए और विवि में होने वाली अनियमितताओं पर रोक लगाएं।

हाईकोर्ट में लगी याचिका

पत्र में यह भी उल्लेखित किया गया है कि स्वयं याचिकाकर्ता ने विकलांग आरक्षण की अनदेखी के मुद्दे पर उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की है। इस पूरे प्रकरण ने प्रदेश में विकलांग अधिकारों की स्थिति और विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

झारिया को मिलेगी जिम्मेदारी

प्रो एलपी झारिया लंबे समय तक भोज मुक्त विश्वविद्यालय में प्रतिनियुक्ति पर रहने के बाद अब हिंदी विवि में प्रतिनियुक्ति पर भेजे गए हैं। ईसी में उन्हें समाज शास्त्र विभाग में विभागाध्यक्ष का प्रभार देने का निर्णय लिया जाएगा। इसके अलावा वित्त समिति में ईसी के तीन सदस्यों को शामिल किया जाएगा।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में शामिल होंगे सीएम

विसं भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार 20 फरवरी को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 में शामिल होंगे। समिट में वे उच्च-स्तरीय पैनल से चर्चा करेंगे। इसमें राज्य स्तर पर एआई के उपयोग से आर्थिक विकास को गति देने, डिजिटल सुशासन को सशक्त बनाने और मजबूत अवसंरचना विकसित करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

डॉ. यादव एआई कंप्यूटिंग, सायबर सुरक्षा संरचना, क्लाउड इको सिस्टम, जनरेटिव एआई एकीकरण और डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में अग्रणी प्रमुख वैश्विक तकनीकी कंपनियों के साथ वन टू वन बैठक भी करेंगे। बैठक में एडवांस्ड सेमीकंडक्टर ऐक्सीलरेशन, क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा सेंटर और सॉवरेन एआई मॉडलिंग जैसे विषयों पर विचार-विमर्श होगा।

संक्षिप्त समाचार

गलगोटिया की प्रोफेसर अब तलाश रही हैं काम

नई दिल्ली, जेएनएन। गलगोटिया यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर नेहा सिंह, जिन्होंने एक चीनी रोबोटिक डॉग को यूनिवर्सिटी का इन्वेंशन बताया था, अब नई नौकरी की तलाश में हैं। उन्होंने अपने लिंक्डइन प्रोफाइल पर 'ओपन टू वर्क' स्टेटस अपडेट किया है। विवाद सामने आने के बाद सरकार ने यूनिवर्सिटी को इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से बाहर कर दिया। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने पूरे मामले के लिए प्रोफेसर को जिम्मेदार ठहराते हुए माफी जारी की। बयान में कहा गया, 'हमारी एक प्रतिनिधि को सही जानकारी नहीं थी।'

गगनयान मिशन

क्वालिफिकेशन टेस्ट ड्रोग पैराशूट का सफल

चंडीगढ़, जेएनएन। भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान के लिए ड्रोग पैराशूट का क्वालिफिकेशन लेवल लोड टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इस परीक्षण में पैराशूट पर अधिकतम संभावित उड़ान भार से भी ज्यादा लोड डालकर उसकी मजबूती और सुरक्षा मार्जिन की जांच की गई। इस सफलता के साथ यह प्रमाणित हो गया है कि भारत बड़े और मजबूत रिबन पैराशूट को डिजाइन और विकसित करने में सक्षम है। साथ ही, यह भी सुनिश्चित हुआ कि पैराशूट वास्तविक मिशन जैसी कठिन परिस्थितियों में सुरक्षित और प्रभावी ढंग से काम करेगा। गगनयान मिशन में अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाने के लिए ड्रोग पैराशूट अहम भूमिका निभाता है। जब क्रू मॉड्यूल वायुमंडल में प्रवेश करता है, तब इसकी गति बेहद तेज होती है।

सर्वर डाउन, एयरपोर्ट्स पर लगी लंबी कतारें

नई दिल्ली, जेएनएन। नेविटेयर पैसेंजर सर्विस सिस्टम में आई तकनीकी खराबी के कारण गुरुवार सुबह दिल्ली और मुंबई सहित देश के कई बड़े एयरपोर्ट्स पर उड़ानों का संचालन प्रभावित हो गया। सर्वर डाउन होने से यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ा और चेक-इन प्रक्रिया बाधित रही। दिल्ली एयरपोर्ट पर यह समस्या सुबह 6.45 बजे से 7.30 बजे के बीच रही। इस दौरान इंडिगो, अकासा एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस जैसी एयरलाइंस का कामकाज प्रभावित हुआ। सर्वर ठप होने के कारण एयरलाइंस स्टाफ को यात्रियों का डेटा कागजों पर मैनुअल तरीके से दर्ज करना पड़ा। इससे चेक-इन काउंटरों पर लंबी कतारें लग गईं और प्रस्थान क्षेत्र में भीड़ बढ़ गई। कई यात्रियों ने घंटों इंतजार करने की शिकायत की। मुंबई एयरपोर्ट पर भी स्थिति इसी तरह की रही, जहां बोर्डिंग और चेक-इन प्रक्रिया में देरी के कारण यात्रियों को असुविधा उठानी पड़ी।

2027 तक दोगुनी होगी भारत की एआई वर्कफोर्स

6.5 लाख से बढ़कर हो जाएंगे 13 लाख प्रोफेशनल्स

भारत की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) वर्कफोर्स 2027 तक दोगुनी हो जाएगी। फिलहाल देश में लगभग 6.5 लाख प्रोफेशनल्स एआई से जुड़े रोल में काम कर रहे हैं और अगले दो सालों में यह संख्या करीब 13 लाख तक पहुंच सकती है। यह अनुमान ऐसे समय में आया है जब केंद्र और उद्योग मिलकर 1 करोड़ युवाओं को एआई और डिजिटल स्किल्स में प्रशिक्षित करने की योजना पर काम कर रहे हैं।

भारत की एआई इकोनॉमी

6.5% लाख है वर्तमान में एआई प्रोफेशनल्स	**13** लाख होने का अनुमान है 2027 तक	**01** करोड़ युवाओं को एआई स्किल ट्रेनिंग का लक्ष्य

25% तक की कमी आई है कुछ राज्यों में एआई के उपयोग से फसल नुकसान में

कर्नाटक, महाराष्ट्र और पंजाब में किसान सैटेलाइट इमेज और क्रॉप डेटा पर ट्रेन किए गए एआई सिस्टम का उपयोग कर रहे हैं। इससे कीट हमले की शुरुआती पहचान संभव हुई है और कुछ इलाकों में फसल नुकसान करीब 25 फीसदी तक घटा है।

छोटे व्यापारी: लोकल से ग्लोबल

गुजरात, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के छोटे व्यापारी एआई टूल्स से प्रोडक्ट कैटलॉगिंग, ऑटो-ट्रांसलेशन और डिलीवरी मैनेजमेंट कर रहे हैं। इससे वे बड़े बाजारों तक पहुंच बना पा रहे हैं।

हेल्थकेयर: घर-घर एआई

कम्युनिटी हेल्थ वर्कर्स पोर्टेबल एक्स-रे मशीन के साथ घर-घर जा रहे हैं, जहां एआई इमेज का विश्लेषण कर टीबी जैसे रोगों की शुरुआती पहचान कर रहा है। इससे ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं में गति आई है।

जॉब मार्केट में नई भूमिकाएं

- एआई इंजीनियर
- मशीन लर्निंग विशेषज्ञ
- डेटा एनालिस्ट
- एआई एथिक्स और गवर्नेंस विशेषज्ञ
- एआई ट्रेनर और मॉडल वैलिडेशन विशेषज्ञ

स्किल शिफ्ट: एआई ऑटोमेशन से पारंपरिक आईटी सपोर्ट, बेसिक कोडिंग और डेटा एंट्री रोल घट सकते हैं, लेकिन हाई-स्किल जॉब्स बढ़ेंगी।

दावा: ईरान पर हमला कभी भी, बस ट्रंप की मंजूरी बाकी

2003 के बाद सबसे बड़ी एयर फोर्स तैनात

वॉशिंगटन/तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव तेजी से बढ़ता नजर आ रहा है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस हफ्ते अमेरिका ईरान पर सैन्य हमला कर सकता है। अंतिम मंजूरी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलना बाकी बताई जा रही है। मध्य-पूर्व में 2003 के इराक युद्ध के बाद यह अमेरिका की सबसे बड़ी एयर फोर्स तैनाती है। इलाके में एफ-35, एफ-22, एफ-15 और एफ-16 जैसे उन्नत लड़ाकू विमानों की कई स्क्वॉड्रन भेजी गई हैं। बड़े पैमाने पर हवाई अभियान के लिए कमांड एंड कंट्रोल एयरक्राफ्ट तथा एयर डिफेंस सिस्टम भी तैनात किए गए हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यदि सैन्य कार्रवाई होती है तो यह कई हफ्तों तक चलने वाला बड़ा ऑपरेशन होगा। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई पिछले महीने वेनेजुएला में हुई सीमित कार्रवाई से कहीं बड़ी हो सकती है।

गाजा: 90% इलाके पर फिर हमास का कब्जा

अक्टूबर में लागू सीजफायर के बाद गाजा में हमास ने अपनी पकड़ दोबारा मजबूत कर ली है। स्थानीय कार्यकर्ता मोहम्मद दियाब ने दावा किया है कि हमास ने गाजा के उन इलाकों के 90 फीसदी से अधिक हिस्से पर फिर से नियंत्रण स्थापित कर लिया है, जहां उसकी मौजूदगी है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सड़कों पर लौट आई हैं। वे अपराध रोकने के साथ-साथ उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रही हैं जिन्हें सहयोगी या विरोधी मानती हैं।

इंडिया एआई समिट: अंबानी का ऐलान- 7 साल में 10 लाख करोड़ करेंगे निवेश

पीएम का सुझाव- 'ऑथेंटिसिटी लेबल' लगाकर रोकें डीपफेक

नई दिल्ली, जेएनएन। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के चौथे दिन नई दिल्ली के भारत मंडपम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर बड़े ऐलान और अहम सुझाव सामने आए। गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुकेश अंबानी, सुंदर पिचाई और सैम ऑल्टमैन समेत कई वैश्विक नेताओं ने अपने विचार रखे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में एआई के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिस तरह खाने के पैकेट पर 'न्यूट्रिशन लेबल' होता है, उसी तरह डिजिटल कंटेंट पर भी 'ऑथेंटिसिटी लेबल' होना चाहिए। पीएम का मानना है कि इससे डीपफेक और फर्जी कंटेंट की पहचान आसान होगी और लोगों को पता चल सकेगा कि कौन-सा कंटेंट असली है और कौन-सा एआई से तैयार किया गया है।

समिट के दौरान एक ग्रुप फोटो भी चर्चा में रही। जब सैम ऑल्टमैन और एंथ्रोपिक के को-फाउंडर डारियो अमोदेई ने फोटो के दौरान एक-दूसरे का हाथ नहीं पकड़ा। यह संयोग नहीं था, बल्कि एआई दुनिया में चल रही 'कोल्ड वॉर' का प्रतीक माना गया।

इंटेलिजेंस क्रांति से जोड़ने का ऐलान

समिट में मुकेश अंबानी ने कहा कि कंपनी अगले सात सालों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बुनियादी ढांचे और सेवाओं के विकास के लिए 10 लाख करोड़ का निवेश करेगी। जिस तरह जियो ने सस्ते मोबाइल डेटा के जरिए भारत को इंटरनेट क्रांति से जोड़ा, उसी तरह अब वह भारत को इंटेलिजेंस यानी एआई के युग से जोड़ेगा। 16 फरवरी से शुरू हुआ यह समिट 20 फरवरी तक चलेगा, जिसमें 110 से अधिक देशों के प्रतिनिधि, 20 से ज्यादा देशों के प्रमुख और करीब 100 सीईओ व फाउंडर्स शामिल हो रहे हैं।

समिट से पीछे हटे बिल गेट्स

बिल गेट्स ने समिट में अपना मुख्य भाषण देने से पीछे हटने का फैसला किया है। यह जानकारी गेट्स फाउंडेशन ने आधिकारिक तौर पर दी। फाउंडेशन के अनुसार, यह निर्णय काफी सोच-विचार के बाद लिया गया ताकि समिट का ध्यान उसकी मूल प्राथमिकताओं पर केंद्रित रहे। अब गेट्स की जगह फाउंडेशन के अफ्रीका और भारत कार्यालयों के प्रेसिडेंट अंकुर वोरा कार्यक्रम में संगठन का पक्ष रखेंगे। गेट्स के इस फैसले के पीछे अमेरिकी अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े हालिया दस्तावेजों में उनका नाम सामने आना बताया जा रहा है। एपस्टीन पर यौन अपराधों और नाबालिगों की तस्करी के गंभीर आरोप थे।

राफेल पर बोले मैक्रों- 'भारत मजबूत हो रहा है, फिर आलोचना क्यों?'

भारत और फ्रांस के बीच 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद को लेकर विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों के बीच फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने समझौते का खुलकर बचाव किया है। उन्होंने कहा कि यह सौदा भारत को मजबूत बना रहा है, ऐसे में इसकी आलोचना समझ से परे है। मैक्रों ने कहा, 'हम स्वदेशी घटकों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ा रहे हैं। यह हमारी कंपनी और भारत सरकार के बीच चल रही बातचीत का हिस्सा है। मुझे नहीं पता कि इसकी आलोचना कैसे कर सकते हैं।'

मैक्रों का 'जय हो'

एआई समिट में मैक्रों ने अपने संबोधन का समापन 'जय हो' के नारे के साथ किया। उनके इस अंदाज ने सभागार में मौजूद प्रतिनिधियों का दिल जीत लिया और भारत-फ्रांस साझेदारी को एक मजबूत संदेश दिया। मैक्रों ने 'नमस्ते' कहकर अपने भाषण की शुरुआत की थी।

इमरान की रिहाई के लिए ब्रिज पर कब्जा, पांच हजार सैनिक तैनात

इस्लामाबाद, जेएनएन। इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर पाकिस्तान में राजनीतिक तनाव बढ़ता जा रहा है। उनकी पार्टी पाक तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के हजारों समर्थकों ने खैबर सूबे में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण अटक ब्रिज पर कब्जा कर लिया है। अटक ब्रिज पर दोनों ओर भारी संख्या में समर्थकों के जमा होने से यातायात पूरी तरह बाधित हो गया है। वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और खैबर प्रांत का अन्य हिस्सों से संपर्क प्रभावित हो गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने इस्लामाबाद, पेशावर और रावलपिंडी कैंट से करीब 5 हजार सैनिकों को तैनात करने का आदेश दिया है। सुरक्षा बलों को संवेदनशील इलाकों में भेजा गया है ताकि हालात पर नियंत्रण रखा जा सके। खैबर के मुख्यमंत्री सुहैल अफरीदी ने युवाओं के लिए 'इमरान रिलीज फोर्स' बनाने की घोषणा की है। वहीं, तहरीक-ए-तहाफुज पार्टी ने भी इमरान के समर्थन में इस्लामाबाद की ओर कूच करने का ऐलान किया है। इमरान खान अगस्त 2023 से इस्लामाबाद की अडियाला जेल में बंद हैं।

फिल्टर बंद होते ही दिखा असली चेहरा

चीन की एक कंटेंट क्रिएटर का लाइव सेशन उस समय वायरल हो गया, जब उनके चेहरे पर लगा ब्यूटी फिल्टर अचानक बंद हो गया। कुछ सेकंड के लिए दर्शकों को उनका बिना फिल्टर वाला असली चेहरा दिखाई दिया। सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर बहस तेज हो गई। क्रिएटर सामान्य तरीके से लाइव सेशन होस्ट कर रही थीं। अचानक फिल्टर हटते ही उनका चेहरा पहले की तुलना में अलग नजर आया। जो चेहरा पहले स्मूद, गोरा और पोर्सिलेन जैसा दिख रहा था, वह प्राकृतिक टेक्सचर और सामान्य रंगत के साथ दिखाई दिया।

मरियम के लिए लग्जरी जेट खरीदने का आरोप

पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने किया खंडन

इस्लामाबाद, जेएनएन। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार पर मुख्यमंत्री मरियम नवाज के लिए लग्जरी जेट खरीदने का आरोप लगा है। 'ट्रिब्यून एक्सप्रेस' की रिपोर्ट के मुताबिक, गल्फस्ट्रीम जी500 मॉडल के इस विमान की कीमत करीब 10 अरब पाकिस्तानी रुपये बताई जा रही है। सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि यह जेट मुख्यमंत्री के निजी उपयोग के लिए खरीदा गया है। विमान फिलहाल अमेरिका में रजिस्टर्ड है और इसका रजिस्ट्रेशन नंबर एन144एस बताया जा रहा है। अभी पाकिस्तान में इसका आधिकारिक पंजीकरण नहीं हुआ है। पंजाब की सूचना मंत्री अजमा बोखारी ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह जेट मुख्यमंत्री के लिए नहीं, बल्कि प्रस्तावित सरकारी एयरलाइन 'एयर पंजाब' की फ्लीट का हिस्सा है। उनका कहना है कि प्रांत सरकार एयर पंजाब के लिए विमानों का बेड़ा तैयार कर रही है, जिसमें कुछ विमान खरीदे जाएंगे और कुछ किराये पर लिए जाएंगे।

फाइव-स्टार सुविधाओं वाला जेट

गल्फस्ट्रीम जी500 को दुनिया के सबसे एडवांस्ड लॉन्ग-रेंज बिजनेस जेट्स में गिना जाता है। इसे अमेरिकी कंपनी गल्फस्ट्रीम एयरोस्पेस बनाती है। इस जेट में आमतौर पर 10 से 19 यात्रियों के बैठने की क्षमता होती है। केबिन को तीन अलग-अलग हिस्सों में बांटा जा सकता है। सीटें पूरी तरह फ्लैट बेड में बदल जाती हैं और कॉन्फ्रेंस टेबल की सुविधा भी उपलब्ध होती है।

महुआ ने 'हेनरी' की कस्टडी के लिए खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली, जेएनएन। महुआ मोइत्रा ने अपने पालतू रॉटवीलर 'हेनरी' की कस्टडी को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद ने अपने पूर्व साथी और वकील जय अनंत देहाद्रई के खिलाफ यह याचिका दाखिल की है। यह याचिका पिछले वर्ष 10 नवंबर को साकेत कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश को चुनौती देती है, जिसमें मोइत्रा की हर महीने 10 दिन के लिए कुत्ते की कस्टडी की मांग को खारिज कर दिया गया था। न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी ने मामले में देहाद्रई को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 29 अप्रैल को तय की गई है। मोइत्रा ने अपनी याचिका में कहा है कि निचली अदालत का आदेश 'कानून और तथ्यों के लिहाज से त्रुटिपूर्ण' है। उन्होंने दावा किया कि हेनरी मुख्य रूप से उनके साथ रहता था, सिवाय उन अवसरों के जब वह अपने संसदीय क्षेत्र या आधिकारिक कार्यों के सिलसिले में दिल्ली से बाहर होती थीं।

50 की उम्र में शादी के सवाल पर बोलीं नीना

समाज में रहने के लिए मानने पड़ते हैं कुछ नियम

बॉलीवुड एक्ट्रेस नीना गुप्ता अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल जिंदगी को लेकर भी काफी चर्चा में रही हैं। एक्ट्रेस ने 50 साल की उम्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट विवेक मेहरा से शादी करके सबको चौंका दिया था। हाल ही में नीना ने बताया कि जिंदगी का बड़ा हिस्सा अकेले बिताने के बाद उन्होंने अचानक शादी क्यों की। एक पॉडकास्ट में जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने प्यार में शादी की थी तो नीना ने साफ कहा कि उन्हें प्यार-व्यार ज्यादा समझ नहीं आता है। उन्हें सिर्फ अपने बच्चे से प्यार समझ आता है। बाकी चीजों को वो उस नजर से नहीं देखती है। उन्होंने ये भी कहा कि इस टॉपिक पर वो आगे चलकर एक और किताब लिख सकती हैं क्योंकि ये सवाल आसान नहीं है। अगर प्यार नहीं था तो शादी क्यों की, यह पूछे जाने पर नीना ने कहा- 'जरूरत थी बहुत।' उनका मानना है कि समाज में रहना है तो उसके कुछ नियम मानने पड़ते हैं। ये बात उन्होंने अपनी गलतियों से सीखी है।

एक्ट्रेस ने ये भी खुलासा किया कि जब वो कहीं बाहर जाती थीं तो लोग उन्हें अजीब नजर से देखते थे, लेकिन शादी के बाद वही नजरें बदल गई है। उन्होंने कहा कि ये बात बोलना अच्छा नहीं लगता है लेकिन सच यही है कि शादी कर लो तो सब ठीक हो जाता है। बता दें, नीना गुप्ता ने वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स से बेटी मसाबा गुप्ता का स्वागत किया था। नीना ने बिना शादी के मां बनने का फैसला लिया था और मसाबा को एक सिंगल मदर बनकर पाला।

सदन में गूंजा सौरभ शर्मा केस, लोकायुक्त को केवल 41 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी मिली

सवा साल बाद भी नहीं मिली जानकारी, अटैच है 100 करोड़ की संपत्ति

सौरभ शर्मा | शरद जायसवाल | चेतन सिंह गौड़

भोपाल। दिसंबर 2024 में आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के घर और ठिकानों पर छापों का मामला एक बार फिर विधानसभा में गूंजा। पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह के सवाल के जवाब में सरकार ने बताया कि दिसंबर 2024 में लोकायुक्त की 16 सदस्यीय टीम ने जब आरक्षक सौरभ शर्मा के ठिकानों पर छापा मारा, तो उन्हें केवल 41 करोड़ रुपये की बेहिसाब संपत्ति मिली थी। चौंकाने वाली बात यह है कि इस छापेमारी के सवा साल बाद फरवरी 2026 में विधानसभा में पूछे गए सवाल पर सरकार ने जवाब दिया कि इस मामले में छापे मारने वाली अन्य एजेंसियों आयकर विभाग और ईडी से जानकारी जुटाई जा रही है।

दोनों एजेंसियां अटैच कर चुकी हैं 100 करोड़ की प्रॉपर्टी

लोकायुक्त के केस में आरोपी सौरभ और उसके सहयोगियों शरद जायसवाल और चेतन सिंह गौड़ को जमानत मिल चुकी है, वहीं ईडी की सख्ती के कारण सौरभ शर्मा और उसके साथी फिलहाल भोपाल की सेंट्रल जेल में बंद हैं। जयवर्धन सिंह ने सदन में सरकार को घेरते हुए इसे सत्ता संरक्षित भ्रष्टाचार करार दिया। इस मामले में आयकर और ईडी जैसी एजेंसियां सौरभ और उनके परिजनों के नाम पर बनाई गई 100 करोड़ की संपत्ति कुर्क कर चुकी हैं। जयवर्धन सिंह के अनुसार, दिसंबर 2024 में जब्त की गई संपत्ति की वर्तमान बाजार कीमत भी अब दोगुनी हो चुकी है।

लोकायुक्त का चालान भी पेश नहीं, ईडी ने दाखिल कर दी चार्जशीट

इस मामले में लोकायुक्त पुलिस सवा साल बाद भी आरोपियों के खिलाफ चालान पेश नहीं कर पाई है। स्पेशल लोकायुक्त कोर्ट ने भी सौरभ और उसके सहयोगियों को 90 दिन की समय सीमा (टाइम लिमिट) में लोकायुक्त द्वारा चालान पेश न करने के आधार पर ही जमानत दी थी। इसके विपरीत, स्पेशल ईडी कोर्ट में चालान की समय सीमा से पहले ही ईडी ने अपनी चार्जशीट दाखिल कर दी। इसमें सौरभ, चेतन, शरद समेत कुल 12 आरोपी बनाए गए हैं।

अमेरिका की नई वेबसाइट योजना से यूरोप नाराज

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिका सरकार एक ऐसी वेबसाइट लॉन्च करने की तैयारी में है, जो यूरोप समेत अन्य देशों की सरकारों को नाराज कर सकती है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्तावित वेबसाइट यूरोप में रहने वाले लोगों को उनके देशों में प्रतिबंधित कंटेंट जैसे कथित हेट स्पीच या आतंकवादी प्रचार सामग्री देखने की सुविधा दे सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रोजेक्ट अमेरिकी विदेश विभाग की अंडरसेक्रेटरी फॉर पब्लिक डिप्लोमेसी सारा रॉजर्स के नेतृत्व में तैयार किया जा रहा है। इसे हाल ही में आयोजित म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में पेश किया जाना था, लेकिन इसकी घोषणा टाल दी गई। वेबसाइट का डोमेन 'फ्रीडम डॉट जीओव्ही' बताया गया है। फेडरल रजिस्ट्री गेट डॉट जीओव्ही के अनुसार, फ्रीडम डोमेन 12 जनवरी को रजिस्टर किया गया। फिलहाल साइट पर कोई सक्रिय कंटेंट नहीं है, केवल नेशनल डिजाइन स्टूडियो का लोगो, स्लोगन और एक लॉग-इन फॉर्म दिखाई दे रहा है।

पहले भी कर चुका है ऐसा प्रयास

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल से पहले भी अमेरिका सरकार ने चीन, ईरान, रूस, बेलारूस, क्यूबा और म्यांमार जैसे देशों में नागरिकों को स्वतंत्र सूचना तक पहुंच दिलाने के लिए कमर्शियल वीपीएन और अन्य डिजिटल टूल्स को फंडिंग दी थी।

यूरोप-अमेरिका संबंधों पर असर

यह पहल डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन और यूरोपीय देशों के बीच संबंधों में तनाव बढ़ा सकती है। पहले से ही व्यापार, रूस-यूक्रेन युद्ध और ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिकी रुख जैसे मुद्दों पर मतभेद बने हुए हैं। वेबसाइट को स्थानीय कानूनों को दरकिनार करने के लिए नागरिकों को प्रोत्साहित करने के प्रयास के रूप में देखा जा सकता है। यूरोपीय संघ ऑनलाइन कंटेंट को अमेरिका की तुलना में ज्यादा सख्ती से नियंत्रित करता है। अमेरिका में संविधान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को व्यापक सुरक्षा देता है, जबकि यूरोप में अवैध हेट स्पीच, आतंकवादी सामग्री और भ्रामक सूचना को हटाने के लिए सख्त नियम लागू हैं। यूरोपीय संघ का डिजिटल सर्विसेज एक्ट और ब्रिटेन का ऑनलाइन सेफ्टी एक्ट जैसे कानून प्लेटफॉर्म्स को आपत्तिजनक सामग्री हटाने के लिए बाध्य करते हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने इन नियमों की आलोचना करते हुए कहा है कि वे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करते हैं। पूर्व स्टेट डिपार्टमेंट अधिकारी केनेथ प्रॉप ने कहा कि यूरोप में इसे राष्ट्रीय कानूनों को कमजोर करने की अमेरिकी कोशिश के रूप में देखा जा सकता है।

संत नगर स्टेशन से गुजरेगी डॉक्टर अंबेडकर नगर-पटना होली स्पेशल ट्रेन

नगर संवाददाता, भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा गाड़ी संख्या 09343/09344 डॉ अम्बेडकर नगर-पटना-डॉ अम्बेडकर नगर होली स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में साप्ताहिक रूप से 05-05 ट्रिप संचालित की जा रही है। यह गाड़ी डॉ अम्बेडकर नगर से 26 फरवरी से प्रत्येक गुरूवार एवं पटना से 27 फरवरी से प्रत्येक शुक्रवार को प्रस्थान करेगी। गाड़ी संख्या 09343 डॉ अम्बेडकर नगर-पटना होली स्पेशल प्रत्येक गुरूवार डॉ अम्बेडकर नगर से शाम 6 बजे प्रस्थान कर संत हिरदाराम नगर रात 10.48 बजे, विदिशा 11.30 बजे एवं अगले दिन बीना रात 1.30 बजे आगमन कर 6.30 बजे पटना पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 09344 पटना-डॉ अम्बेडकर नगर होली स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को पटना से रात 9.30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन बीना 4 बजे, विदिशा 5.08 बजे एवं संत हिरदाराम नगर शाम 7.03 बजे आगमन कर शनिवार को 11.55 बजे डॉ अम्बेडकर नगर पहुंचेगी। इस ट्रेन में 2 सेकेंड एसी, 2 थर्ड एसी इकोनामी, 6 थर्ड एसी, 6 स्लीपर, 3 सामान्य श्रेणी, 1 पेंट्रीकार, 2 जनरेटर कार सहित कुल 22 कोच होंगें।

बाजार पर नजर

शेयर बाजार में आज

82,498

-1236

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
ONGC	276.45	3.80%
Hindalco	920.50	0.71%
HDFC Life	735.80	0.49%
Dr Reddys Labs	1,295.70	0.16%
Larsen	4,287.00	1.86%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
Interglobe Avi	4,939.00	-3.32%
Trent	4,181.10	-2.85%
M&M	3,546.50	-2.80%
UltraTech Cement	13,059.00	-2.79%
Bharat Elec	449.25	-2.76%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
$ डॉलर	90.670
€ यूरो	107.35
¥ येन	0.5850
£ पौंड	122.29

खुलासा: बदलती जलवायु के कारण घट रहा कॉफी उत्पादन

छोटे किसान प्रभावित, 2050 तक खेती योग्य भूमि में 50% कमी की आशंका

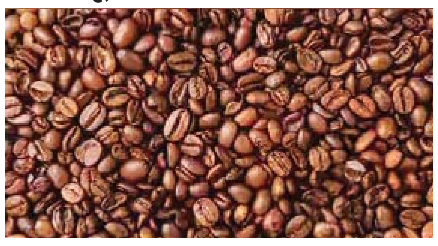

नई दिल्ली, जेएनएन। एक नई रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन दुनिया के प्रमुख कॉफी उत्पादक क्षेत्रों को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। बढ़ते तापमान के कारण फसल में कमी आ रही है और इस लोकप्रिय पेय की कीमतों में वृद्धि हो रही है। कॉफी दुनिया के सबसे अधिक पसंद किए जाने वाले गैर-मादक पेयों में से एक है, जिसकी प्रतिदिन लगभग 2.2 अरब कप खपत होती है। केवल संयुक्त राज्य अमेरिका में ही कम से कम दो-तिहाई वयस्क प्रतिदिन कॉफी पीते हैं। क्लाइमेट सेंट्रल द्वारा किए गए विश्लेषण के अनुसार, वैश्विक कॉफी आपूर्ति पर दबाव लगातार बढ़ रहा है और इसमें जलवायु परिवर्तन की महत्वपूर्ण भूमिका है। क्लाइमेट सेंट्रल ने 2021 से 2025 के बीच के तापमान का विश्लेषण किया और 'क्लाइमेट शिफ्ट इंडेक्स' के माध्यम से उनकी तुलना कार्बन प्रदूषण रहित एक काल्पनिक दुनिया से की। कॉफी उत्पादक देशों में प्रति वर्ष कितने अतिरिक्त दिन ऐसे रहे जब तापमान 30 डिग्री सेल्सियस की उस सीमा से ऊपर चला गया है।

पांच काफी उत्पादक देश कर रहे गर्मी का सामना

दुनिया के शीर्ष पांच कॉफी उत्पादक देश-ब्राजील, वियतनाम, कोलंबिया, इथियोपिया और इंडोनेशिया वैश्विक कॉफी आपूर्ति का लगभग 75 प्रतिशत उत्पादन करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ये पांचों देश अब औसतन साल में 144 दिनों से अधिक समय तक कॉफी के लिए हानिकारक गर्मी का सामना कर रहे हैं। यदि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव न होता, तो हर साल ऐसे गर्म दिनों की संख्या लगभग 57 दिन कम होती। वर्षा पैटर्न में बदलाव भी कॉफी पौधों पर दबाव डाल सकता है। उनकी वृद्धि के लिए पर्याप्त और नियमित वर्षा जरूरी है। 59 से 79 इंच के बीच वार्षिक वर्षा को आदर्श माना जाता है।

55 से बढ़कर सालाना 90 लाख होगा कार उत्पादन, 1 लाख करोड़ का निवेश

मुंबई, जेएनएन। देश की पांच बड़ी कार कंपनियां अगले 5-6 साल में करीब 1 लाख करोड़ रुपए निवेश करके उत्पादन क्षमता 65 फीसदी तक बढ़ाने जा रही हैं। इससे कारों का सालाना उत्पादन 55 लाख से बढ़कर 90 लाख तक पहुंच सकता है। बढ़ती मांग के बीच इससे सप्लाई बढ़ेगी, नए मॉडल आएंगे और लोकप्रिय मॉडलों के लिए इंतजार की अवधि घट सकती है। देश की बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनियों मारुति सुजुकी इंडिया, टोयोटा फिलोस्कर मोटर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने आक्रामक विस्तार की योजना बनाई है। इसके तहत भारी-भरकम निवेश से नए कारखाने खोले जाएंगे। एसयूवी, ईपी और हाइब्रिड टेक्नोलॉजी पर जोर दिया जाएगा। इसका मतलब है कि आगामी वर्षों में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। नतीजतन अभी के मुकाबले कम कीमतों पर बेहतर फीचर वाली कारें बाजार में आ सकती हैं।

क्षमता विस्तार की होड़-नई फैक्ट्रियां, मॉडल, टेक्नोलॉजी पर फोकस

मारुति सुजुकी: 35,000 करोड़ रुपए का नया निवेश
कंपनी अभी सालाना 26 लाख कारें बना सकती है। 2027 से 2030 के बीच अतिरिक्त 15 लाख कारों की उत्पादन क्षमता जोड़ेगी। गुजरात के गांधीनगर में सालाना 10 लाख कारों का नया बड़ा प्लांट लगेगा। बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच कंपनी बाजार हिस्सेदारी बचाना चाहती है।

आक्रामक विस्तार की जरूरत इसलिए पड़ी

- जीएसटी के ढांचे में बदलाव और कटौती से टैक्स व्यवस्था अब बिलकुल स्पष्ट हो गई है। पहले टैक्स के मामले में अनिश्चितता बनी हुई थी, लेकिन अब कंपनियां लंबे समय की प्लानिंग कर सकती है।
- मांग लगातार बढ़ रही है। आगामी वर्षों में भी कमोबेश यही स्थिति रहेगी। वाहन डीलरों के संगठन फाडा के प्रेसिडेंट सीएस विग्नेश्वर ने कहा कि जीएसटी में कटौती कई साल तक मांग मजबूत रखेगी। घरेलु, विदेशी बाजारों में मजबूत डिमांड सबसे बड़ा आकर्षण।
- 2025 में रिकॉर्ड 45.30 लाख कारों की बिक्री हुई।
- घरेलू बाजार में बिकी सालाना 7.3 फीसदी बढ़ी, इलेक्ट्रिक वाहनों का रजिस्ट्रेशन 17त्न बढ़ा
- गाड़ियों के निर्यात में 19.2 फीसदी की तगड़ी बढ़ोतरी हुई।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर क्षमता दोगुनी करेगी

टोयोटा किलोस्कर मोटर उत्पादन क्षमता दोगुनी सालाना 10 लाख कारों तक पहुंचाने जा रही है। बिदादी (कर्नाटक) प्लांट का विस्तार करेगी। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में नया बड़ा कारखाना लगाएगी। इससे फॉच्यूनर, इनोवा जैसे मॉडलों की लंबी वेटिंग कम हो जाएगी।

महिंद्रा एंड महिंद्रा: सालाना उत्पादन 7.4 लाख बढ़ाएगी

कंगनी नागपुर में 5 लाख और चाकण में 2.4 लाख यूनिट की नई फैसिलिटी जोड़ेगी। अभी उत्पादन क्षमता सालाना 7.74 लाख कारों की है। 2030 तक इसे 15 लाख से ऊपर ले जाने का लक्ष्य है। 2027 में आने वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी रेंज के लिए यह जरूरी है। टाटा मोटर्स नई ईवी, एसयूवी उतारेगी कंपनी तमिलनाडु में नया प्लॉट लगाएगी। जिसमें 9,000 करोड़ रुपए लगेंगे और सालाना 2.5 लाख कारें बनेगी। मौजूदा फैक्ट्रियां सालाना 8.5 लाख तक कारें बना रही हैं। कंपनी इलेक्ट्रिक कारों और एसयूवी के नए मॉडलों पर फोकस करेगी। नए मॉडल उतारेगी। एमजी मोटर क्षमता तीन गुना करेगी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया 4,000 करोड़ रुपए के निवेश से क्षमता लगभग तीन गुना करके सालाना 3 लाख कारों तक पहुंचाएगी। कंपनी प्लग-इन हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक कारों के नए मॉडल बाजार में उतारने पर फोकस कर रही है।

भारत-यूरोप कनेक्टिविटी के लिए अदाणी पोर्ट्स और मार्सेईल फॉस पोर्ट की रणनीतिक साझेदारी

जेएनएन। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्ट यूटिलिटी, अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) और फ्रांस का प्रमुख पोर्ट एवं भूमध्यसागर का प्रमुख प्रवेश द्वार, पोर्ट ऑफ़ मार्सेईल ने व्यापार सुगमता, पोर्ट इनोवेशन और एनर्जी ट्रांजीशन के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए एक एमओय पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी आईएमईसी पोर्ट्स क्लब बनाने का प्रस्ताव रखती है, जिसका उद्देश्य इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर (आईएमईसी) मार्ग पर मुख्य पोर्ट्स के बीच समन्वय को मजबूत करना है और भारत तथा यूरोपीय यूनियन के बीच कनेक्टिविटी को और मजबूत बनाना है। यह भारत-ईयू ट्रेड के लिए आईएमईसी मार्ग को पूरा करता है, जिसे भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच एफटीए ने और बढ़ावा दिया है, जिसे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'द मदर ऑफ़ ऑल डील' कहा है। यह एमओयू फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के दौरे के दौरान किया गया, जो भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के विस्तार को दर्शाता है और इसे व्यापक आईएमईसी व भारत-ईयू ट्रेड दृष्टिकोण के साथ जोड़ता है। 2023 के जी 20 शिखर सम्मेलन में नई दिल्ली में लॉन्च किया गया इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर (आईएमईसी) 6,000 किलोमीटर लंबा मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट है, जो भारत और यूरोप को एकीकृत समुद्री मार्गों, रेल नेटवर्क, डिजिटल सिस्टम और क्लीन एनर्जी मार्गों के माध्यम से जोड़ता है। आईएमईसी के पूर्वी प्रवेश द्वार पर, एपीएसईजेड के मुंद्रा और हाजीरा पोर्ट एक मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स हब का निर्माण करते हैं, जो दक्षिण एशिया को पश्चिम एशिया से जोड़ता है।

एपीएसईजेड के होल-टाइम डायरेक्टर और सीईओ अश्वनी गुप्ता ने कहा कि भारत ने इस कॉरिडोर को आगे बढ़ाने में पहले ही नेतृत्व की भूमिका निभाई है, और भारत-ईयू फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के पूरा होने के साथ, भाग लेने वाले देशों के बीच व्यापार कई गुना बढ़ने की उम्मीद है। एपीएसईजेड में भारत के पश्चिमी तट पर हाजीरा और मुंद्रा पोर्ट्स ने कॉरिडोर के पहले और मध्य हिस्सों में एक निर्बाध मार्ग स्थापित कर लिया है। फ्रांस के पोर्ट ऑफ़ मार्सेईल फॉस के साथ इस एमओयू के जरिये अब यूरोप तक अंतिम चरण को सफलतापूर्वक जोड़ दिया है। यह साझेदारी सभी भाग लेने वाले देशों के बीच सूचना और सामग्री के आदान-प्रदान को तेजी से बढ़ाएगी, और आर्थिक सहयोग तथा सप्लाई-चेन की मजबूती को और सशक्त करेगी। पोर्ट ऑफ़ मार्सेईल फॉस के सीईओ हर्वे मार्टल ने कहा कि हमें खुशी है कि हम एपीएसईजेड के साथ अपनी साझेदारी को और मजबूत कर रहे हैं, हम साथ मिलकर शामिल पोर्ट्स को सक्रिय करने और एकजुट करने का इरादा रखते हैं, और अपने क्षेत्रों के बीच एक अधिक कुशल, टिकाऊ कनेक्शन के लिए मजबूत समर्थन करेंगे।

शाओमी: 75 इंच वाला सबसे बड़ा क्यूएलईडी भारत में

नई दिल्ली, जेएनएन। शाओमी ने अपना अब तक का सबसे बड़ा क्यूएलईडी टीवी भारत में लॉन्च कर दिया है। इसका साइज 75 इंच है और इसे काफी सस्ते दाम में पेश किया गया है। यह शाओमी एक्स प्रो क्यूएलईडी सीरीज है। 2026 की इस सीरीज में 4 के रेजॉल्यूशन वाला सिनेमैजिक्यूएलईडी डिस्प्ले दिया गया है। इसके साथ ही 120 हर्ट्ज का रिफ्रेश रेट मिलता है। और भी तमाम खूबियां इसमें हैं। इसके दाम सिर्फ 69,999 रुपये हैं और 999 रुपये देकर टीवी को प्री-बुक कराया जा सकता है। 34 वॉट का ऑडियो आउटपुट मिलता है।

एआई से बदलेगा आईटी सेक्टर का खेल: रिपोर्ट

मुंबई, जेएनएन। भारत का आईटी सर्विस सेक्टर अब वैल्यू क्रिएशन के अगले चरण में प्रवेश कर सकता है। टाटा म्युचुअल फंड की फरवरी 2026 की रिपोर्ट थ्रू द लेंस-एआई इम्पैक्ट ऑन आईटी सर्विसेज में यह बात कही गई है। रिपोर्ट के अनुसार, अब तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दुनिया में सारा फायदा हार्डवेयर कंपनियों को हो रहा था। इसमें जीपीयू और एआई चिप बनाने वाली कंपनियां शामिल हैं। भारत इस चरण में बड़ी हिस्सेदारी नहीं ले पाया। हालांकि, अब एआई खर्च का फोकस सेवाओं की ओर बढ़ रहा है। रिपोर्ट का कहना है कि इस नई सर्विस-ड्रिवन एआई लहर में भारत बेहतर स्थिति में है और इसका लाभ उठा सकता है। भारत में एआई अपनाने की प्रक्रिया फिलहाल सीखने और एकीकरण के चरण में है। कंपनियां नए उपयोग मामलों का ट्रायल कर रही हैं, वर्कफ्लो को दोबारा डिजाइन कर रही हैं और एआई को स्केल करने की कोशिश कर रही हैं। हालांकि, इससे सीधी कमाई अभी सीमित है। यह चरण भारत जैसे सेवा-आधारित इकोसिस्टम के लिए अनुकूल है, जहां आईटी सेवा कंपनियां और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर एंटरप्राइज एआई तैनाती के प्रमुख प्लेटफॉर्म बन रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, एआई केवल नया टूल नहीं है, बल्कि यह कंपनियों के काम करने और निर्णय लेने के तरीके को बदलने वाली तकनीक है। लेगेसी सिस्टम्स का आधुनिकीकरण जरूरी- रिपोर्ट में कहा गया है कि बड़ी कंपनियां अपने आईटी बजट का 60 से 80 फीसदी हिस्सा अलग-थलग पड़े पुराने (लेगेसी) सिस्टम्स के रखरखाव पर ही खर्च कर देती हैं। अब एआई तेज और ज्यादा किफायती आधुनिक टूल्स उपलब्ध करा रहा है। इससे कंपनियों के पास रखरखाव पर होने वाले खर्च को घटाकर उसे इनोवेशन की ओर मोड़ने का अनोखा अवसर है। यह बदलाव आईटी सेवा कंपनियों के लिए बड़ा अवसर है,

मौसम: ठंडी हवा से गिरा दिन का पारा लेकिन रात में गर्मी बरकरार

नगर संवाददाता, भोपाल। पश्चिमी विक्षोभ का असर भोपाल सहित प्रदेश के कई जिलों में देखने को मिल रहा है। गुरुवार को भोपाल में दिन में ठंडी हवा का असर रहा, इससे दिन का तापमान नीचे आ गया। दो दिन पहले तक जहां दिन का तापमान 30 डिग्री पर था, वहीं गुरुवार को यह घटकर 26 डिग्री रह गया। वहीं रात की बात करें तो रात में न्यूनतम तापमान 14 डिग्री के आस पास स्थिर है, यानि रात में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है, इससे रात में हल्की गर्मी का एहसास बना हुआ है। 24 घंटे के दौरान भोपाल, उज्जैन समेत 25 जिलों में बारिश हुई। इनमें धार, श्योपुर, शिवपुरी, इंदौर, आगर-मालवा, राजगढ़, खरगोन, मुरैना, सीहोर, दतिया, ग्वालियर, गुना, रतलाम, बड़वानी, मंदसौर, शाजापुर, राजगढ़, देवास, विदिशा, अशोकनगर, टीकमगढ़, निवाड़ी, छतरपुर जिले भी शामिल हैं।

श्योपुर में 1 इंच बारिश भोपाल व सीहोर में 40 की स्पीड से चली हवा

श्योपुर के नालछा में सबसे ज्यादा 1 इंच पानी गिर गया। आंधी की रफ्तार 63 किलो मीटर प्रतिघंटा रही। भोपाल, सीहोर-आगर में 40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चली। शाजापुर में 35, गुना में 31, राजगढ़ में 30, धार, नीमच और शिवपुरी में 28 की स्पीड से हवा चली।

तेज हवा और पानी से फसल प्रभावित

इस बेमौसम बारिश और तेज आंधी ने किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। कई जिलों में खेतों में खड़ी फसलें आड़ी हो गई हैं, जिससे दानों की गुणवत्ता और पैदावार पर बुरा असर पड़ने की आशंका है। कुछ इलाकों में ओलावृष्टि से भी नुकसान की खबरें हैं। प्रदेश के कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना ने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा है कि सरकार इस संकट की घड़ी में उनके साथ है। बारिश और ओलों से प्रभावित क्षेत्रों में फसलों के नुकसान का आकलन करने के लिए जांच के निर्देश जारी कर दिए हैं। विभाग के अधिकारी प्रभावित खेतों का दौरा कर सर्वे करेंगे, ताकि नुकसान का सही आंकड़ा सामने आ सके। उन्होंने कहा कि जहां-जहां भी ओलावृष्टि और तेज बारिश की वजह से फसलें आड़ी हुई हैं या दाने खराब हुए हैं, वहां नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को निर्देशित किया है कि सर्वे का काम पूरी पारदर्शिता के साथ जल्द से जल्द पूरा किया जाए, ताकि किसानों को राहत राशि मिलने में देरी न हो।

नरसिंहपुर में 300 किसानों का 7 करोड़ गन्ना भुगतान अटका

जागरण, नरसिंहपुर। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने गुरुवार को महाकौशल शुगर मिल के गन्ना किसानों का बकाया पैसा न चुकाने के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। यूनियन ने मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम मणिन्द्र कुमार सिंह को ज्ञापन देकर जल्द पेमेंट कराने की मांग की है। लगभग 300 किसानों का 7 करोड़ रुपए बकाया है। किसानों ने बताया कि मिल ने पूरे सीजन गन्ने की तुलाई तो की, लेकिन पेमेंट नहीं किया है।

पुलिस ने तीन किलोमीटर पैदल चलकर किया प्रहार, दो गिरफ्तार

नशे की खेती, 1.5 करोड़ का गांजा जब्त

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के खरगोन जिले में पुलिस ने नशे के सौदागरों के ऑपरेशन प्रहार चलाते हुए दुर्गम पहाड़ियों और नो नेटवर्क जोन में पैदल मार्च करते हुए गांजे की अवैध खेती का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों से करीब 1 करोड़ 49 लाख रुपए कीमत के गांजे के हरे पौधे जब्त किए हैं। इस मामले में गांजे की खेती करने वाले दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है और उनसे पूछताछ जारी है। अवैध मादक पदार्थ की खेती करने वाले इतने शातिर थे कि उन्होंने जानबूझकर खेती के लिए ऐसी जगह चुनी जो न केवल निर्जन थी, बल्कि वहां तक वाहनों से पहुंच पाना भी संभव नहीं था।

दुर्गम पहाड़ पार कर शेडो एरिया में पहुंची टीम: सटीक सूचना पर जब पुलिस टीम चैनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सेन्द्रीयाघाटी गुवाडा और तिखली बैडी पहुंची, तो वहां का रास्ता बेहद कठिन था। ये इलाका इतना दुर्गम था कि वहां मोबाइल नेटवर्क तक काम नहीं कर रहा था। इलाके में सड़क और पगडंडी भी नहीं थी और इस छापे की भनक आरोपियों को न लगे इसके लिए पुलिसकर्मियों ने अपने वाहन तीन किलोमीटर पहले ही रोक दिए और वहां से पैदल चलकर और पहाड़ पार कर खेतों तक पहुंचे। खासतौर पर जब टीम सेन्द्रीयाघाटी गुवाडा के खेत में पहुंची तो वहां गांजे की फसल लहलहा रही थी। टीम ने यहां से आरोपी जुवान सिंग रंधावे को हिरासत में लेकर खेत में लगे लगभग 5500 गांजे के पौधे जब्त किए। इनका कुल वजन 2811 किलो और बाजार मूल्य करीब 1 करोड़ 40 लाख 55 हजार है।

> इलाका बेहद दुर्गम था और मोबाइल नेटवर्क भी नहीं था। गांजे के पौधों की सिंचाई के लिए ड्रिप इरिगेशन सिस्टम के साथ सुरक्षा के लिए मचान भी बना रखी थी। गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ जारी है।
>
> ● रविंद्र वर्मा, एसपी खरगोन

हाईटेक खेती, ड्रिप इरिगेशन और पहरेदारी के लिए मचान भी

इस दौरान पुलिस उस समय हैरान रह गई जब सेन्द्रीयाघाटी गुवाडा में गांजे का खेत देखा। पुलिस को मौके पर गांजे के पौधों की सिंचाई के लिए ड्रिप इरिगेशन सिस्टम लगा मिला। इसके अलावा पौधों को तेजी से बढ़ाने के लिए यूरिया का इस्तेमाल किया जा रहा था।

अब कैदियों की फरारी होगी नामुमकिन सभी जेलों में लगेगी इलेक्ट्रिक फेंसिंग

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश की सभी जेलों में अब हाई-वोल्टेज सुरक्षा होगी। सरकार ने अब प्रदेश की सभी सर्किल जेल, जिला जेल और उप जेलों को भी इलेक्ट्रिक फेंसिंग से लैस करने का फैसला किया है, जिससे यहां बंद कैदियों का भागना पूरी तरह बंद हो जाएगा। इससे पहले प्रदेश की केवल सेंट्रल जेलों को ही इलेक्ट्रिक फेंसिंग की सुविधा से लैस किया गया था। इस नई योजना के तहत जेल की दीवारों पर सोलर-पावर्ड इलेक्ट्रिक फेंसिंग सिस्टम लगाया जाएगा, जो न केवल इंट्रूजन अलार्म बजाएगा बल्कि जेल से निकलने की कोशिश करने वाले को इलेक्ट्रिक शॉक देकर इस तरह की कोशिश को रोक देगा। खास बात यह है कि सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए टेंडर जारी कर दिए हैं और काम जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। एमपी में कुल 11 सेंट्रल जेलों के अलावा 2 सर्किल जेल, 39 जिला जेल और 73 उप जेल हैं।

भोपाल और इंदौर में भाग चुके हैं कैदी: भोपाल में सिमी के आतंकियों ने जेल ब्रेक कांड को अंजाम दिया था। 2016 में दिवाली के दिन हुई इस घटना में एक जेल कर्मी की हत्या कर सिमी के आठ आतंकी फरार हो गए थे, जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर उन सभी का एनकाउंटर कर दिया था। इसी तरह 2021 में जिला जेल भोपाल से बी एक कैदी भाग निकला था।

इसके अलावा 2024 में इंदौर सेंट्रल जेल से भी एक हाई-प्रोफाइल अपराधी फरार हो गया था, इसके बाद से जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए थे। हालांकि, सरकार ने इन घटनाओं के बाद प्रदेश की 11 सेंट्रल जेलों में इलेक्ट्रिक फेंसिंग लगाई थी, लेकिन प्रदेश की सर्किल जेल, जिला जेल और उप जेलों में इस तरह के इंतजाम नहीं थे। अब सरकार और जेल विभाग ने सभी कारागारों में सुरक्षा चाक-चौबंद करने का फैसला लिया है। टेंडर दस्तावेजों के मुताबिक, यह सिस्टम आईईसी-सर्टिफाइड होगा, जो मौसम-प्रूफ और कम मेंटेनेंस वाला है।

टेंडर जारी, सोलर एनर्जी से चलेगा सिस्टम

इस तरह काम करता है सोलर इलेक्ट्रिक फेंसिंग सिस्टम

इस फेंसिंग सिस्टम में हाई-वोल्टेज तार होते हैं जो सोलर एनर्जी से चलते हैं। किसी के छूने या काटने की स्थिति में तत्काल अलार्म बजता है और झटका भी लगता है। सरकार इस नए आधुनिक सिस्टम को इसलिए भी अपना रही है क्योंकि सोलर पावर से बिजली की बचत होगी। एक जेल अधिकारी के अनुसार, पहले दीवारें चढ़कर भागना आसान था, लेकिन अब ऐसा करने वाले को बिजली का ऐसा झटका लगेगा कि कैदी दोबारा इसके बारे में सोचेगा तक नहीं। इसके साथ ही जिन जिला और सब जेलों में सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम मौजूद नहीं हैं, वहां कैमरे भी इंस्टॉल कराए जाएंगे।

इन जिलों में लगेगा नया सिस्टम

सर्किल जेल - रतलाम एवं शिवपुरी

जिला जेल - भोपाल, राजगढ़, शहडोल, सीधी, मंदसौर, गुना, सीहोर, रायसेन, विदिशा, सीधी, उमरिया, अनूपपुर, बेढ़न (सिंगरौली), झाबुआ, नीमच, अशोकनगर, श्योपुर, इंदौर, धार, खंडवा, मुरैना, भिंड, दतिया, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, शाजापुर, देवास, आगर-मालवा, दमोह, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, बैतूल, हरदा, आलीराजपुर, खरगोन, डिंडोरी, मंडला और कटनी।

उप जेल (जिला सब जेल)
गंजबासौदा, नरसिंहगढ़, सारंगपुर, लटेरी, सरदारपुर, देपालपुर, सांवेर, महू, बड़वाह, बुढ़हार, ब्यौहारी, मऊगंज, त्योंथर, बैहर, वारासिवनी, लखनादौन, अमरवाड़ा, तराना, बागली, सुसनेर, महिदपुर, सोनकच्छ, शुजालपुर, कन्नौद, बड़नगर, सेवड़ा, जौरा, अम्बाह, सबलगढ़, डबरा, गोहद, मेहगांव, विजयपुर, लहार, गरोठ, जावरा, खाचरौद, सैलाना, जावद, बदनावर, नागौद, मैहर, लवकुशनगर, पवई, नौगांव, विजावर, सिहोरा, पाटन, बेगमगंज, जतारा, निवाड़ी, हटा, खुरई, रहली, बंडा, मुलताई, पिपरिया, नसरुल्लागंज, सिवनी-मालवा, गौहरगंज, बरेली, मंडलेश्वर, सेंधवा, कसरावद, धरमपुरी, महेश्वर, मनावर, जोबट, करैरा, कोलारस, पिछोर, पोहरी एवं चाचौड़ा।

रक्सा माजन में शासकीय भूमि पर नायब तहसीलदार के स्थगन आदेश के बाद भी हो रहा निर्माण

पुलिस-राजस्व विभाग के समन्वयन पर उठे सवाल

गढ़, नि.प्र.। मनगवां तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत रक्सा महाजन में शासकीय भूमि पर कथित अवैध निर्माण को लेकर गंभीर विवाद खड़ा हो गया है। ग्राम निवासी राजेंद्र सिंह ने आरोप लगाया है कि ग्राम माल स्थित शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला परिसर की भूमि (आराजी नंबर 415/1) के एक हिस्से पर पंचायत भवन का निर्माण कार्य नायब तहसीलदार द्वारा जारी स्थगन आदेश के बावजूद जारी है। शिकायतकर्ता का कहना है कि प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना खुलेआम की जा रही है, जिससे शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं। राजेंद्र सिंह के अनुसार, संबंधित भूमि शासकीय विद्यालय के नाम दर्ज है और विद्यालय परिसर में पहले से आंगनवाड़ी, मध्यान्ह भोजन किचन, शौचालय तथा जल निगम की टंकी निर्मित है। परिसर में उपलब्ध भूमि सीमित है। ऐसे में यदि उसी स्थान पर पंचायत भवन का निर्माण किया जाता है तो विद्यार्थियों की पढ़ाई, खेलकूद गतिविधियों और भविष्य के विकास कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने संवाददाता को बताया कि निर्माण कार्य शुरू होने पर उन्होंने राजस्व न्यायालय में आपत्ति दर्ज कराई थी। इसके बाद नायब तहसीलदार, तहसील मनगवां (वृत्त गढ़) द्वारा 05 फरवरी 2026 को स्थगन आदेश जारी किया गया था, जिसमें स्पष्ट रूप से निर्माण कार्य पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए थे। आदेश की प्रतिलिपि थाना गढ़, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) मनगवां तथा अन्य संबंधित

अधिकारियों को प्रेषित की गई।

18 फरवरी को फिर जारी हुआ पत्र

शिकायतकर्ता के अनुसार, स्थगन आदेश के बावजूद निर्माण कार्य बंद नहीं हुआ। इस पर उन्होंने पुनः आवेदन प्रस्तुत किया। इसके बाद पत्र क्रमांक 138/प्रवा0/2026, 18 फरवरी 2026 के माध्यम से नायब तहसीलदार ने अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) मनगवां को स्थगन आदेश का पालन सुनिश्चित कराने हेतु पत्र प्रेषित किया। पत्र में उल्लेख किया गया कि आवेदक ने जानकारी दी है कि अनावेदकगण द्वारा स्थगन के बावजूद निर्माण कार्य जारी है। इसके बावजूद, शिकायतकर्ता का आरोप है कि मौके पर न तो प्रभावी पुलिस हस्तक्षेप हुआ और न ही राजस्व अमले द्वारा निर्माण रुकवाया गया।

पुलिस और राजस्व विभाग की भूमिका पर सवाल

राजेंद्र सिंह का कहना है कि थाना स्तर पर केवल नोटिस तामील करने की कार्रवाई की गई है। पुलिस का कथित रूप से कहना है कि उनका कार्य केवल नोटिस की तामील तक सीमित है, जबकि निर्माण रुकवाने की जिम्मेदारी राजस्व विभाग की है। दूसरी ओर, राजस्व अमले का कहना है कि आदेश के पालन के लिए पुलिस की सहायता आवश्यक है। इस समन्वय के अभाव में निर्माण कार्य जारी रहने का आरोप लगाया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने यह भी कहा कि जब पटवारी मौके पर पहुंचे तो विवाद की स्थिति बनी, जिसके बाद नियमित जांच नहीं हो सकी। मामले में अधिवक्ता संघ मनगवां के पूर्व अध्यक्ष प्रभात चंद द्विवेदी ने संवाददाता को बताया कि संबंधित भूमि शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय के नाम दर्ज है और राजस्व अभिलेखों में किसी प्रकार का वैध परिवर्तन दर्ज नहीं है। उन्होंने कहा कि तहसीलदार एवं एसडीएम स्तर से भी स्थगन की पुष्टि की जा चुकी है। यदि इसके बावजूद निर्माण जारी है तो यह न्यायालयीन आदेश की अवहेलना की श्रेणी में आ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि तहसीलदार के आदेश का पालन कराना पुलिस प्रशासन का दायित्व है और पुलिस को मौके पर जाकर निर्माण कार्य रुकवाकर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करना चाहिए।

प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग

ग्रामीणों का कहना है कि विवाद की स्थिति लंबे समय तक बनी रही तो गांव में तनाव बढ़ सकता है। उनका आग्रह है कि जिला प्रशासन, संभागीय आयुक्त तथा वरिष्ठ पुलिस अधिकारी इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर स्थिति स्पष्ट करें। शिकायतकर्ता ने दोहराया कि उन्हें पंचायत भवन निर्माण से कोई आपत्ति नहीं है, बशर्ते वह अन्य उपलब्ध शासकीय भूमि पर कराया जाए। उनका विरोध केवल विद्यालय परिसर में निर्माण को लेकर है, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो सकती है। यह मामला केवल एक गांव का विवाद नहीं, बल्कि शासकीय भूमि की सुरक्षा, राजस्व अभिलेखों की वैधता और प्रशासनिक आदेशों के पालन से जुड़ा प्रश्न बन गया है।

माता पार्वती की अटूट श्रद्धा, समर्पण और दृढ़ संकल्प के आगे स्वयं महादेव को भी प्रकट होना पड़ा : बाल मुकुंदाचार्य

खारा में शिव महापुराण कथा के पंचम दिवस सजी शिव विवाह लीला

सेमरिया, नि.प्र.। सेमरिया मुख्यालय से लगे ग्राम पंचायत खारा स्थित फूलमती माता मंदिर परिसर में आयोजित सरस संगीतमयी शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ के पंचम दिवस का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कथा के दौरान आज भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य विवाह प्रसंग का सजीव एवं भावपूर्ण वर्णन किया गया जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। कथा वाचक बाल मुकुंदाचार्य महाराज ने शिव विवाह प्रसंग का अत्यंत मार्मिक और ओजपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि भगवान शिव का विवाह केवल एक दैवीय घटना नहीं बल्कि सृष्टि संतुलन और शक्ति-शिव के मिलन का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि हिमालय पुत्री पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी, उनकी अटूट श्रद्धा, समर्पण और दृढ़ संकल्प के आगे स्वयं महादेव को भी प्रकट होना पड़ा। महाराज ने विवाह प्रसंग का चित्रण करते हुए बताया कि जब भगवान शिव बारात लेकर हिमालय के द्वार

पहुंचे तो उनका स्वरूप अत्यंत अलौकिक था जटाधारी, भस्म रमाए, गले में सर्प शरीर पर व्याघ्रचर्म और साथ में भूत-प्रेतों की अनोखी बारात यह दृश्य देखकर माता पार्वती की माता मैना चकित और चिंतित हो उठीं किंतु देवताओं ने समझाया कि यह कोई साधारण वर नहीं स्वयं त्रिलोकनाथ भगवान शिव हैं। कथा में शिव बारात का वर्णन इतना जीवंत था कि श्रोताओं के समक्ष मानो पूरा दृश्य साकार हो उठा।

देवताओं की उपस्थिति ऋषि-मुनियों का मंगलाचार शंख-घंटों की ध्वनि और वेद मंत्रों के उच्चारण के बीच शिव-पार्वती का पावन विवाह संपन्न हुआ कथा वाचक ने कहा कि यह विवाह हमें सिखाता है कि बाहरी स्वरूप से अधिक महत्व अंतर्मन की पवित्रता और तप की शक्ति का होता है। उन्होंने चार प्रमुख संदेशों पर विशेष प्रकाश डाला पहला दृढ़ संकल्प से असंभव भी संभव होता है। दूसरा सच्चा प्रेम त्याग और तपस्या से प्राप्त होता है। तीसरा शिव का स्वरूप हमें अहंकार त्यागने की प्रेरणा देता है और चौथा शक्ति और शिव का मिलन जीवन में संतुलन और समरसता का प्रतीक है। पूरे परिसर में भक्ति गीतों और भजनों की मधुर धुनों के बीच श्रद्धालु शिव विवाह प्रसंग का आनंद लेते रहे महिलाएं, पुरुष और युवा बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण कर रहे हैं। वातावरण हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजायमान रहा। आयोजन समिति के अनुसार कथा का क्रम आगे भी प्रतिदिन निर्धारित समय पर जारी रहेगा जिसमें विभिन्न पौराणिक प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। खारा ग्राम में चल रही यह शिव महापुराण कथा क्षेत्र में धार्मिक जागरण और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बनी हुई है।

हनुमना नगर परिषद वार्ड क्रमांक 13 के सड़क निर्माण में किया जा रहा मलवे का उपयोग

मलवा एवं 22-01 के मसाले से सड़क निर्माण कार्य किए जाने के लगाए आरोप

हनुमना, नि.प्र.। मऊगंज जिले के नगर परिषद अधिकारी द्वारा नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 13 में पीसीसी सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा है। नगर परिषद के उपाध्यक्ष प्रतिनिधि जय गुप्ता ने संवाददाता से बताया कि वार्ड क्रमांक 13 में जो सड़क बनाई जा रही है, वह सड़क गुणवत्ताहीन बनाई जा रही है, रद्दी मटेरियल(मलवा) डालकर सड़क निर्माण कार्य ठेकेदार एवं उपयंत्री के साठ गांठ से यह सड़क बनाई जाने का आरोप श्री गुप्ता ने लगाते हुए कहा कि शासकीय पैसे का दुरुपयोग करने का तरीका

वरिष्ठ उपयंत्री जो की 32 साल से हनुमना में पदस्थ होकर नगर परिषद के करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार कर चुके हैं। उपाध्यक्ष ने आरोप लगाया है कि उपयंत्री की राजनैतिक पकड़ बहुत ऊपर तक है, इनके ऊपर शिकायत का कोई फर्क नहीं पड़ता, फिर भी जनता के हित के लिए जो सड़क निर्माण कार्य कराया जा रहा है इसमें डस्ट का बालू रद्दी मटेरियल (मलवा) 22-01 का मसाला मिलाकर निर्माण कार्य कराये जाने के आरोप श्री गुप्ता ने लगाया। उन्होंने आगे कहा कि यह सड़क बहुत ही गुणवत्ताहीन किस्म की तथा आधी-अधूरी सड़क अभी बनाई जा रही है। यह सड़क बहुत दिन तक चल नहीं पाएगी। सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर ग्रामीणों ने असंतोष व्यक्त किया है। वार्ड क्रमांक 13 के निवासियों के साथ-साथ नगर परिषद के उपाध्यक्ष प्रतिनिधि जय गुप्ता ने जिला अधिकारी मऊगंज से मांग है कि कार्यस्थल पर उच्च अधिकारियों से जांच कराई जाए एवं करवाई किया जाए और साथ ही साथ नगर परिषद हनुमना में पदस्थ 32 सालों से उपयंत्री द्वारा किए गए भ्रष्टाचार की जांच ईओडब्ल्यू द्वारा टीम गठित कर जांच एवं कार्यवाही कराई जाए।

फरार तीन अपराधियों पर ईनाम घोषित

मऊगंज। पुलिस अधीक्षक मऊगंज दिलीप कुमार सोनी ने तीन फरार अपराधियों की गिरफ्तारी पर ईनाम की घोषणा की है। पुलिस अधीक्षक ने थाना मऊगंज में दर्ज प्रकरण में फरार अपराधी सौरभ गुप्ता निवासी सीतापुर तथा नईगढ़ी थाना में दर्ज प्रकरण में सैफ खान निवासी लालगंज के पतासाजी/गिरफ्तारी पर पांच-पांच हजार रूपये तथा शाहपुर थाना में दर्ज प्रकरण में अपह्मता/गुमशुदा पर 2 हजार रुपये का ईनाम घोषित किया गया है। इन अपराधियों की गिरफ्तारी अथवा गिरफ्तारी के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना देने वाले को ईनाम की राशि दी जाएगी। ईनाम की घोषणा पुलिस रेग्युलेशन एक्ट के प्रावधानों के तहत की गई है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक मऊगंज का निर्णय अंतिम रूप से मान्य होगा।

ग्राम डागरडुआ-धर्मपुरहान में जला ट्रांसफार्मर नहीं बदला, किसानों में आक्रोश

गढ़, नि.प्र.। तहसील मनगवा के अंतर्गत ग्राम पंचायत डागरडुआ धर्मपुरहान में विद्युत वितरण केंद्र कटरा से जुड़े क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों की परेशानियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। ग्रामीणों ने संवाददाता को बताया कि यहां अगस्त-सितंबर 2025 से लगा ट्रांसफार्मर जलकर खराब पड़ा है, लेकिन अब तक उसका परिवर्तन नहीं किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि वे कई महीनों से जनप्रतिनिधियों और विद्युत विभाग के अधिकारियों से ट्रांसफार्मर बदलवाने की मांग कर रहे हैं, परंतु अब तक किसी ने गंभीरता से ध्यान नहीं दिया। उपभोक्ताओं ने नियमित रूप से अपने बिजली बिल भी जमा किए हैं, इसके बावजूद उन्हें बिजली सुविधा से वंचित रहना पड़ रहा है।

फसलें सूखी, पेयजल संकट गहराया : बिजली आपूर्ति ठप होने से किसानों की सिंचाई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई है। रबी और अन्य फसलें पानी के अभाव में सूख गईं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। अब बढ़ती गर्मी के साथ पेयजल संकट भी गहराने लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली नहीं होने से मोटर पंप नहीं चल पा रहे, जिससे घरों में पानी की आपूर्ति भी बाधित है।

किसानों ने जनप्रतिनिधियों एवं विद्युत विभाग से की अपील

ग्रामीणों ने समाचार पत्रों के माध्यम से क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं विद्युत विभाग का ध्यान आकर्षित करते हुए तत्काल ट्रांसफार्मर बदलने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और विद्युत वितरण कंपनी से मांग की है कि मामले की जांच कर शीघ्र ट्रांसफार्मर बदलवाया जाए, किसानों को राहत दी जाए तथा भविष्य में ऐसी स्थिति न बने इसके लिए स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

बिल वसूली पर उठे सवाल

ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि जब ट्रांसफार्मर कई महीनों से जला पड़ा है और बिजली आपूर्ति बंद है, तो इन दिनों का बिजली बिल क्यों भेजा जा रहा है? किसानों ने मांग की है कि ट्रांसफार्मर खराब रहने की अवधि का बिल माफ किया जाए और विभाग नुक

पढ़ाई के साथ एक अच्छा इंसान बनें : लाल मणि त्रिपाठी

दुआरी स्कूल में वार्षिक उत्सव व मां सरस्वती की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का हुआ आयोजन

मनिकवार, नि.प्र.। रायपुर कर्चुलियान जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम दुआरी के शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल में आयोजित वार्षिक उत्सव समारोह व मां सरस्वती की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य लालमणि त्रिपाठी रहें जबकि अध्यक्षता जनपद सदस्य रुबी पटेल ने की। इस दौरान कार्यक्रम का सफल संचालन कर रहे कुंवर बहादुर सिंह व विनोद कुमार पांडेय ने सभी अभिभावकों व अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज बड़े हर्ष का विषय है कि इस स्कूल में मां सरस्वती जी की स्थापना हुई, जो हर छात्र के जीवन में एक नई उर्जा और उम्मीद का संचार होगा सभी को सहभोज कराया गया। इस दौरान कार्यक्रम को प्रवीण कुमार पाण्डेय ने सम्बोधित करते हुए कहा कि आज शिक्षा बहुत ही सहज हो गई है, पहले की शिक्षा कम संसाधनों से थी, आज हर संस्थान में पूर्ण साधन है और सभी को समान शिक्षा का अधिकार भी है। इस दौरान छात्रों ने स्वागत गीत, मां सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। पत्रकार अनिल कुमार गुप्ता ने छात्र हित में कहते हुए कहा कि आप डाक्टर, इंजीनियर बनें या न बने बेहतर इंसान अवश्य ही बनें। वहीं पढ़ाई के टिप्स बताते हुए सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए विद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया, इस दौरान मुख्य अतिथि लाल मणि त्रिपाठी ने कहा कि आज समाज को

आवश्यकता है अच्छी शिक्षा और संस्कार की अगर समाज शिक्षित और संस्कारी होगा तो सदैव खुशियां बनी रहेगी, आज नशा समाज को खोखला कर चुका है। इससे सबको बचने की आवश्यकता है, सरपंच बृजभान पटेल, प्राचार्य त्रिभुवन नाथ शुक्ला ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया,इस दौरान शेखर नामदेव, प्राचार्य बरसैता, धीरू शुक्ल, चन्द्र प्रकाश पटेल, दादी भाई, वीरेश पाण्डेय सहित समस्त स्टाफ और समाजसेवी की उपस्थिति प्रमुख रहीं।

एमएसएमई विकास कार्यालय ने एक दिवसीय जागरुकता कार्यक्रम में पीएम विश्वकर्मा योजना से किया जागरूक

मऊगंज ब्यूरो। जिले के हनुमना जनपद पंचायत के अंतर्गत जहां भारत सरकार, एमएसएमई मंत्रालय, विकास आयुक्त कार्यालय, के द्वारा 18 फरवरी बुधवार को मऊगंज जिला प्रशासन के जनपद पंचायत हनुमना की सुरभि श्रीवास्तव मुख्य कार्यपालन अधिकारी के संयुक्त तत्वावधान में पीएम विश्वकर्मा योजना के अन्तर्गत जिले के चयनित लाभार्थियों के लिए डॉक्टर अंबेडकर मांगलिक भवन जनपद पंचायत कार्यालय हनुमना में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम शाखा एमएसएमई विकास कार्यालय के प्रभारी सी मिंज उप-निदेशक के द्वारा सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम द्वारा भाग लेने वाले पीएम विश्वकर्मा लाभार्थियों को उद्यमिता, ब्रांडिंग, पैकेजिंग, वित्तीय सहायता, प्लानिंग, बाजार की खोज एवं मार्केटिंग आदि विषयों की जानकारी अतिथि वक्ताओं में सुरभि श्रीवास्तव सीईओ जनपद, क्रिस्टोफर मिंज, ज्योत्सना अग्रवाल अग्रणी जिला प्रबंधक एवं शिवशंकर सिंह सहायक प्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र जिला रीवा द्वारा दी गई एवं साथ ही पेमेंट एग्रीगेटर इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक द्वारा भाग लेने वाले प्रतिभागियों को क्यूआर कोड निःशुल्क उपलब्ध कराए गए। कार्यक्रम में 95 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में भावना भारती शासकीय आईटीआई मऊगंज, विकास द्विवेदी जनपद पंचायत हनुमना अधिकारी एवं जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। इस दौरान जहां संबंधित अधिकारी कर्मचारी एवं हितग्राही काफी संख्या में मौजूद रहे।

आंगनवाड़ी केंद्र गढ़वा रामदेव सिंह में हुआ वित्तीय साक्षरता का आयोजन

मऊगंज ब्यूरो। ग्राम पंचायत छत्रगढ़ कला अंतर्गत ग्राम गढ़वा रामदेव सिंह की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संतोष कुमारी जैसवाल द्वारा वित्तीय साक्षरता का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि असिस्टेंट काउंसलर आरोह फाउंडेशन वित्तीय साक्षरता संतोष कुमार मिश्र रहे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत के सरपंच राजबहोर यादव ने किया। सरकार द्वारा संचालित बैंकिंग योजनाओं के बारे में बिंदुवार जानकारी दी जैसे कि अधिकतर लोगों का बैंक में खाता खुला हुआ है और उसी से सरकारी योजनाओं का लाभ ले रहे हैं परंतु बहुत सारे खाता धारक हैं जो बहुत दिनों से अपनी केवाईसी बैंक में जाकर नहीं कराई इसलिए आप सभी से विशेष आग्रह है कि अपने-अपने बैंक में आधार कार्ड और पैन कार्ड लेकर जाएं अपनी केवाईसी चेक करा लें यदि नहीं हुई है तो तत्काल वहीं पर करा लें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ग्राम पंचायत के सरपंच श्री यादव ने कहा कि हमारे ग्राम पंचायत में जो वित्तीय साक्षरता का कार्यक्रम आयोजित हुआ इससे हमको एवं हमारे हितग्राहियों को महत्वपूर्ण जानकारी मिली और हम आशा करते हैं कि अपने-अपने बैंक में जाकर बैंकिंग योजनाओं का अधिक सटीक लाभ ले और कोई दिक्कत आती है तो मुझे बताएं कोई भी पात्र हितग्राही लाभ से वंचित नहीं होना चाहिए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विद्यालय के शिक्षक आशीष सिंह आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संतोष कुमारी जैसवाल, आरती सिंह सहायिका ससिता रैतवार आशा कार्यकर्ता, गोमती सिंह हितग्राही राजबहोर जायसवाल सिपाही लाल कोल, शर्मिला जयसवाल, राजदुलारी कोल, सुनीता जायसवाल, लक्ष्मी कोल मंजू कोल, सुनीता कोल, पार्वती कोल, मधु कोल, शुकबरिया साकेत, रानी कोल आचल जायसवाल, ज्योति साकेत, सुखमती कोल, राजकुमारी कोल, अंगद साकेत, सुनीता साकेत, संगीता कोल प्रतिभा सिंह, कमला कोल, सरल सोंधिया चंद्रकली, जायसवाल सहित कई अन्य हितग्राही उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आशा कार्यकर्ता गोमती सिंह ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों कर्मचारियों तथा ग्राम पंचायत उपस्थित जनता का आभार प्रकट किया।

रैली और जनसभा आयोजित कर हर्षोल्लास से मनायी शिवाजी जयंती

10 किलो मीटर विशाल बाइक रैली में किया जयघोष

जवा ब्यूरो। छत्रपति शिवाजी महाराज की 396वीं जयंती गुरुवार को हर्षोल्लास से मनाई गई। मित्र मंडल के संयुक्त तत्वावधान में दुआरानाथ स्वामी मंदिर से कल्याणपुर होकर भौठी तक 10 किलो मीटर विशाल बाइक रैली निकाली गई। शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनकी गौरव गाथा का बखान किया गया। गुरुवार 19 फरवरी 2026 को छत्रपति शिवाजी मित्र मंडल के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने विशाल रैली निकाली। कार्यकर्ता हाथों में शिवाजी महाराज के चित्र से सुशोभित भगवा ध्वजा लहराते हुए जयघोष करते रहे। उनके जयकारा से गूंजता पथ रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रभाकर सिंह ने शिवाजी महाराज के जीवन की मार्मिक घटनाओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मित्र मंडल के कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया, जिसमें मुख्य अतिथि प्रभाकर सिंह, अध्यक्ष शिवम सिंह,उपाध्याय शिवेंद्र सिंह, आयोजक अर्जुन सिंह, राजपाल यादव, मनोज सिंह, बल्लू यादव, सुनील सिंह, संदीप सिंह, सागर सिंह, छोटे सिंह, राजेंद्र यादव, राहुल सिंह, अजीत सिंह, ऋतिक सिंह, कल्लू सिंह, बजरंगी यादव, आयुष सिंह, शुभम सिंह, महेंद्र सिंह शामिल हुए।

ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति मुदरिया चौबान की मासिक बैठक सम्पन्न

मऊगंज ब्यूरो। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला समन्वयक जागेश्वर ताम्रकार के मार्गदर्शन में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति मुदरिया चौबान की मासिक बैठक शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय मुदरिया चौबान प्रांगण में 18 फरवरी को आयोजित की गई। कार्यक्रम में अजय चतुर्वेदी विकासखंड समन्वयक विकासखंड मऊगंज जिला मऊगंज द्वारा संस्कार केंद्र वाचनालय व नशा मुक्ति जल संरक्षण आदि विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया। नवांकुर संस्था ग्राम विकास सेवा समिति मऊगंज संस्था प्रमुख श्रीनिवास त्रिपाठी ने उपस्थित रहकर प्रस्फुटन बैठक सेक्टर बैठक, प्रशिक्षण व दस्तावेजीकरण एवं विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित करने हेतु व नशा मुक्ति पर्यावरण, जल संरक्षण पर उपस्थित जनों को सारगर्भित विस्तार पूर्वक जानकारी दिए। परामर्शदाता साधना चौरसिया द्वारा सीएमसीएल डीपी कोर्स के संबंध में एवं नशा मुक्ति से संबंधित बातें बताई गई। उक्त अवसर पर प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष नीरज चतुर्वेदी एवं सचिव राजेश कुशवाहा ग्राम पंचायत सचिव संजीव मिश्रा एवं प्रस्फुटन समिति के सदस्य बीएसडब्ल्यू छात्र एमएसडब्ल्यू छात्र पंचवती, कोमल पांडे, सचिन उपाध्याय, सरपंच प्रतिनिधि विश्राम रावत उपस्थित रहे बैठक में आभार राजेश कुशवाहा द्वारा किया गया।

ग्राम डढ़वा बांधी में पंच दिवसीय श्री रामकथा का आयोजन 26 फरवरी से

गुढ़, नि.प्र.। गुढ़ क्षेत्र के ग्राम डढ़वा बांधी में 26 फरवरी से श्रद्धा, संगीत और रामनाम की अनुगूंज गूंजने वाली है। परिसर में पंच दिवसीय संगीतमयी श्री रामकथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह कथा 26 फरवरी से प्रारंभ होकर 2 मार्च तक चलेगी। कथा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित होगी, जहां श्रद्धालु रामचरित की अमृतधारा में डूबकर भक्ति रस का आनंद लेंगे। 2 मार्च को दोपहर ढाई बजे कथा का भावपूर्ण समापन होगा, जिसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस कथा की वाचक होंगी सुप्रसिद्ध महामंडलेश्वर अन्नपूर्णा माता। वे पूर्व में भी महावीरननाथ स्वामी परिसर में कई बार कथा कर चुकी हैं। लगभग पांच वर्षों के अंतराल के बाद उनके आगमन की खबर से क्षेत्र में विशेष उत्साह और आस्था का वातावरण है। उनकी मधुर वाणी और संगीतमयी प्रस्तुति श्रद्धालुओं को भक्ति के रस में सराबोर कर देती है। रामकथा के प्रसंगों में मर्यादा, करुणा,

त्याग और धर्म की जो व्याख्या वे करती हैं, वह श्रोताओं के हृदय को स्पर्श कर जाती है। आयोजकों ने बताया कि इन पांच दिनों में ग्राम डढ़वा बांधी मानो एक आध्यात्मिक धाम में परिवर्तित हो जाएगा। दूर-दूर से श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए पहुंचेंगे। राम नाम की गूंज, भजन-कीर्तन की मधुर धुन और भक्ति की सरिता पूरे वातावरण को पावन बना देगी। ग्राम डढ़वा, बांधी, पोड़ी, जल्दर, इटारपहाड़ एवं बरसैता के लोगों ने अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा का लाभ लेने की अपील की है।

कुशहा गांव में जल अर्पण महोत्सव कार्यक्रम संपन्न

मऊगंज। मऊगंज जिले के नईगढ़ी विकासखण्ड अन्तर्गत कुशहा गांव में जल अर्पण महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों सहित ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने

ग्रामीणजनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एकल ग्राम योजना के तहत अब हर घर को नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संकल्पना है कि गांव के लोगों को पीने का शुद्ध जल मिले। कार्यक्रम में अध्यक्ष ममता तिवारी, जनपद सदस्य प्रतिमा साकेत, सरपंच अली अहमद सिद्दीकी, कार्यपालन यंत्री संजय पाण्डेय सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराने वाली जिम्बाब्वे की श्रीलंका पर छह विकेट से जीत, ग्रुप में सभी मैच जीते

श्रीलंका को घर में हराकर जिम्बाब्वे शीर्ष पर

जेएनएन, कोलंबो

जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को गुरुवार को छह विकेट से हराकर अपराजेय रहते हुए ग्रुप की शीर्ष टीम के रूप में टी-20 विश्व कप के सुपर आठ में प्रवेश किया। कठिन पिच पर जीत के लिए 179 रन के लक्ष्य के जवाब में जिम्बाब्वे ने 19.3 ओवर में चार विकेट पर 182 रन बनाए। यह लक्ष्य टी-20 इंटरनेशनल में जिम्बाब्वे द्वारा हासिल किया गया दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज है। सबसे बड़ा सफल चेज नामीबिया के खिलाफ 2023 में 199 रन है। ब्रायन बेनेट 48 गेंद में 63 और कप्तान सिकंदर रजा 26 गेंद में 45 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों टीमें ग्रुप-बी से सुपर आठ में पहुंच चुकी है और लीग चरण में ऑस्ट्रेलिया को हराने वाली जिम्बाब्वे के प्रदर्शन ने सभी को चौंका दिया है। जिम्बाब्वे ने पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 55 रन बना लिए थे। सलामी बल्लेबाज बेनेट और ताडी मारूमानी (26 गेंद में 34 रन) ने टीम को शानदार शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 8.3 ओवर में 69 रन बनाए। मारूमानी को दुनिथ वेलालागे ने रिटर्न कैच लेकर पवेलियन भेजा। रियान बर्ल ने 12 गेंद में 23 रन बनाए, लेकिन दासुन शनाका की गेंद पर विकेट गंवा बैठे। इसके बाद रजा और बेनेट ने मोर्चा संभाला। रजा ने दिलशान मदुशंका को 15वें ओवर में लगातार दो छक्के लगाए। इसके अगले ओवर में स्पिनर महीष तीक्षणा को एक छक्का और एक चौका लगाया। रजा को 19वें ओवर में दुशान हेमंता ने आउट किया और दो गेंद बाद ताशिंगा मुसेकिवा भी पवेलियन लौट गए। आखिरी ओवर में जिम्बाब्वे को आठ रन चाहिए थे और टोनी मुनियोंगा ने तीक्षणा को छक्का लगाकर जिम्बाब्वे खेमे में खुशी का संचार कर दिया।

प्लेयर ऑफ द मैच
सिकंदर रजा
45* रन

तेज शुरुआत के बाद धीमी हुई रनों की रफ्तार

इससे पहले धीमी पिच पर बीच के ओवरों में श्रीलंका के बल्लेबाजों को परेशानी आई और वे सात विकेट पर 178 रन ही बना सके। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की शुरुआत अच्छी रही। सलामी बल्लेबाज कुसल परेरा (22) और पाथुम निसांका (62) ने 4.5 ओवर में 54 रन बनाए। बाएं हाथ के बल्लेबाज परेरा सहज नहीं दिखे, लेकिन तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को उन्होंने दो चौके लगाए। वह हालांकि मुजरबानी के बाउंसर पर पूल शॉट खेलने के प्रयास में शॉर्ट फाइन लेग पर ग्रीम क्रेमर को कैच दे बैठे। श्रीलंका के बल्लेबाजों ने पावरप्ले में एक विकेट पर 61 रन बना लिए थे, लेकिन इसके बाद रनगति धीमी पड़ गई। जिम्बाब्वे के स्पिनरों सिकंदर रजा, क्रेमर, रियान बर्ल और वेलिंगटन मसाकाजा ने मेजबान बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। अगले चार ओवरों में सिर्फ 21 रन बने। इस बीच कुसल मेंडिस का विकेट भी गिरा जो 20 गेंदों में 14 रन ही बना सके। वहीं पिछले मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक बनाने वाले निसांका ने 34 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। वह क्रेमर की गेंद पर रिवर्स स्वीप लगाने के प्रयास में टोनी मुनिनोगा को कैच दे बैठे। पवन रत्नायके ने 25 गेंद में 44 रन बनाए और ब्राड इवांस को 19वें ओवर में दो चौके और एक छक्का जड़कर श्रीलंका को 150 रन के पार पहुंचाया। आखिरी दो ओवरों में 30 रन बने।

2636 रन टी-20 में श्रीलंका के पाथुम निसांका के हो गए हैं। वे श्रीलंका के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने कुशल मेंडिस (2607) को पीछे छोड़ा। निसांका टी-20 में सबसे अधिक 21 बार 50 प्लस स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस मामले में भी उन्होंने कुशल मेंडिस का रिकॉर्ड तोड़ा।

69 रन की साझेदारी रजा और बेनेट के बीच तीसरे विकेट के लिए हुई, जो जिम्बाब्वे के लिए रिकॉर्ड है। उन्होंने ब्रेडन टेलर और ब्रायन बेनेट के बीच 68 रन की साझेदारी को पीछे छोड़ा।

07 छक्के जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों ने कुल जड़े। टी-20 विश्व कप के इतिहास में किसी एक पारी में जिम्बाब्वे द्वारा लगाए गए यह सबसे ज्यादा छक्के हैं।

होप, फोर्ड और जोसेफ ने दिलाई विंडीज को लगातार चौथी जीत

वेस्टइंडीज ने इटली को 42 रन हराया, ग्रुप में शीर्ष पर रहते हुए सुपर आठ में

कोलकाता, जेएनएन। वेस्टइंडीज ने इटली को 42 रन से हराकर विश्व कप के ग्रुप-सी में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज अनुकूल दिख रही पिच पर इटली के स्पिनरों के सामने खुलकर नहीं खेल पाए, लेकिन उसने कप्तान शाई होप (46 गेंद पर 75 रन) के आकर्षक अर्धशतक की मदद से छह विकेट पर 165 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। इसके जवाब में इटली 18 ओवर में 123 रन पर आउट हो गई। उसका कोई भी बल्लेबाज 30 रन की संख्या तक नहीं पहुंच पाया। बेंजमिन मनेंटी ने 21 गेंदों में सबसे ज्यादा 26 रन बनाए, लेकिन उनके अलावा सिर्फ जेजे स्मट्स (27 गेंद 24 रन) ही 20 का आंकड़ा पार कर सके।

- शामार जोसेफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक मैच में चार विकेट और चार कैच लेने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं।
- जेसन होल्डर ने अपना 300वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला।

वेस्टइंडीज की तरफ से तेज गेंदबाज शामार जोसेफ ने 30 रन देकर चार विकेट लिए। वेस्टइंडीज ने इस तरह से अपना अजय अभियान जारी रखा और ग्रुप-सी में शीर्ष पर रहते हुए सुपर आठ में जगह बनाई, जहां उसका सामना भारत, दक्षिण अफ्रीका और जिंबॉब्वे से होगा। इटली ने चार मैच में एक जीत के साथ अपने अभियान का समापन किया। वेस्टइंडीज के होप ने 75 रन की पारी में छह चौके और चार छक्के लगाए। उनके अलावा रोस्टन चेज (25 गेंद पर 24), शेरफेन रदरफोर्ड (15 गेंद पर नाबाद 24) और मैथ्यू फोर्डे (आठ गेंद पर नाबाद 16) ही कुछ उपयोगी योगदान दे पाए। अगर ग्रांट स्टीवर्ट ने 19वें ओवर में 19 रन नहीं लुटाए होते तो वेस्टइंडीज की स्थिति और भी खराब हो सकती थी। इटली की तरफ से बेन मनेंटी (37 रन देकर दो) और कृशान कालुगामगे (25 रन देकर दो) ने दो-दो विकेट लेकर वेस्टइंडीज को अंतिम ओवरों में अपेक्षित तेजी से रन नहीं बनाने दिए।

जीत के साथ अफगान ने ली विदाई

चेन्नई, जेएनएन। इब्राहिम जदरान (56 गेंदों पर नाबाद 95 रन) की नाबाद पारी और मोहम्मद नबी के चार झटकों की बदौलत अफगानिस्तान ने गुरुवार को टी-20 विश्व कप के औपचारिक ग्रुप-डी मैच में कनाडा को 82 रन से शिकस्त देकर जीत से अभियान का अंत किया। अफगानिस्तान ने जदरान और सेदिकुल्लाह अटल (44 रन) की पारियों की बदौलत चार विकेट खोकर 200 रन बनाए और इसके जवाब में कनाडा पूरे 20 ओवर खेलकर आठ विकेट खोकर मात्र 118 रन ही बनाए। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान के लिए पहले तीन ओवर संभलकर बल्लेबाजी करने के बाद रहमानउल्लाह गुरबाज (30) ने आक्रमण शुरू किया। गुरबाज को दूसरे ओवर में जीवनदान भी मिला था, लेकिन वह अधिक देर तक जीवनदान का लाभ नहीं उठा पाए।

मैदान से हटकर

रोमांटिक अंदाज में हार्दिक ने गर्लफ्रेंड को किया बर्थडे विश

भारतीय टीम के स्टार ऑलरांडर हार्दिक पंड्या ने इंस्टाग्राम पर गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा के लिए जन्मदिन की शुभकामनाओं वाला एक प्यारा सा पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने माहिका के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, जन्मदिन मुबारक हो मेरी प्रिंसेस। हार्दिक ने माहिका के साथ अपने रिलेशनशिप की पुष्टि 2025 के अंत में की थी। जुलाई 2024 में नताशा स्टैनकोविक से तलाक के एक साल बाद हार्दिक रिलेशनशिप में आए थे। एक इंटरव्यू में हार्दिक ने बताया कि कैसे माहिका ने उनके क्रिकेट सफर में उनकी मदद की। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने एक बल्लेबाज के रूप में अपनी पूरी क्षमता का उपयोग नहीं किया है।

उन्होंने कहा, पिछले आईपीएल के बाद मुझे एहसास हुआ कि मैं वास्तव में अपनी पूरी क्षमता से खेलना चाहता हूं। मुझे लगता है कि अब तक मैंने अपनी बल्लेबाजी क्षमता का 40 प्रतिशत से अधिक उपयोग नहीं किया है। उन्होंने बताया कि उन्हें अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म को समझने के लिए समय चाहिए। हार्दिक ने कहा कि उन्हें प्रेरित करने में माहिका ने अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने लिखा, तभी माहिका मेरी जिंदगी में आई। हमने खेल के बारे में और उसे वापस पटरी पर लाने के तरीकों के बारे में बात करना शुरू किया। माहिका ने मुझे खेल के प्रति वह उत्साह फिर से जगाने में मदद की जो मुझमें हमेशा से था। वैलेंटाइन डे 2026 पर हार्दिक ने माहिका के लिए अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए अपनी गर्दन के पीछे टैटू बनवाया। टैटू में M अक्षर और दो तेंदुए बने हैं। तेंदुए उनके मजबूत बंधन और एक-दूसरे को बेहतर बनने के लिए प्रेरित करने का प्रतीक हैं। (जेएनएन)

दूसरा टी-20: सात रन के अंदर छह विकेट गंवाकर ऑस्ट्रेलिया से हारी भारतीय टीम

वोल-मूनी के बीच रिकॉर्ड साझेदारी से 19 रन से जीत, सीरीज 1-1 से बराबर

जेएनएन, कैनबरा

जॉर्जिया वोल (88) और बेथ मूनी (46) के बीच पहले विकेट के लिए 128 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने गुरुवार को दूसरे महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत को 19 रन से हराकर तीन मैच की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। वोल और मूनी की पहले विकेट की साझेदारी भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी भागीदारी रही, जिससे मेजबान टीम ने पांच विकेट पर 163 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने शानदार शुरुआत की, लेकिन इसके बावजूद 20 ओवर में नौ विकेट पर 144 रन ही बना सकी।

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 36, स्मृति मंधाना ने 31 और शेफाली वर्मा ने 29 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए एश्ले गार्डनर ने 22 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि किम गार्थ, अनाबेल सदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया की कप्तान सोफी मोलिनू को दो-दो विकेट मिले। सीरीज निर्णायक मुकाबला शनिवार को एडिलेड ओवल

में खेला जाएगा। भारत का स्कोर नौवें ओवर में एक विकेट पर 65 रन था, लेकिन मेहमान टीम ने आखिर में सात रन के अंदर छह विकेट गंवा दिए। शेफाली (23 गेंद में पांच चौके) की तेज शुरुआत के बाद मंधाना भी खुलकर खेल रही थीं। दोनों भारतीय सलामी बल्लेबाजों ने पावरप्ले में 54 रन बना लिए थे।

लेकिन मोलिनू ने शेफाली को पगबाधा आउट करके भागीदारी का अंत किया और गार्डनर ने जेमिमा रोड्रिग्स (04) का अहम विकेट लिया। लगातार दो विकेट गिरने से भारत की रन गति धीमी पड़ गई। जल्द ही मंधाना के रूप में तीसरा विकेट गिरा जब वह गार्थ की गेंद पर मूनी को कैच दे बैठीं। भारतीय टीम ने तीन विकेट पर 71 रन बना लिए थे। तब कप्तान हरमनप्रीत और रिचा घोष (19) ने मिलकर चौथे विकेट के लिए 55 रन जोड़े। हालांकि रन रेट बढ़ता जा रहा था, जिससे भारतीय खिलाड़ियों को जोखिम उठाने का खामियाजा भुगतना पड़ा।

कर्नाटक 15वीं बार रणजी ट्रॉफी के फाइनल में, भिड़ंत जम्मू-कश्मीर से

पहली पारी की बढ़त के आधार पर उत्तराखंड को हराया

जेएनएन, लखनऊ

कर्नाटक ने उत्तराखंड के खिलाफ ड्रॉ हुए सेमीफाइनल मैच में पहली पारी की बढ़त के आधार पर 11 साल के अंतराल के बाद कुल 15वीं बार रणजी ट्रॉफी के फाइनल में जगह बनाई। कर्नाटक 24 फरवरी से हुबली में होने वाले फाइनल में जम्मू-कश्मीर से भिड़ेगा। कर्नाटक ने पांचवें और आखिरी दिन छह विकेट पर 299 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया और बाकी बचे चार विकेट जल्दी गंवा दिए। इससे पूरी टीम 323 रन पर आउट हो गई और उसकी कुल बढ़त 826 रन हो गई। उत्तराखंड ने अवनीश सुधा (66), सचिन रावत (नाबाद 53) और अभय नेगी (नाबाद 57) की अर्धशतकों की मदद से कर्नाटक की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इससे टीम ने दूसरी पारी छह विकेट पर 260 रन पर खत्म की। हालांकि पहली पारी की बड़ी बढ़त कर्नाटक के लिए फाइनल में पहुंचने के लिए काफी थी।

कर्नाटक ने उत्तराखंड का स्कोर छह विकेट पर 156 रन कर दिया था और जीत दर्ज करने की कोशिश में जुटा था। लेकिन नेगी और रावत डटे रहे, दोनों ने सातवें विकेट के लिए 104 रन जोड़े। फिर दोनों टीम के कप्तानों ने चाय के बाद लगभग 30 मिनट बाद ड्रॉ पर सहमति दी।

- कर्नाटक की निगाहें अपने नौवें खिताब पर लगी होंगी। उसने आखिरी रणजी खिताब 2014-15 सत्र में आर विनय कुमार की कप्तानी में जीता था। दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर की नजरें पहले रणजी खिताब पर होगी।

आईपीएल से जुड़ी द हंड्रेड' टीमें पाक खिलाड़ियों पर नहीं लगाएंगी बोली

लंदन, जेएनएन। पाकिस्तान के क्रिकेटरों को आगामी सत्र में 'द हंड्रेड' की उन फ्रेंचाइजी से अनुबंध मिलने में मुश्किल हो सकती है, जिनका स्वामित्व आंशिक रूप से आईपीएल टीमों के पास है। रिपोर्टों के अनुसार इन टीमों ने अगले महीने होने वाली खिलाड़ी नीलामी में पाक खिलाड़ियों पर विचार नहीं करने का निर्णय लिया है। 21 जुलाई से 16 अगस्त तक निर्धारित इस टूर्नामेंट के आगामी सत्र में निजी निवेश के कारण खिलाड़ियों के वेतन में काफी बढ़ोतरी होने वाली है, लेकिन पाकिस्तान के खिलाड़ियों को इस वित्तीय लाभ से वंचित रहना पड़ सकता है, क्योंकि भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण कूटनीतिक संबंधों के चलते आईपीएल से जुड़ी फ्रेंचाइजी ऐसा फैसला कर सकती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एक एजेंट को संकेत दिया कि उसके पाक खिलाड़ियों में रुचि केवल उन टीमों तक सीमित रहेगी, जिनका आईपीएल से कोई संबंध नहीं है। द हंड्रेड आठ फ्रेंचाइजीयों का टूर्नामेंट है। मैनचेस्टर सुपर जाएंट्स, एमआई लंदन, सदर्न ब्रेव और सनराइजर्स लीड्स जैसी टीमें आंशिक रूप से उन संस्थाओं के स्वामित्व में हैं, जो आईपीएल फ्रेंचाइजी को भी नियंत्रित करती हैं। रिपोर्ट में एक अन्य एजेंट ने इस स्थिति को भारतीय निवेश वाली टी-20 लीग में एक अनलिखा नियम बताया। रिपोर्ट के अनुसार चारों फ्रेंचाइजी के मालिकों से टिप्पणी के लिए संपर्क किया गया, लेकिन किसी ने जवाब नहीं दिया।

आस्ट्रेलिया दौरा विवाद: पीएचएफ प्रमुख बुगती ने दिया इस्तीफा

कराची, जेएनएन। पाकिस्तान हॉकी महासंघ के अध्यक्ष तारिक बुगती ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर होटल बुकिंग प्रकरण के कारण टीम को हुई परेशानियों से पैदा हुए विवाद के बीच पद से इस्तीफा दे दिया है। बुगती ने कहा कि उन्होंने पीएचएफ के मुख्य संरक्षक प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को इस्तीफा भेज दिया है, लेकिन उनसे और फील्ड मार्शल असीम मुनीर से ऑस्ट्रेलिया में प्रो लीग के दौरान हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने का आग्रह किया है। विवाद की शुरुआत एक वीडियो से हुई, जिसमें पाकिस्तानी खिलाड़ियों को उनके लगैज के साथ सिडनी की सड़कों पर खड़े दिखाया गया था। पाकिस्तानी हॉकी कप्तान शकील अम्माद बट ने एक और क्लिप जारी की, जिसमें दावा किया गया कि सब कुछ ठीक है और कोई दिक्कत नहीं है।

निराशाजनक अभियान का अच्छा अंत करने उतरेगी ऑस्ट्रेलिया, मुकाबला आज ओमान से

पाल्लेकेले (श्रीलंका), जेएनएन। अपने ग्रुप के दो महत्वपूर्ण मैच में हार से निराश ऑस्ट्रेलिया शुक्रवार को ओमान की कमजोर टीम के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके टी-20 विश्व कप में अपनी निराशाजनक अभियान का सकारात्मक

अंत करने की कोशिश करेगा। सीमित ओवरों के क्रिकेट में छह वनडे और एक टी-20 अंतरराष्ट्रीय विश्व कप खिताब जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम मंगलवार को कैंडी में जिम्बाब्वे और आयरलैंड के बीच मैच बारिश के कारण रद्द होने के बाद अगले दौर में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो गई। इस मैच के रद्द हो जाने से जिम्बाब्वे को एक महत्वपूर्ण अंक मिला, जिससे उसने श्रीलंका के साथ ग्रुप-बी से सुपर आठ में प्रवेश कर लिया। कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने से अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका के खिलाफ बल्लेबाजी में कुछ दम दिखाया, लेकिन उसके गेंदबाज फिर से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। उसे इससे पहले जिम्बाब्वे के खिलाफ उलटफेर का शिकार होना पड़ा था। यही कारण है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने टीम के स्वदेश लौटने पर उसके प्रदर्शन की गहन समीक्षा करने का फैसला किया है। यह 2009 के बाद पहला अवसर है, जबकि ऑस्ट्रेलिया की टीम ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाई।

- ऑस्ट्रेलिया की टीम अब स्वदेश लौटने से पहले जीत दर्ज करना चाहेगी और इसके बाद 2028 में अपने घरेलू मैदान पर होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए आगे की रणनीति तैयार करेगी, विशेषकर तब जबकि उसके कई प्रमुख खिलाड़ी 30 वर्ष से अधिक उम्र के हो चुके हैं।
- कप्तान मिचेल मार्श की अगुआई में ऑस्ट्रेलिया की टीम अपने निराशाजनक अभियान के बावजूद इस मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी।

सिटी स्पोर्ट्स

हॉकी: 2-0 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी कर मध्यप्रदेश ने झारखंड को परास्त किया

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश ने अखिल भारतीय सिविल सेवा हॉकी प्रतियोगिता में अपने पहले मैच में 2-0 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए झारखंड को 3-2 से शिकस्त दी। खेल और युवा कल्याण विभाग दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता में मप्र के लिए कप्तान राजू कुमार ने दो और धनेंद्र सिंह ने एक गोल दागा। टीम के सभी खिलाड़ियों ने फारवर्ड ओर डिफेंस में शानदार प्रदर्शन किया। मप्र की टीम पूल-एफ में राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखंड के साथ है। टीम का अगला मैच 20 फरवरी को छत्तीसगढ़ से होगा। टीम की पहली जीत पर मप्र टीम के पूर्व मैनेजर मुईन उद्दीन कुरेशी, जलज चतुर्वेदी, सय्यद फिरोज अली, रेहान खान, मोहम्मद सफदर, अमृत कुमार कीरो, आमिर अहमद दुर्रानी, अब्दुल वहीद आदि ने बधाई दी।

भोपाल के संजय पांडेय की कोचिंग में छत्तीसगढ़ क्वार्टर फाइनल में

भोपाल। छत्तीसगढ़ की अंडर-23 टीम कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है, जहां उसका सामना राजस्थान से होगा। भोपाल के संजय पांडेय की कोचिंग में टीम ने टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। छत्तीसगढ़ ने ग्रुप-डी में 6 में से 5 मैच जीते। संजय इस वर्ष छत्तीसगढ़ टीम के कोच बने हैं और टीम ने 10 वर्ष के बाद नॉकआउट में कदम रखा। संजय की कोचिंग में मप्र की अंडर-19 टीम कूच बेहार ट्रॉफी और अंडर-23 टीम कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी फाइनल खेली हैं।

बॉस्केटबॉल: महिला और पुरुष टीम की बड़ी जीत

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश की महिला और पुरुष टीम ने अखिल भारतीय सिविल सेवा बास्केटबॉल प्रतियोगिता में अपने-अपने मुकाबले में जीत दर्ज की। नई दिल्ली में खेले गए मैच में मप्र की महिला टीम ने अपने दूसरे मैच में कर्नाटक को 37-0 हराया। मप्र की सिमरन इवनाती ने 12 और भाग्य काड़वे ने 10 अंक बनाकर टीम की जीत में योगदान दिया। टीम ने शुरू से अंत तक आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीम को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं पुरुष वर्ग के मुकाबले में मध्यप्रदेश ने कर्नाटक को 45-22 से हराया। प्रतियोगिता 23 फरवरी तक खेली जाएगी।

पुरुष टीम: प्रदीप सिंह रावत, राजेश सिंह गुसाई, सुनील पाहुजा, डॉ. अनुराग पाठक, नीरज सिंह गुर्जर, दर्श सिंह चौहान, संदीप सिंह रावत, ब्रजराज सिंह, उपेन्द्र पांडेय, नागेंद्र सिंह भदौरिया, मो. तारिक, माइकल अन्थोनी।

महिला टीम: सिमरन इवनाती, मनीषा बडा, वर्षा गुप्ता, सोना कीर, भाग्य काड़वे, पी. रानी स्वरूपा, स्मिता शर्मा, माधुरी शर्मा, अपर्णा चौबे, श्वेता गुप्ता, नविता जैन, नेहा तिवारी।

दूध पीने के बाद परिवार के 7 सदस्यों की बिगड़ी हालत

बैकुंठपुर के सौर गांव की घटना दूध में गिरी थी छिपकली

जागरण, रीवा। बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के सौर गांव में यादव परिवार के 7 सदस्यों की हालत उस वक्त बिगड़ गई जब वो दूध पीने के बाद सोने जा रहे थे। बताया गया कि दूध में छिपकली गिरी हुई थी, लेकिन परिवार के लोगों को इसकी जानकारी नहीं हुई और दूध पीने के बाद सभी को उल्टी व चक्कर आने लगा। आनन फानन में उन्हें उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल लाया गया जहां सबकी हालत सामान्य बताई जा रही है। परिजनों की माने तो बीमार होने से पहले परिवार के सभी सदस्यों ने दूध का सेवन किया था जिसके बाद उन्हें उल्टियां होनी शुरू हो गई। हालांकि बाद में पाया गया कि जिस दूध का सेवन किया गया, उस दूध के बर्तन में छिपकली गिरी हुई थी। फिलहाल प्राथमिक उपचार के बाद सभी की हालत सामान्य बताई जा रही है। महिलाओं सहित बच्चे मिलाकर कुल 7 लोग छिपकली युक्त दूध का सेवन करने से बीमार हो गए हैं। घटना के संबंध में संदीप कुमार यादव ने बताया कि बुधवार की रात परिवार के सभी सदस्यों ने खाना खाने के बाद दूध का सेवन किया था, इसके कुछ ही देर बाद घर की महिलाओं सहित बच्चों को उल्टियां और चक्कर आना शुरू हो गया। परिवार के लोगों के अचानक बीमार होते ही जब देखा गया तो जिस दूध का सेवन किया गया था उस दूध के बर्तन में छिपकली मरी पड़ी थी। प्राथमिक उपचार के बाद अब सभी की हालत सामान्य बताई जा रही है और उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है।

मालिक ने बस लूटने का लगाया आरोप, सतना में छोड़कर भागे आरोपी

जागरण, रीवा। बस मालिक ने मारपीट कर बस लूटने का आरोप लगाते हुए आधा दर्जन आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की है। बताया गया कि रीवा से बस लूट कर आरोपी ले गए जिसकी शिकायत के बाद पुलिस ने घेराबंदी की तो सतना में बस छोड़कर आरोपी फरार हो गए। बताया गया कि आरोपी बस को सतना के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के बगहा रेलवे साइडिंग में छोड़ कर फरार हो गए जिसे सतना पुलिस ने जब्त कर लिया है। बस मालिक ने रीवा निवासी एक बस ऑपरेटर और उनके साथियों पर मामले को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक बस मालिक और ऑपरेटर के बीच लंबे समय से इसे लेकर विवाद चल रहा है। पीड़ित संतोष तिवारी ने बताया कि 9 बसों को दर्शन सिंह ने गैर कानूनी तौर पर उनसे लेकर संचालित कर रहे थे। कोर्ट के आदेश पर अब तक 3 बसें उसे सुपुर्द किया गया है। संतोष तिवारी ने बताया उसी में से फिर एक बस को वह केसरवानी एजेंसी में बनवाने के बाद बीती शाम लेकर जा रहा था और जैसे ही टायर में हवा डलवाने के लिए रुका तो करीब दो दर्जन से ज्यादा आरोपियों ने उसे घेर लिया और मारपीट करते हुए बस लेकर फरार हो गए। पीड़ित ने बताया कि बस लूटे जाने की सूचना तत्काल उसने रामपुर बघेलान सतना, सिविल लाइन पुलिस सहित कंट्रोल रूम को दी जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर ली और आरोपी बगहा रेलवे ट्रैक सतना के समीप बस छोड़कर फरार हो गए, जिसे सतना सिविल लाइन पुलिस ने जब्त कर लिया है।

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर

डॉ.सिद्धार्थ तिवारी

MBBS, MD (Dermatology & STD)

परामर्श शुल्क मात्र 300/-

मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे सायं 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)

चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ

कामता मेडिकल

ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैण्ड रीवा (म.प्र.)

9399312433 9981287311

यात्रियों से भरी तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर खाई में पलटी, आधा दर्जन यात्री घायल

गौतम ट्रेवल्स की बस मऊगंज पतुलखी से आ रही थी रीवा, सुबह हुआ हादसा

जागरण, रीवा

मऊगंज के पतुलखी से रीवा आ रही गौतम ट्रेवल्स की यात्री बस गुरुवार की सुबह करीब दस बजे अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरी खाई में पलट गई। बस में करीब तीन दर्जन यात्री सवार थे, जिसमें आधा दर्जन यात्री गंभीर रूप से घायल हुए हैं। अचानक हुए हादसे के बाद मौके पर यात्रियों की चीख पुकार मच गई। दुर्घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्रित हुए जिन्होंने बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला साथ ही पुलिस को सूचना दी। पुलिस और ग्रामीणों ने सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। बताया गया कि बस में करीब 35 यात्री सवार थे, जिसमे 5 की हालत गंभीर बनी हुई है। मिली जानकारी के मुताबिक गौतम ट्रैवल्स की यात्री बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगभग 5 फीट नीचे जा गिरी। बताया गया कि जैसे ही बस मुनमा मोड़ के पास पहुंची, अचानक बस की स्टेयरिंग फेल हो गई। जिससे चालक बस से नियंत्रण खो बैठा और बस सड़क से नीचे उतर गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, परिचालक ने इस दौरान सूझबूझ दिखाते हुए बस को रोकने का प्रयास किया लेकिन जब तक वह बस से नीचे उतरकर टायर के नीचे पत्थर लगाकर बस को रोकने का प्रयास करता रहा तब तक बस पलट गई। बस में आम यात्रियों के साथ ही बड़ी संख्या में कॉलेज और स्कूली छात्र-छात्राएं सावार थे। घटना में 5 लोग गंभीर बताए जा रहे हैं। अचानक हुए हादसे में मौके पर अफरा-तफरी मच गई। फिलहाल गनीमत रही कि इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

सरपंच सहित ग्रामीणों ने किया बचाव

बस दुर्घटना के बाद स्थानीय ग्राम पंचायत सरपंच रमेश सहित ग्रामीणों ने बस में चीख पुकार कर रहे यात्रियों का रेस्क्यू शुरू किया साथ ही पुलिस को सूचना दी। गांव के सरपंच और ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को बाहर निकाला और निजी वाहनों की मदद से अस्पताल पहुंचाया। समय रहते राहत कार्य शुरू होने से बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में स्टेरिंग फेल होना घटना का कारण बताया जा रहा है। फिलहाल घटना के बाद अब पुलिस वाहन की तकनीकी जांच कर रही है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

आधा दर्जन हत्यारों को आजीवन कारावास

मनगवां थाना क्षेत्र में युवक की हमले में हुई थी मौत

जागरण, रीवा। युवक की हत्या के मामले में नामजद आरोपियों को न्यायालय ने आजीवन कारावास व 10-10 हजार रुपए के अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। 17 वें अपर सत्र न्यायाधीश ने प्रकरण की सुनवाई की। प्रकरण की पैरवी कर रहे अपर लोक अभियोजक विकास द्विवेदी ने बताया कि 18 मार्च 2022 का शुभम सोंधिया अपने दोस्तों के साथ होली मनाने के लिए घर से सुबह करीबन 10.30 बजे निकला था, रास्ते में वह अपने दोस्त अंकित साहू के जीजा के यहां पथरहा में मोटरसाइकिल लेने के लिए गया जहां से बाइक लेकर वह अपने भाई के ससुराल गया था। दोपहर करीबन 1.30 बजे वापस आाया बाइक छोड़कर अपनी स्कूटी ले रहा था तभी नेशनल हाईवे पर उक्त आरोपी गणों द्वारा लाठी डंडा पत्थर से उसके साथ मारपीट शुरू कर दी गई थी और उनकी गाड़ियों की चाबियां निकाल ली। घटना की जानकारी अंकित साहू ने भाग कर अपने जीजा राजेश साहू को दी थी। जिसके बाद आरोपी अभिषेक सिंह भैया ,विजय सिंह ,अंकुर सिंह एवं अपचारी बालक मारपीट कर फरार हो गए। घायल शुभम को घटना के बाद अस्पताल लाया गया था जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में हत्या का मामला पंजीबद्ध कर मामले की विवेचना पूर्ण होने के बाद एक अन्य आरोपी अंकुर सिंह के फरार होने के बावजूद भी माननीय न्यायालय में विचारण हेतु केस डायरी पेश किया जिसके बाद मामला न्यायालय ने आरोपियों को दोषी पाती हुए आजीवन कारवास व अर्थदण्ड की सजा सुनाई है।

आधी रात पहुंची डायल 112 पुलिस ने महिला से की अभद्रता

रीवा। डभौरा थाना क्षेत्र अंतर्गत जमीनी विवाद में स्थगन के बाद चल रहे निर्माण की शिकायत दूसरे पक्ष के लोगों ने पुलिस को दी जिसके बाद पहुंची डायल 112 पुलिस ने निर्माण कार्य बंद करवाया और लौट गई। बताया गया कि इसके बाद रात करीब 1 बजे दोबारा डायर 112 में तीन पुलिस आरक्षक पहुंचे और महिला के घर का दरवाजा खटखटाया महिला बाहर निकली तो उसके साथ गाली गलौज करते हुए अभद्र व्यवहार किया। पूरी घटना तीन फरवरी की रात की बताई जा रही है। पीड़ित परिवार ने मामले की शिकायत पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय रीवा में की है, साथ ही आरक्षकों पर कार्रवाई की मांग की है। महिला कुसुम दीक्षित ने आरोप लगाया कि आरक्षक हसनैन, चित्रांश त्रिपाठी और कृष्णेंद्र सिंह ने 3 फरवरी की रात करीब 12 से 1 बजे के बीच गाली गलौज करते हुए मारपीट की। बताया गया कि जिस वक्त यह घटना हुई उस समय पुलिस के साथ दूसरे पक्ष के अभिषेक मिश्रा पिता हरिशचंद्र मिश्रा भी मौजूद था। जिन्होंने पुलिस से शिकायत की थी। पीड़िता का आरोप है कि डभौरा थाना के आरक्षकों ने उसके साथ आधी रात को अमानवीय व्यवहार किया। पीड़िता ने पुलिस महानिरीक्षक को दिए गए आवेदन में बताया कि कार्रवाई के दौरान महिला पुलिस भी नहीं थी। पीड़िता के मुताबिक पुलिस वालों ने धक्का मारा तो वह जमीन पर गिर गई। जिससे उसके शरीर पर आंतरिक चोट पहुंची।

TAKSHILA INTERNATIONAL HIGH SCHOOL
Chorgadi Rewa

Vacancy

Invites applications from qualified and experience candidates for the post of-

S.No.	Subject	Post	Qualification
1.	English	01	Graduate/ Post Graduate B.Ed./D.Ed is Mandatory.
2.	Maths	01	
3.	Science	01	
4.	Social Science	01	
5.	Nursery Teacher	02	
6.	Sanskrit	01	
7.	Music	01	

Last Date For Resume Submission is 10.03.2026
Interview will be held on 14.03.2026
Salary will be decided on the basis of Qualification, Experience and work efficiency.
Principal
9203102430, 9685673776

जमीनी विवाद पर कुल्हाड़ी से हमले में वृद्ध घायल

अतरैला थाना क्षेत्र के लूक की घटना

जागरण, रीवा। अतरैला थाना क्षेत्र के लूक गांव में जमीनी विवाद के चलते एक वृद्ध पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया जिससे वृद्ध के हाथ पांव और सिर में गंभीर चोट पहुंची है। घटना में अनंत कुमार दुबे पिता रामटहल दुबे 66 वर्ष निवासी लूक घायल हुए जिन्हें उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया कि घायल वृद्ध अपनी बहन के घर निमंत्रण पर जाने के लिए बस का इंतजार कर रहे थे, गुरुवार को उक्त जमीनी विवाद की न्यायालय में पेशी थी। इसी बीच गाली गलौज करते हुए विकास द्विवेदी ने मारपीट करते हुए लूक तिराहे में कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। बताया गया कि घटना में वृद्ध के हाथ की दो उंगली कट गई साथ ही सिर और हाथ पैर में गंभीर चोट पहुंची है। घायल वृद्ध के पुत्र ने ब्रम्हनारायण दुबे ने बताया कि इसके पूर्व भी आरोपी दो से तीन बाद इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। बताया गया कि उनका जमीनी विवाद चल रहा है, कोर्ट में प्रकरण विचाराधीन है, गुरुवार को पेशी गवाही थी। जिसके पहले वारदात को अंजाम दिया गया। बताया गया कि शराब पिलकार मारपीट की घटना को अंजाम दिलवाया गया है। पीड़ित ने पुलिस से जान माल की सुरक्षा के लिए न्याय की गुहार लगाई है।

बोर्ड परीक्षा का प्रश्नपत्र लेने थाना गए भृत्य की हार्ट अटैक से मौत

बैकुंठपुर थाने में सुबह हुई घटना

जागरण रीवा। बोर्ड परीक्षा का प्रश्न पत्र लेने स्कूल शिक्षक के साथ गए भृत्य की हार्ट अटैक से मौत हो गई। घटना उस वक्त हुई जब भृत्य स्कूल के एक शिक्षक के साथ थाने में बोर्ड परीक्षा का पेपर लेने पहुंचा था। अचानक भृत्य थाने में खड़े-खड़े जमीन पर गिर गया जिसके बाद आनन फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया जहां जांच उपरांत चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना गुरुवार की बैकुंठपुर थाने की है। घटना के संबंध में बैकुंठपुर थाना प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया कि शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैकुंठपुर में भृत्य के पद पर पदस्थ आदित्य कुमार नामदेव निवासी हरदी सुबह स्कूल के ही टीचर श्रवण कुमार निगम के साथ बोर्ड परीक्षा का पेपर लेने बैकुंठपुर थाना पहुंचे थे। बताया गया कि जब वह पेपर ले रहे थे तभी आदित्य कुमार नामदेव के सीने में अचानक से दर्द उठा और वह जमीन पर गिर गए। हालांकि घटना के दौरान उनके साथ आए शिक्षक श्रवण कुमार द्वारा आनन फानन में उन्हें अस्पताल पहुंचाया लेकिन जांच के बाद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रथम दृष्टया आदित्य की मौत दिल का दौरा पड़ने से होना बताई जा रहा है।

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ

डॉ. कोम्पल अग्रवाल

MBBS, MD (Dermatology & STD)

चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ

परामर्श:- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद दाग, चेहरे की कील, मुंहासे, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।

विशेष:- Co2 एवं MNRF LASER के द्वारा पिम्पल के गड्ढे, दाग, झुर्रियाँ Stretch Marks, आदि के लिए इलाज की सुविधा

मो.-7247097637

परामर्श शुल्क 300/-

परामर्श क्लीनिक: शॉप नं. 86 तानसेन कॉम्प्लेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

विंध्य के वरिष्ठ डॉक्टर

डॉ प्रदीप निगम

MD, DrNB (गैस्ट्रो)

पेट, लीवर, पित, आंत पैंक्रियाज एवं डायबिटीज रोग विशेषज्ञ

उपलब्ध सुविधा
- एंडोस्कोपी
- कोलोनोस्कोपी
- फाइब्रोस्केन
- ERCP

Call Now 8770352872,7566926696

पता -बाल भारती स्कूल के सामने, समदड़िया गोल्ड सिरमौर चौराहा रीवा

डॉ. बीरभान सिंह

एम.डी. (मेडिसिन)

DrNB (न्यूरोलॉजी) पी.जी.आई.एम.एस. रोहतक

कंसल्टेन्ट न्यूरोलॉजिस्ट

पताः श्रवण कुमारी स्कूल के पास,गुड़ रोड चिरहुला, रीवा (म.प्र.) मो. 7869516171

माधव पब्लिक स्कूल

कक्षाएं Nursery to 8th माध्यम English/Hindi Medium

प्रवेश प्रारंभ 2026-27

विशेषताएं
- योग्य अनुभवी एवं प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा अध्यापन।
- स्पोकन इंग्लिश की विशेष कक्षाएं।
- म्यूजिक, डान्स, गायन की विशेष कला सिखाई जाती है।
- सुविधा युक्त खेल परिसर।
- सर्वसुविधा युक्त कम्प्यूटर लैब।

पता : कुसुम वाटिका, पोखरी टोला-रीवा (म.प्र.) मो. :9229986302

Minerva

मिनर्वा द मेडिसिटी

मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, रीवा

जन्मजात बाल्य हृदय रोग एवं बाईपास सर्जरी

आयुष्मान कार्ड के तहत निःशुल्क इलाज

फोर्टिस हॉस्पिटल के विशेषज्ञों द्वारा विशेष सूचना

दिनांक:20, 21, 22 फरवरी 2026

कार्डियक सर्जरी पुनः निःशुल्क उपलब्ध

असुविधा से बचने के लिए पूर्व में ही रजिस्ट्रेशन करवाएं

खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैंड, रीवा (म.प्र.)

9893516364, 8770288324 टोल-फ्री नंबरः- 18008892250

मिनर्वा आई.व्ही.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)

(निः संतान दंपतियों के लिए)

कम खर्च बेहतर इलाज

सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा

उपलब्ध सुविधाएं
- IUI, IVF, ICSI
- फ्रोजन एम्ब्रियो ट्रांसफर साइकिल (FET)
- एग फ्रीजिंग
- एंब्रियो फ्रीजिंग
- स्पर्म फ्रीजिंग

डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा

स्त्री एवं प्रसूति रोग

MBBS, MD (ऑब्स & गायनी)

मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध

टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830

खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

बेफिक्र ज़िन्दगी के आगे दर्द क्या चीज़ है ?

डा. ऑर्थो स्ट्रांग तेल

Clinically Tested*

जोड़ों के दर्द का Specialist

घुटना दर्द कमर दर्द कलाई दर्द कंधा दर्द

10 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों व सत्वों के योग से निर्मित डा. ऑर्थो स्ट्रांग तेल जोड़ों के अंदर तक समाकर दर्द को कम करने में विशेष सहायता करता है। मात्र 8-10ml तेल दिन में सिर्फ एक या दो बार हल्के हाथों से पीड़ित अंग पर मालिश करें। आयुर्वेदिक होने के कारण इसका प्रभाव अल्पकालिक नहीं लम्बे समय तक बना रहता है।

24x7 Helpline: 78769 77777 | www.drorthooil.com

Dr. Juneja's डा.ऑर्थो Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः मदन मोहन गुप्ता। आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक स्व. गुरुदेव गुप्त
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 सतना - 9993315949 सीधी-7089620900 सिंगरौली-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com